THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 356 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.5 2083 सोमवार, 23 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वैष्णो देवी यात्रा दोबारा शुरू

भारी भीड़ के कारण रोकी गई थी, शनिवार को पहुंचे थे 39 हजार श्रद्धालु

कटरा, 22 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी में त्रिकुटा पहाड़ियों पर बने माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा, भारी भीड़ के कारण कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, इसे रविवार को फिर से शुरू कर दिया गया। शनिवार को भवन में भारी भीड़ के कारण यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया था। शनिवार दोपहर तक 39,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए थे। कटरा में यात्रा के लिए पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) आज सुबह फिर से शुरू हो गया है।

मोदी की पश्चिम एशिया के हालात पर हाई लेवल मीटिंग

पीएम बोले- किसी भी जरूरी चीज की कमी नहीं होने देंगे, लेकिन कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की बीच प्रधानमंत्री मोदी एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक करीब साढ़े तीन घंटे तक चली। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा संकट से निपटना और भारत में तेल, गैस और उर्वरक की सप्लाई आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस बैठक में अमित शाह राजनाथ समेत पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल रहे। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में शामिल हुए।

बैठक में प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की स्थिति की समीक्षा हुई। साथ ही बिजली और उर्वरक सेक्टर की तैयारियों पर भी चर्चा हुई। सरकार का फोकस साफ था कि देश में सप्लाई चेन बनी रहे और आम लोगों व उद्योगों पर इसका असर कम से कम पड़े।

बैठक में होर्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुए संकट पर खास चर्चा हुई, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस आता है। पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के कारण सप्लाई रूट प्रभावित हुए हैं।

>14

एआई ज्यूडीशियरी को मजबूत करने में मदद करे : सीजेआई

बेंगलुरू, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को ज्यूडिशियल सिस्टम में इस तरह से शामिल किया जाना चाहिए जिससे यह हमारी व्यवस्था को मजबूत करे, न कि उसके असली काम को ही कमजोर कर दे।

सीजेआई बोले- एआई को बड़ी मात्रा में डेटा और रिकॉर्ड को संभालने, पैटर्न पहचानने और सिस्टम में हो रही देरी को कम करने में मदद करनी चाहिए। वह फैसले सुनाने के काम में दखल न दे, बल्कि फैसले इंसानों के हाथों में ही रहना चाहिए। चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के बेंगलुरू में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में शामिल हुए थे। जहां 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-विवादों की रोकथाम और समाधान' विषय सेमिनार रखा गया था।

> फैसले सुनाते समय जजों को अपनी तर्कशक्ति, अनुभव और एनालिसिस करने की क्षमता पर ही निर्भर रहना चाहिए।

> एआई को केवल एक टूल, साधन के रूप में काम करना चाहिए, जबकि दिशा हमेशा इंसानी बुद्धि से ही तय की जानी चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता को लेकर भी सुझाव दिया। सीजेआई ने कहा कि सरकारी वकीलों और मुफ्त कानूनी सहायता पैनल में कम से कम 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल किया जाना चाहिए। देश में 45 से 50 प्रतिशत न्यायिक अधिकारी महिलाएं हैं और कई राज्यों में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

पीएम मोदी ने रचा इतिहास

भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बने, पवन चामलिंग को भी छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत की राजनीति में एक बड़ा इतिहास रचते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब देश के सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। देखा जाए तो यह उपलब्धि केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि दशकों तक लगातार नेतृत्व, जनसमर्थन और राजनीतिक स्थिरता की कहानी भी है। पीएम मोदी अब तक कुल 8931 दिन सरकार के मुखिया (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में काम कर चुके हैं।

इसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने 8930 दिन तक सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर यह जिम्मेदारी संभाली थी। पीएम मोदी की यह उपलब्धि भारत के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर मानी जा रही है।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। वह लंबे समय तक इस पद पर बने रहे और अपने कार्यकाल में कभी चुनाव नहीं हारे। साल 2014 में प्रधानमंत्री पद के लिए नाम सामने आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर प्रधानमंत्री पद संभाला। इसके बाद 2019 और 2024 में भी उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह है कि अपने पूरे राजनीतिक करियर में उन्होंने अब तक कोई बड़ा चुनाव नहीं हारा है।

पीएम मोदी ने अपने सफर को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में काम शुरू किया, तब राज्य कई बड़ी मुश्किलों से गुजर रहा था। गुजरात भूकंप, चक्रवात, सूखा और राजनीतिक अस्थिरता जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों ने उन्हें और मजबूत बनाया और उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने अपनी मां की एक सीख का भी जिक्र किया, गरीबों के लिए काम करना और कभी रिश्वत न लेना, जैसी सीख को उन्होंने अपने जीवन का मार्गदर्शन बताया।

पीएम मोदी के अनुसार, उनके कार्यकाल में गुजरात ने कृषि, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी तरक्की की और एक मजबूत राज्य के रूप में उभरा। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 में जब उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया, तब देश में भरोसे का संकट था, लेकिन जनता ने उन्हें मजबूत समर्थन दिया।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में एक मजबूत देश बनकर उभरा है। पीएम मोदी ने महिलाओं (नारी शक्ति), युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि देश की सेवा करना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और लंबे सार्वजनिक जीवन की जमकर सराहना की है। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी की दशकों की सेवा ने भारत में एक नया दौर शुरू किया है। उन्होंने गरीबों को अधिकार दिलाने, विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और दुनिया में भारत की छवि मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने यह भी कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए पीएम मोदी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है और पिछले 24 साल से अधिक समय से बिना छुट्टी लिए देश की सेवा कर रहे हैं।

5 राज्यों के चुनाव के बाद सरकार बढ़ाएगी तेल और गैस की कीमतें : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर देश के सामने मौजूदा आर्थिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा और रणनीति नहीं होने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की कि अगले महीने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है।

राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, जिसका असर हर भारतीय पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार भले ही खोखले बयान दे रही हो और यह दावा कर रही हो कि सब कुछ सामान्य है, लेकिन हकीकत यह है कि रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती लागत हर घर को प्रभावित करेगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और कमर्शियल ईंधन की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी- ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे सामान्य स्थिति बताए, लेकिन हकीकत यह है : उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी। रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, एफआईआई का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के 7 आरोप

हटाने की मांग वाले नोटिस में दावा- सरकार के इशारों पर चलते हैं, एसआईआर से मताधिकार छीने

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में विपक्षी सांसदों ने नोटिस दिया है। लोकसभा-राज्यसभा में लाए गए नोटिस में सीईसी पर 7 आरोप है लगाए गए हैं। यह कहा गया है कि वे सरकार के इशारे पर काम करते हैं।

विपक्ष का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के जरिए लोगों के वोट देने के अधिकार छीन लिया। नोटिस में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं। 12 मार्च को संसद के दोनों सदन में जमा किए गए नोटिस में सीईसी के खिलाफ साबित दुर्व्यवहार के आधार पर उन्हें हटाने की मांग की गई है। लोकसभा में 130 और राज्यसभा में 63 विपक्षी सांसदों ने सीईसी को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाने की भी मांग की है।

सीईसी के खिलाफ विपक्ष के 7 आरोप :

विपक्ष के आरोपों में कुमार की सीईसी के तौर पर नियुक्ति की प्रक्रिया, 17 अगस्त 2025 को राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए उनकी पक्षपातपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस, विपक्ष और सत्ताधारी दल के सदस्यों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार, जांच में बाधा डालना, पारदर्शिता के साधन उपलब्ध कराने से इनकार करना और सत्ताधारी दल के राजनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) प्रक्रिया को लागू करना शामिल है। यह दावा किया जा रहा है कि विपक्ष मानसूत्र सत्र के दौरान सीईसी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकता है। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी होता है।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

विपक्ष सीईसी ने ईसीआई को एक निष्पक्ष चुनावी संस्था से बदलकर, कार्यपालिका के राजनीतिक एजेंडे को लागू करने वाले एक 'माध्यम' में बदल दिया है। उन्होंने इसे एक निष्पक्ष चुनाव कराने वाली संस्था से बदलकर, नागरिकता तय करने वाले एक ट्रिब्यूनल में तब्दील कर दिया है।

>14

मैं अब कांग्रेस में नहीं रह सकता : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। और पूर्व मंत्री जीवन रेड्डी ने रविवार को कांग्रेस पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब वे कांग्रेस पार्टी से अपनी सदस्यता और एआईसीसी सदस्यता जारी नहीं रख सकते। उन्होंने कहा कि वे इस महीने की 25 तारीख को अपना इस्तीफा सौंपेंगे और उसी दिन अपने राजनीतिक भविष्य के निर्णय की घोषणा करेंगे। जीवन रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे 25 मार्च को जगतियाल में आयोजित बैठक में शामिल हों और अपने सुझाव और मार्गदर्शन दें।

>14

अमेरिका से एलपीजी, रूस से क्रूड लेकर भारत पहुंचा शिप

गैस-कच्चा तेल लेकर 5 जहाज भारत आ चुके, फारस की खाड़ी में सभी 22 जहाज सुरक्षित

बेंगलुरू, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर एक कार्गो शिप रविवार को मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। वहीं रूस से एक जहाज क्रूड लेकर भारत आया। पिछले 7 दिनों में करीब पांच जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे।

इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अदाणी पोर्ट्स आया था।

वहीं, दो अन्य एलपीजी कैरियर एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी करीब 92,712 मीट्रिक टन गैस लेकर 16 और 17 मार्च को भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं। फारस की खाड़ी में मौजूद होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के अहम शिपिंग रूट्स में शामिल है। यहां से दुनियाभर की करीब 20 प्रतिशत ऑयल की सप्लाई होती है।

भारतीय झंडे वाला क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा पोर्ट (अदानी पोर्ट्स) पर आया था। इस टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल था। यह तेल यूएई से आया, जिसे फुजैराह पोर्ट पर लोड किया गया था।

शिपिंग मंत्रालय के मुताबिक नंदा देवी नाम का जहाज भी करीब 46 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आया। जहाज गुजरात के वडीनार (जामनगर) बंदरगाह पर पहुंचा था।

जंग के बीच एलपीजी कैरियर जहाज शिवालिक कतर से गैस लेकर भारत पहुंचा। यह जहाज गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर आया था। शिवालिक जहाज पर करीब 46 हजार मीट्रिक टन एलपीजी है, जो करीब 32.4 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला एलपीजी जहाज था।

केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया

200 करोड़ जुर्माना : डिलीवरी के बाद बच्चे की मौत हुई, अमेरिकी कोर्ट ने कहा- कंपनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन डीसी, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (200 करोड़) का जुर्माना लगाया है।

महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया।

चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स (टीक्यूएल) अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम (डब्ल्यूएफएच) की इजाजत मांगी थी।

पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा आतंकवाद प्रभावित देश

पिछले साल 1139 लोग मारे गए, रिपोर्ट- भारत में आतंकी घटनाएं 43 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान अब दुनिया में आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित देश बन गया है। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में 1139 लोगों की जान गई, जो 2013 के बाद सबसे ज्यादा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में बढ़ते आतंक के पीछे कई संगठन हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) है, जो पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकी संगठन माना जा रहा है। इसके साथ ही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भी हमलों में शामिल रहा है। 2025 में टीटीपी ने 595 हमले किए, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 24 प्रतिशत ज्यादा हैं। इन हमलों का सबसे ज्यादा असर खैबर पख्तूनख्वा हुआ। इसी बीच भारत के लिए राहत की खबर है। भारत में पिछले एक साल में आतंकी घटनाओं में करीब 43 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 में 13वें स्थान पर है। इससे पहले भारत 11वें स्थान पर था।

लिस्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया लगातार दसवें वर्ष आतंकवाद से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है। पहली बार पाकिस्तान इस लिस्ट में टॉप पर है और आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित देश बन गया है। अफगानिस्तान में हालात में सुधार है और यह अब टॉप 10 देशों की लिस्ट से बाहर आ गया है।

दुनियाभर में 2025 में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 28 प्रतिशत की कमी आई है। आतंकी हमलों की संख्या भी लगभग 22 प्रतिशत गिरकर 2,944 हो गई है। कुल मिलाकर इस साल 81 देशों में स्थिति सुधरी है, जबकि 19 देशों में स्थिति खराब हुई है। पश्चिमी देशों में आतंकवाद से होने वाली मौतों में लगभग 280 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

जाति जनगणना जरूरी

लेकिन समाज को बांटने की इजाजत नहीं : आरएसएस की दो टूक

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने जाति जनगणना को लेकर अपना स्पष्ट रुख जाहिर किया है। आरएसएस का कहना है कि वह कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए इसका समर्थन करता है, लेकिन इसे समाज को बांटने के लिए इस्तेमाल करने का विरोध करता है।

आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि संगठन जाति के मुद्दे को सामाजिक समरसता के नजरिए से देखता है, न कि टकराव के रूप में। उन्होंने कहा, अगर आपसी प्रेम बढ़े और भेदभाव खत्म हो जाए, तो बड़ी समस्याएं भी सुलझ सकती हैं। बिना समरसता के छोटे मुद्दे भी बड़े विवाद बन जाते हैं।

सामाजिक समरसता पर जोर :

उन्होंने कहा कि मंदिरों, श्मशान घाटों, पानी के स्रोतों और सार्वजनिक जगहों पर सभी का प्रवेश खुला होना चाहिए और आरएसएस के स्वयंसेवक स्थानीय स्तर पर ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, एकल विद्यालय और सेवा भारती जैसी संस्थाओं का जिक्र करते हुए बताया कि ये संगठन एक बड़े जनसंपर्क नेटवर्क का हिस्सा हैं।

महिलाओं की भागीदारी पर क्या कहा :

महिलाओं की भागीदारी के मुद्दे पर, आंबेकर ने 'राष्ट्रीय सेविका समिति' की समानांतर व्यवस्था का बचाव करते हुए कहा कि यह आरएसएस की 'शाखा' प्रणाली की ही तरह काम करती है। साथ ही, उन्होंने महिलाओं की भूमिका को और विस्तार देने की जरूरत को भी स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि 'महिला संबंध' नामक एक समन्वय तंत्र के ज़रिए निर्णय लेने की प्रक्रिया और जनसंपर्क अभियानों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

बीजेपी से रिश्तों पर क्या बोले :

आरएसएस-बीजेपी संबंधों पर आंबेकर ने कहा कि आरएसएस एक सामाजिक संगठन है, जो व्यक्ति निर्माण पर काम करता है। बीजेपी से संबंधों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों संगठन स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। आंबेकर ने हिंदुत्व को 'एकजुट करने वाला विचार' बताते हुए कहा कि यह 'वसुधैव कुटुंबकम' जैसे सिद्धांतों पर आधारित है, जो विविधता में एकता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि भारत का मॉडल समाज-केंद्रित है, जबकि पश्चिम का मॉडल राज्य-केंद्रित होता है।

भारत में यूक्रेनी नागरिकों की हिरासत पर रूस का बड़ा बयान, दूतावास की भूमिका पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने 13 मार्च को नई दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता के अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक को हिरासत में लिया था। छह यूक्रेनी नागरिकों की गिरफ्तारी मामले पर रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा, ये लोग म्यांमार सीमा पार कर मिजोरम में दाखिल हुए थे और स्थानीय हथियारबंद जातीय समूहों के साथ संपर्क बनाए, ताकि उन्हें ईयू में बने ड्रोन सप्लाई किए जा सकें और उन्हें ड्रोन असेंबल-रिपेयर करने और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर करने की ट्रेनिंग दी जा सके। भारतीय मीडिया ने एनआईए के हवाले से कहा कि ये हथियारबंद समूहों ने उत्तर-पूर्वी भारत में विद्रोहियों के साथ संबंध बनाए हुए हैं।

जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी क्यों?

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से मांगा पाई-पाई का हिसाब

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने एक बड़ा आदेश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे 18 मई तक अपनी जेलों का ब्यौरा पेश करें, यानी अदालत ने सभी राज्यों से पाई-पाई का हिसाब मांग लिया है।

शीर्ष अदालत ने साफ-साफ कहा है कि अब पुराने आंकड़ों से काम नहीं चलेगा। राज्यों को 1 मार्च 2026 तक की स्थिति के आधार पर यह बताना होगा कि उनकी जेलों में कुल कितने कैदी हैं। इतना ही नहीं, राज्यों को यह भी बताना होगा कि जेलों में कितने कैदी रह सकते हैं और अभी कितने कैदियों को रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से केवल संख्या नहीं पूछी है, बल्कि यह भी पूछा है कि जेलों में बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए प्रशासन ने अब तक क्या ठोस कदम उठाए हैं? अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जेल-वार डेटा मांगा है। इससे यह पता चलेगा कि किस जेल में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा है कि राज्य अपनी रिपोर्ट में बताएं कि महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं कैसी हैं? इतना ही नहीं, कैदी मां के साथ जेल में रहने को मजबूर बच्चों के भविष्य और शिक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? अदालत का कहना है कि इन बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा किसी भी हाल में प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

जेलों में बढ़ते अपराध के पीछे अक्सर सुरक्षाकर्मियों की कमी एक बड़ा कारण होती है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से जेल स्टाफ की संख्या और वर्तमान में खाली पड़े पदों का ब्यौरा भी मांगा है। राज्यों को यह भी बताना होगा कि इन रिक्तियों को भरने के लिए वे क्या प्रक्रिया अपना रहे हैं।

पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर की मुश्किलें बढ़ी एफआईआर दर्ज

अमृतसर, 22 मार्च (एजेंसियां)। स्थित पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (पीएसडब्ल्यूसी) के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि गगनदीप ने मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर की प्रताड़ना से परेशान होकर यह कदम उठाया है। अब इस मामले में पंजाब पुलिस ने पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके पीए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह मामला रणजीत एवेन्यू पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। मृतक की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिन्होंने तीनों पर लगातार उत्पीड़न, शारीरिक मारपीट, मानसिक यातना और दबाव डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायत में कहा कि इन कारणों से कथित तौर पर उनके पति ने 21 मार्च 2026 की सुबह सल्फास का सेवन किया।

मणिपुर में जगी शांति की उम्मीद

हिंसा के बीच पहली बार बातचीत की मेज पर आए सरकार और कुकी समुदाय

इम्फाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। बीते करीब तीन वर्ष से जारी जातीय संघर्ष और अस्थिरता के बीच राज्य के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शनिवार शाम गुवाहाटी में कुकी-जो काउंसिल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ घंटों तक बैठक की। बंद कमरे में चली इस बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। मई 2023 में भड़की हिंसा के बाद यह पहला मौका है जब मणिपुर सरकार के मुखिया और कुकी-जो समुदाय के शीर्ष नेतृत्व के बीच आमने-सामने बैठकर बातचीत हुई है। लगभग पौने दो घंटे तक चली इस बातचीत ने अशांति की जमी हुई बर्फ को पिघलाने का काम किया है।

शांति की ओर पहला कदम

रविवार को कुकी समुदाय की ओर से जारी बयान में इस बात की पुष्टि हुई है। काउंसिल ने इसे औपचारिक संवाद की शुरुआत बताया है। हालांकि, बैठक में किसी ठोस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए। फिर भी मणिपुर की राजनीति को करीब से समझने वाले लोगों का मानना है कि दोनों पक्षों का एक मेज पर बैठना ही अपने आप में एक बड़ी कूटनीतिक जीत है।

कुकी समुदाय की शर्तें

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री के साथ बैठक के दौरान कुकी-जो प्रतिनिधिमंडल ने बेहद सख्त रुख अपनाया। उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने कुछ प्रमुख मांगें रखीं। कुकी समुदाय के नेताओं ने मुख्यमंत्री से कहा कि संघर्ष के दौरान जान-माल गंवाने वाले पीड़ितों को न्याय मिलना किसी भी शांति प्रक्रिया की पहली अनिवार्य शर्त है। इसके अलावा कुकी नेताओं ने कहा कि हाल के दिनों में कुकी और तांगखुल समुदायों के बीच बढ़े तनाव को तत्काल कम करने की आवश्यकता है।

जब तक कोई अंतिम राजनीतिक समाधान नहीं निकल जाता, तब तक दोनों समुदायों के बीच बने 'बफर ज़ोन' की यथास्थिति बरकरार रखी जाए। उग्रवादी समूहों के साथ जारी सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस वार्ता को जल्द तार्किक अंजाम तक पहुंचाया जाए ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने क्या कहा?

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को बेहद धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने अपनी सरकार की ओर से शांति बहाली के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। सीएम ने इस बात की सराहना की कि चुनौतीपूर्ण समय के बावजूद कुकी-जो काउंसिल संवाद के लिए आगे आई।

बताते चलें कि मई 2023 से अब तक मणिपुर में 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इतना ही नहीं, हजारों की संख्या में लोग आज भी राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। उम्मीद है कि गुवाहाटी में हुई इस बैठक का नतीजा सिर्फ शांति ही हो।

चुनाव से पहले हिंसा

उग्रवादी समूह उल्फा के हमले में चार पुलिसकर्मी घायल, सुरक्षा बलों ने जांच शुरू की

गुवाहाटी, 22 मार्च (एजेंसियां)। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार तड़के पुलिस पर हमला हुआ, जिसमें कम से कम चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह घटना जगुन इलाके में तड़के करीब 2 बजे हुई। असम पुलिस के अनुसार, इस हमले के पीछे उग्रवादी संगठन यूएलएफए (आई) का हाथ होने का शक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जानकारी में चार जवानों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

घायल पुलिसकर्मियों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और हमलावरों की तलाश में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और अधिक जानकारी का इंतजार है। इस घटना पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अत्यंत निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि सेना और पुलिस ने मिलकर उपद्रवियों के खिलाफ सशस्त्र कार्रवाई शुरू कर दी है।सीएम सरमा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है, उन्हें निश्चित रूप से गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अपने बयान में सीएम ने यह भी कहा कि राज्य सरकार और सुरक्षा बल पूरी तरह से स्थिति को नियंत्रित करने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क हैं। हादसे की जांच और छानबीन जारी है, और अधिकारियों ने जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है।

यात्रियों से भरी चलती मिनी ट्रैवलर बस में लगी भयानक आग, निकलकर भागे लोग; ऐसे बची जान

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के विदर्भ में यवतमाल के पास चलती मिनी ट्रैवलर बस में आग लग गई। इस दुर्घटना में बाल-बाल 10 यात्रियों की जान बच गई। आग लगते ही ड्राइवर ने सूझ-बूझ दिखाते हुए वाहन को तुरंत रोका। सभी यात्रियों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। बता दें कि वर्धा से नांदेड जा रही एक मिनी ट्रैवलर बस में यवतमाल शहर के पास एयरपोर्ट परिसर में अचानक आग लगने की घटना सामने आई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी मिनी ट्रैवलर बस आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गई। ये घटना बीते शनिवार की बताई जा रही है। इस अग्निकांड के वायरल वीडियो में दिख रहा है कि लोग किसी तरह वाहन से दूर भाग रहे हैं। एक-दूसरे को आग लगी गाड़ी से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। इस दौरान, मिनी ट्रैवलर बस धू-धूकर जलती नजर आ रही है। उसमें से निकलता हुआ धुआं आसमान में छा रहा है। ये दृश्य दहलाने वाला है।

4 लाख तो मैं अपने कुत्तों पर खर्च करता हूं

जस्टिस दत्ता ने सुनाया पूर्व सीजेआई का एक रोचक किस्सा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की कॉन्फ्रेंस में जस्टिस दीपांकर दत्ता ने एक रोचक किस्सा सुनाया। यह किस्सा एक पूर्व सीजेआई से जुड़ा था। जस्टिस दत्ता ने बताया कि पूर्व चीफ जस्टिस ने एक बार एक वकील को जज बनने का ऑफर दिया था पर सैलरी पर आकर बात अटक गई। सामने वाला 2.25 लाख पर तैयार नहीं हुआ क्योंकि उसका कुत्ते पर खर्च ही 4 लाख से ऊपर था। कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए जस्टिस दीपांकर दत्ता ने चार छोटी-छोटी कहानियां सुनाईं जिनमें एक ये भी थी।

जस्टिस दत्ता ने रोचक किस्सा सुनाते हुए बताया कि एक घटना केक पर चेरी जैसी है। यह मैंने अपने पूर्व मुख्य न्यायाधीश से सुना था। उन्होंने एक वरिष्ठ अधिवक्ता को बुलाया। वह आए। पूर्व चीफ जस्टिस ने पूछा कि हां बताइए, क्या चाहते हैं? पूर्व सीजेआई ने उन्हें जज बनने का ऑफर दिया। अधिवक्ता तैयार हो गए। उन्होंने पूर्व चीफ जस्टिस से पूछा-वेतन क्या होगा? जवाब मिला- 2.25 लाख रुपये + भत्ते। इसपर अधिवक्ता का

जवाब सुनने लायक था। कहा कि सर, मेरे घर में चार पालतू जानवर हैं, और मैं उन पर 4 लाख रुपये खर्च करता हूं। अगर मुझे जज बनना पड़े, तो मुझे चोरी करनी पड़ेगी।

हर कोई संन्यासी नहीं होता

जस्टिस दत्ता ने आगे कहा कि आपके पास सबसे प्रतिभाशाली लोग न्यायपालिका में आने के लिए तैयार नहीं होते। उन्हें प्रोत्साहन देना होगा ताकि वे इस सेवा में आएं। हर कोई संन्यासी नहीं होता, हर कोई ऐसा नहीं है कि अपनी निजी जिंदगी की परवाह किए बिना जज बनने को तैयार हो जाए। अगर आपके पास उच्च गुणवत्ता वाले लोग बेंच पर नहीं होंगे, तो आप मामलों के तेज निपटारे की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? जस्टिस दत्ता ने एक और कहानी सुनाते हुए कहा कि एक अधिवक्ता की सिफारिश तब की गई जब उनकी उम्र 45 वर्ष से कम थी, लेकिन जब यह सिफारिश सुप्रीम कोर्ट पहुंची, तब उनकी उम्र 45 से अधिक हो चुकी थी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की इस सिफारिश को यह कहते हुए वापस कर दिया कि उम्मीदवार की उम्र सिफारिश के समय 45 से कम थी। जब बाद में उनका नाम दोबारा हाई कोर्ट कॉलेजियम के सामने आया, तो वह हाथ जोड़े आए और बोले कि सर, दो साल बहुत होते हैं।मेरी प्रैक्टिस बहुत कमजोर हो चुकी है। कृपया मुझे शर्मिंदा न करें और वह बाहर चले गए।

युवती से छेड़छाड़, घर पहुंचकर मारपीट

इंदौर, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के अन्नपूर्णा क्षेत्र में एक शोरूम कर्मचारी युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अन्नपूर्णा पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवती की शिकायत पर ईशान पुत्र उमेश चौहान, निवासी गोपुर चौराहा क्षेत्र, के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी से पहले उसकी दोस्ती थी, लेकिन शादी के बाद उसने बातचीत बंद कर दी। इसके बावजूद आरोपी लगातार बात करने के लिए दबाव बनाता और आने-जाने के दौरान पीछा करता था।

युवती के अनुसार आरोपी ने जरूरत के नाम पर उसकी सोने की अंगूठी और टॉप्स ले लिए थे, जिन्हें वह अब तक वापस नहीं कर रहा है। आरोपी कार से युवती के घर पहुंचा और बाहर खड़े होकर अपशब्द कहने लगा। विरोध करने पर उसने युवती के साथ मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर युवती की मां और भाई बाहर आए और बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी धमकी देकर मौके से फरार हो गया।

वेयरहाउस कॉरपोरेशन मैनेजर की मौत पर सांसद तिवारी ने जताया शोक

निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच की उठाई मांग

चंडीगढ़, 22 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब स्टेट वेयरहाउस कॉरपोरेशन के जिला मैनेजर की मौत को लेकर सांसद मनीष तिवारी ने गहरा शोक व्यक्त किया है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया है और किसी भी निर्दोष व्यक्ति की जान जाना बेहद दुखद और चिंताजनक है।

सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से करवाई जानी चाहिए, ताकि सच्चाई पूरी तरह सामने आ सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि जांच पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति इस मामले में दोषी पाया जाता है, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में भय का माहौल पैदा करती हैं और लोगों का भरोसा कमजोर करती हैं, इसलिए समय रहते सख्त कदम उठाना आवश्यक है।

सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि यह समय राजनीति करने का नहीं है, बल्कि पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले को पूरी गंभीरता से लेना चाहिए और जल्द से जल्द जांच प्रक्रिया शुरू करानी चाहिए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके।

मनीष तिवारी ने प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि जांच में सभी पहलुओं को शामिल किया जाए और किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय तभी संभव है जब पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे लोगों का व्यवस्था पर विश्वास कम हो सकता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह इस मामले में त्वरित और प्रभावी कदम उठाए।

बर्फीली रात में भारतीय सेना का रेस्क्यू ऑपरेशन, इंजीनियर पवन ठाकुर को मौत के मुंह से निकाला

कठुआ, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के जवानों ने रात के अंधेरे और सब-जीरो तापमान में एक रेस्क्यू ऑपरेशन कर घायल इंजीनियर पवन ठाकुर की जान बचाई। यह घटना कठुआ जिले के चट्टरगला पास पर हुई, जो 11 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी-भद्रवाह रोड पर स्थित है। पवन ठाकुर पकल डुल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में कार्यरत हैं। वह गुलदंडा से अपने घर बनी लौटते समय 20-25 मीटर गहरी खाई में गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए।

खराब मौसम और बर्फ से ढके इलाके में फंसने के बाद उन्होंने पास के सेना कैंप सर्थल को आपातकालीन कॉल की। सेना के जवानों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। बर्फीली रात और मुश्किल इलाके में कठिनाई के बावजूद, जवान घायल व्यक्ति तक पहुंचे उन्हें तुरंत प्राथमिक चिकित्सा दी और सुरक्षित रूप से सर्थल ले गए। इसके बाद पवन ठाकुर को आगे के इलाज के लिए बानी के सब-डिस्ट्रिक्ट अस्पताल भेजा गया।

जोधपुर जेल से रिहा होकर लेह पहुंचे सोनम वांगचुक

हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों से करेंगे मुलाकात

लेह, 22 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर जेल से रिहा हुए पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक लेह पहुंच गए हैं। लेह स्टेडियम ने उनके स्वागत का कार्यक्रम हो रहा है। सोनम वांगचुक गत वर्ष 24 सितंबर को लेह मे हुए हिंसक प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मारे गए चार लोगों के घरों में जाकर उनके परिजनों से शोक जताएंगे सोनम वांगचुक ने वीडियो जारी कर अपने 22 मार्च को अपने लेह पहुंचने की जानकारी देते हुए लद्दाखियों से आग्रह किया था कि लेह में उनके स्वागत के लिए कोई बड़ा कार्यक्रम न किया जाए। वांगचुक ने गत वर्ष सितंबर महीने में लेह में हुए प्रदर्शन का हवाला देते हुए लोगों से कहा था कि लद्दाख के मुद्दों को लेकर बातचीत जारी है। जारी हालात में क्षेत्र में माहौल को शांतिपूर्ण बनाए रखा जाए। वांगचुक को 14 मार्च को जोधपुर जेल से रिहा किया गया था। उनकी रिहाई के दो दिन बाद सोलह मार्च को लद्दाख के लेह व कारगिल जिलों में राज्य दर्ज, संविधान की छठी अनुसूची जैसे मुद्दों को लेकर पीस रैलियों में भारी भीड़ उमड़ी थी।

यह हिरासत लेह में हुए उन विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में थी, जिन्होंने पिछले सितंबर में इस क्षेत्र को हिलाकर रख दिया था। वांगचुक को हिरासत में लिया गया और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत राजस्थान की जोधपुर जेल में डाल दिया गया। सरकार ने कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद 'सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने' के लिए वांगचुक को हिरासत में लिया गया था।

नकली गहनों पर फर्जी हॉलमार्क लगाकर बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

चमोली, 22 मार्च (एजेंसियां)। चमोली में पुलिस ने नकली ज्वैलरी पर फर्जी हॉलमार्क लगाकर लोगों को बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से हॉलमार्क लगाने की मशीन व अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं। बता दें कि 19 मार्च को लवली रावत पत्नी संदीप रावत निवासी ग्राम बैंग (हाल निवासी डाडो) ज्योतिर्मठ ने कोतवाली में लिखित तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया कि उन्होंने जुलाई 2025 में अपनी नथ व झुमके 40 हजार में प्रतिमाह दो हजार रुपये ब्याज पर अपर बाजार ज्योर्तिमठ स्थित आदय ज्वैलर्स के संचालक बंटी कुमार के पास गिरवी रखे थे। नवंबर में 40 हजार वापस करने के बाद दिसंबर माह में उन्होंने ज्वैलरी वापस ली। जब उन्होंने नथ और झुमके पहने तो अन्य लोगों ने उनके नकली होने की आशंका व्यक्त की।

भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची कांग्रेस

सांप्रदायिक टिप्पणी का लगाया आरोप

कोच्चि, 22 मार्च (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव की हलचल के बीच गुरुवायूर सीट से भाजपा उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन मुश्किलों में घिर गए हैं। कांग्रेस के छात्र संगठन केएसयू ने उनके एक कथित बयान को लेकर केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। केएसयू का आरोप है कि गोपालकृष्णन ने चुनाव प्रचार के दौरान सांप्रदायिक टिप्पणी की है। केएसयू ने इस मामले में पुलिस और चुनाव अधिकारियों से भी शिकायत की है। यह पूरा विवाद एक वीडियो से शुरू हुआ। इस वीडियो में गोपालकृष्णन कथित तौर पर दावा किया था कि गुरुवायूर में पिछले 50 वर्षों से कोई हिंदू विधायक नहीं चुना गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वामपंथी और कांग्रेस गठबंधन इस सीट से हिंदू समुदाय के उम्मीदवार नहीं उतार रहे हैं।

गोपालकृष्णन ने गुरुवायूर को भगवान गुरुवायूरप्पन की पवित्र धरती बताया। उन्होंने आगे कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय तीर्थ स्थल पिछले पांच दशकों से मंदिर चोरों के कब्जे में है। उन्होंने वीडियो में कथित सवाल उठाया कि आखिर अब तक गुरुवायूर में कोई हिंदू विधायक क्यों नहीं बना? केएसयू के त्रिशूर जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर ने फेसबुक पर इस कानूनी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने की मांग के साथ हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसके अलावा जिला कलेक्टर, जिला पुलिस प्रमुख और चुनाव अधिकारियों को भी पत्र लिखा गया है। शिकायत में कहा गया है कि भाजपा नेता के बयान का मकसद वोट पाने के लिए लोगों को धर्म के आधार पर बांटना है। केएसयू ने इसे चुनाव नियमों का उल्लंघन बताया है।

'कोई नहीं बचेगा'

दुष्कर्म मामले में स्वंयभू बाबा अशोक खरात पर सीएम फडणवीस सख्त, एसआईटी जांच में जुटी पुलिस

नासिक, 22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में खुद को बाबा बताने वाले आरोपी पर लगे दुष्कर्म के आरोप ने सियासी और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि इस मामले में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और जांच सख्ती से आगे बढ़ेगी। नासिक पुलिस ने अशोक खरात नाम के एक स्वयंभू बाबा को एक महिला की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि उसने 35 वर्षीय महिला के साथ तीन साल तक कई बार दुष्कर्म किया। फडणवीस ने बताया कि इस मामले की जांच अब उच्च स्तर पर की जा रही है और डीजीपी खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। यह टीम नासिक पुलिस के साथ मिलकर पूरे मामले की तह तक जाएगी।

जब प्लेन में यात्रियों ने शव के साथ बिताए 13 घंटे

उड़ान भरते ही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में महिला की मौत

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। रविवार को हांगकांग से लंदन जा रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए32 में उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद 60 साल की एक महिला यात्री की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला की मौत के बाद से उसके शव को 13.5 घंटे की बाकी यात्रा के दौरान विमान के पिछले हिस्से में रखा गया। एयरबस ए350-1000 के हांगकांग से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही महिला की मौत हो गई। मौत के बावजूद, पायलटों ने हांगकांग लौटने या रास्ता बदलने के बजाय हीथ्रो एयरपोर्ट तक का सफर जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि पैसेंजर की मौत को आम तौर पर मेडिकल इमरजेंसी नहीं माना जाता है।

क्रू मेंबर्स ने शुरू में महिला के शव को टॉयलेट में रखने के बारे में सोचा, लेकिन इस विकल्प को सही नहीं माना गया। इसके बजाय, शव को लपेटकर पीछे की गैली में ले जाया गया। एक सूत्र ने कहा, जाहिर है उस महिला का परिवार बहुत परेशान था और क्रू भी। कई लोग हांगकांग वापस लौटना चाहते थे।

लेकिन, साफ-साफ कहें तो अगर किसी यात्री की पहले ही मौत हो चुकी हो तो उसे आपात स्थिति नहीं माना जाता। हालांकि, बताया जाता है कि स्टाफ ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि गैली का फर्श गर्म था। कथित तौर पर, इस गर्मी के कारण एक गंध पैदा हुई, जो उड़ान के आगे बढ़ने के साथ-साथ केबिन के पिछले हिस्से में फैल गई। जैसे ही विमान लंदन के करीब पहुंचा, 331 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से कई ने विमान के उस हिस्से से एक दुर्गंध आने की शिकायत की।

लैंडिंग के बाद पुलिस विमान में चढ़ी और सभी यात्रियों को लगभग 45 मिनट तक अपनी सीटों पर बैठे रहने को कहा। ब्रिटिश एयरवेज ने कहा कि इस घटना के दौरान सभी प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन किया गया। एयरलाइंस ने बताया, दुख की बात है कि विमान में सवार एक यात्री का निधन हो गया और इस मुश्किल समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हम अपने क्रू का सहयोग कर रहे हैं और सभी प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन किया गया।

10 दिन के लिए जेल से बाहर आए शरजील इमाम

भाई ने कहा- देर-सवेर इंसाफ जरूर मिलेगा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली 2020 के दंगे से जुड़े मामले में जेल में बंद शरजील इमाम को 10 दिनों अंतरिम जमानत मिली है। शरजील इस समय अपने घर जहानाबाद में हैं। कोर्ट ने यह जमानत उन्हें अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए दी है। करीब 6 साल बाद शरजील इमाम अपने पैतृक गांव काको पहुंचे। यहां ईद के दौरान उन्होंने वहीं पर नमाज अदा की।

इसके साथ ही वहां अपने परिवार के लोगों से भी मिली। दिल्ली की अदालत से 10 दिन की अंतरिम जमानत मिलने के बाद वे अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां के साथ समय बिताने के लिए बिहार आए हैं। उनके भाई मुज्जम्मिल इमाम ने बताया कि शरजील को 20 से 30 मार्च तक के लिए जमानत मिली है और वे सामान्य शर्तों के तहत बाहर आए हैं। परिवार ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए न्याय व्यवस्था पर भरोसा जताया है।

देर सवेर इंसाफ जरूर मिलेगा- मुजम्मिल इमाम

शरजील इमाम के भाई मुजम्मिल इमाम ने कहा "छह साल बाद हमें यह मौका मिला है कि शरजील भाई तिहाड़ जेल से बाहर आए हैं। हम कोर्ट का शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने हमारी चिंताओं को समझा और उन्हें दिल्ली से बिहार आकर अपने परिवार के साथ समय बिताने की इजाज़त दी। उन्हें उन बहुत ही बुनियादी शर्तों के तहत रिहा किया गया है जो जमानत पर किसी भी कैदी पर लागू होती हैं। वह ग्यारह दिनों के लिए पैरोल पर हैं। हमें अपनी अदालतों पर भरोसा है। देर-सवेर, हमें इंसाफ़ ज़रूर मिलेगा।"

कोर्ट ने कई पाबंदियों के साथ दी है राहत

शरजील इमाम को कोर्ट ने कई शर्तों के साथ राहत दी है। इस दौरान कई सख्त नियम भी लागू किए गए हैं। जेल से बाहर रहते हुए शरजील किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

इसके साथ ही वह केवल परिवार और बेहद करीबी रिश्तेदारों से ही मिल सकते हैं। पेरोल के दौरान उन्हें निर्धारित स्थान के भीतर ही रहना होगा और किसी भी राजनीतिक गतिविधि से दूर रहना होगा। अगर इन शर्तों का पालन नहीं किया गया तो उनकी अंतरिम जमानत तुरंत रद्द कर दी जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है!

'कांग्रेस' नाम ही छल-कपट का पर्याय बन चुका है : पूर्व मंत्री

पारंपरिक व्यवसायों पर निर्भर समुदायों की पूरी तरह अनदेखी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'कांग्रेस' नाम ही छल-कपट का पर्याय बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने हमेशा पिछड़ा वर्ग (बीसी) समुदायों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य में पूरी तरह मनमानी कर रही है।

उन्होंने कहा कि बीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक वर्गों के वोटों के बल पर सत्ता में आई कांग्रेस ने बजट में पारंपरिक व्यवसायों पर निर्भर समुदायों की पूरी तरह अनदेखी की है। उन्होंने बताया कि तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के बजट में बीसी समुदाय के लिए केवल एक ही योजना का उल्लेख किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि चुनाव से पहले कांग्रेस ने बीसी समुदाय के लिए हर साल 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करने का वादा किया था, लेकिन अब तक केवल 5,000 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए हैं।

उन्होंने मुदिराज समुदाय को 'बीसी-ए' श्रेणी में शामिल करने के वादे पर भी सवाल उठाया। साथ ही, उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने बीसी समुदायों के लिए 'आत्म गौरव भवनों' के निर्माण हेतु 10,000 करोड़ रुपये मूल्य की भूमि आवंटित की थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। श्रीनिवास गौड़ ने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा और रोजगार के अवसरों में भी बीसी समुदाय की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सबसे पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) के लिए अलग मंत्रालय और विशेष फंड का वादा किया गया था, लेकिन उसे भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि बीसी नेताओं को नामित पद भी नहीं दिए जा रहे हैं और 'सब-प्लान' का वादा भी अधूरा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता को धोखा देने की 'मॉडल' बन गई है। उन्होंने 'फ्यूचर सिटी' और मूसी नदी सफाई परियोजनाओं पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या इनसे बीसी समुदाय का भविष्य बदलेगा। उन्होंने सरकार पर 'हाइड्रा' अभियान के नाम पर गरीबों के घर तोड़ने और मंत्रियों के घरों को सुरक्षा देने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि बीसी समुदाय कांग्रेस को माफ नहीं करेगा और अधिक मंत्री पद देने की मांग की।

आर्थिक परेशानी के चलते वृद्ध ने फांसी लगाई

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खम्मम जिले में एक 70 साल के व्यक्ति ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना रविवार को येरुपलेम में हुई, जिसमें फांसी लगने से सिर धड़ से अलग हो गया। मरने वाले की पहचान येरुपलेम मंडल के बनिगंदलापाडु गांव के रहने वाले वेंकटरामी रेड्डी (70) के रूप में हुई है। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटी है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि उसने पैसे की दिक्कतों की वजह से यह कदम उठाया। एक और घटना में, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के एक गांव में एक दुकान पर मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरते समय आग लगने से एक कपल और एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना रविवार को गुम्मगट्टा मंडल के गोनाबावी गांव में हुई। बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ऑयल पाम फैक्ट्री उद्घाटन के दौरान बीआरएस कार्यकर्ताओं ने केसीआर-हरीश राव को दिया श्रेय

सिद्दिपेट, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के ऑयल पाम फैक्ट्री उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान नर्मेट्टा में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और हरीश राव के चित्रों का पलाभिषेकम कर उन्हें इस परियोजना का श्रेय दिया। युवाओं और कार्यकर्ताओं ने ताड़ के पेड़ के पास एकत्र होकर केसीआर और हरीश राव के चित्रों का सम्मान किया।

बीआरएस नेताओं का कहना था कि ताड़ की खेती संभव हो सकी क्योंकि केसीआर के नेतृत्व में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पूरी हुई, जिससे क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बढ़ी। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी का जल लाने और जलाशयों के निर्माण से पहले सिद्धिपेट क्षेत्र में ताड़ी जैसी फसलों की खेती के लिए पर्याप्त पानी नहीं था। ऐसे कार्यक्रम सिद्धिपेट क्षेत्र के अन्य स्थानों और नर्मेट्टा ग्राम पंचायत कार्यालय में भी आयोजित किए गए, जहां कार्यकर्ताओं ने पूर्व सरकार के योगदान को याद किया।

आंध्र अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पर तेलंगाना कर्मचारियों में नाराजगी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कर्मचारियों के लिए कथित तौर पर 'रेड कार्पेट' बिछाने के राज्य सरकार के कदम का तेलंगाना के कर्मचारियों ने कड़ा विरोध किया है। विशेष रूप से ऊर्जा विभाग में आंध्र प्रदेश के अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति को लेकर विवाद बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, विजयवाड़ा के एपीजेनको के उप कार्यकारी अभियंता जेवी दुर्गा राव को अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति के तहत तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) में तीन वर्षों के लिए तैनात किया गया है। इस संबंध में आंध्र प्रदेश सरकार ने 20 मार्च को आदेश जारी किए थे। तेलंगाना राज्य विद्युत कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजीईपीजेएसी) ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि विभाग में ऐसी कोई आवश्यकता नहीं थी और यह निर्णय राजनीतिक प्रभाव में लिया गया है। समिति के अनुसार, इससे तेलंगाना के अधिकारियों के प्रमोशन पर असर पड़ेगा और भविष्य में ऐसे और मामलों का रास्ता खुल सकता है। कर्मचारी संगठनों ने इस मुद्दे पर सरकार से पुनर्विचार करने की मांग की है और कहा है कि इस प्रकार की प्रतिनियुक्ति राज्य के हितों के खिलाफ है।

उस्मानसागर झील में डूबने से मौत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानसागर झील में शनिवार शाम नहाने गए 37 वर्षीय एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान श्रीनिवासुलु (37) के रूप में हुई है, जो गांडीपेट क्षेत्र में अपनी मां के साथ गया था। उसकी मां झील के किनारे कपड़े धो रही थी, जबकि वह नहाने के लिए पानी में उतरा था। पुलिस के अनुसार, नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन शनिवार को सफलता नहीं मिली। रविवार को राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की मदद से उसका शव बरामद किया गया।

डॉ. परुमल्ला प्रदीप कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई प्रतिभा

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के सेवानिवृत्त गजटेड अधिकारी डॉ. परुमल्ला प्रदीप कुमार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी बेहतरीन क्षमता का परिचय देते हुए एक बार फिर राज्य का नाम रोशन किया।

उन्होंने वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैम्पियन का खिताब हासिल किया। डॉ. सत्यवोलु रामबाबू (फाउंडर एंड सीईओ) के नेतृत्व में विशाखापट्टनम में आयोजित 'विश्वगुरु वर्ल्ड रिकॉर्ड्स उगाड़ी पुरस्कार 2026' कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में विशाखापट्टनम सिटी पुलिस कमिश्नर शंकब्रत बग्ची, तम्मिड़ी राम कुमार, रवि शंकर मालिसेट्टी (डिप्टी कमिश्नर, कस्टम्स), फिल्म अभिनेता राजीव कंकाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉ. प्रदीप कुमार की यह उपलब्धि न केवल तेलंगाना के लिए गर्व का कारण है, बल्कि आने वाले क्रीड़ाकर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी है।

झूठ और धोखे की नींव पर राजनीति कर रहे हैं रेवंत रेड्डी : दासोजू

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी दासोजू श्रवन ने रविवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी झूठ और धोखे की नींव पर राजनीति कर रहे हैं और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विधानसभा के पटल पर खुलेआम असत्य बयान दे रहे हैं। तेलंगाना भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए दासोजू श्रवन ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने एक बार फिर 'सिक्स गारंटी' के नाम पर जनता को धोखा दिया है। उन्होंने सरकार द्वारा फैलाए गए उस दुष्प्रचार की निंदा की, जिसमें यह दावा किया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 8 लाख करोड़ का कर्ज छोड़ा था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वयं स्वीकार किया था कि राज्य पर वास्तविक कर्ज 3.47 लाख करोड़ है। श्रवन ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने यह कहकर झूठ बोला कि राज्य सरकार ने 3.30 लाख करोड़ का कर्ज चुका दिया है, जबकि वास्तविक रूप से केवल 1.67 लाख करोड़ का ही भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विधानसभा का उपयोग झूठ फैलाने और केसीआर की छवि धूमिल करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब उन्होंने विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण को असत्य बताया था, तब उनके खिलाफ आपत्ति जताई गई थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कोई मुख्यमंत्री स्वयं विधानसभा में गलत जानकारी देता है, तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह जनता तय करे। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या देश में कोई और मुख्यमंत्री है जो बजट के जरिए जनता को गुमराह करने की कोशिश करता हो। दासोजू श्रवन ने बताया कि उनकी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) सिक्स गारंटी पर एक निजी विधेयक (प्राइवेट मेंबर बिल) पेश करने की योजना बना रहे हैं और सभी सदस्यों से इसका समर्थन करने की अपील की। उन्होंने 2026-27 के बजट में शिक्षा विभाग के लिए आवंटन में कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कुल बजट का केवल 8 प्रतिशत ही शिक्षा के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने शिक्षा आयोग के अध्यक्ष अकुनुरी मुरली और अन्य सदस्यों से इस पर प्रतिक्रिया देने की मांग की। अंत में उन्होंने मुख्यमंत्री पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

बीसी वर्ग के लिए बजट में 50 हजार करोड़ आवंटित करने की मांग

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटेलेक्चुअल फोरम के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी टी. चिरंजीवुलु ने रविवार को कांग्रेस सरकार से मांग की कि वह राज्य के वार्षिक बजट में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के साथ किए गए गंभीर अन्याय के लिए तत्काल सार्वजनिक माफी मांगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ऐसा करने में विफल रहती है, तो वे राज्य भर के बीसी वर्गों को संगठित कर आगामी विधानसभा चुनावों में सरकार को करारा जवाब देंगे। शहर के बशीरबाग प्रेस क्लब में रविवार को बजट में बीसी वर्गों के साथ गंभीर अन्याय विषय पर आयोजित एक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने ये मांगें रखीं। उन्होंने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की तर्ज पर पिछड़ा वर्ग के लिए बीसी सब-प्लान स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही राज्य सरकार से वर्तमान बजट में बीसी वर्गों के लिए कम से कम 50,000 करोड़ आवंटित करने की अपील की। चिरंजीवुलु ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बीसी वर्ग राज्य की आबादी का आधे से अधिक हिस्सा होने और सभी प्रकार के करों का ईमानदारी से भुगतान करने के बावजूद विकास योजनाओं में उपेक्षित किया जा रहा है। इस अवसर पर बीसी पॉलिटिकल फ्रंट के अध्यक्ष बलगोंनी बालराज गौड़, संयोजक विजय कुमार और वेंकन्ना गौड़ ने भी उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस मनाया गया

'जल और जेंडर इक्वालिटी' पर जोर

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-सीआरआईडीएमें विश्व जल दिवस के अवसर पर 'पानी और जेंडर इक्वालिटी' थीम के तहत एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन वाटरशेड ऑर्गनाइजेशन ट्रस्ट (डब्लूओटीआर), इंडियन सोसाइटी ऑफ ड्राईलैंड एग्रीकल्चर और इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स के सहयोग से किया गया। विश्व जल दिवस हर वर्ष 22 मार्च को मीठे पानी के महत्व और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'जल और लैंगिक समानता' रही, जो पानी की उपलब्धता और जेंडर इक्वालिटी के बीच मजबूत संबंध को दर्शाती है। जब स्वच्छ पानी, स्वच्छता और हाइजीन की सुविधाएं उपलब्ध नहीं होतीं, तो महिलाओं और लड़कियों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में तेलंगाना एग्रीकल्चर फार्मर्स वेलफेयर कमीशन के चेयरमैन एम. कोंडा रेड्डी मुख्य अतिथि रहे, जबकि अरुण तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर खेती में जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किसान रैली आयोजित की गई, जिसमें किसानों, महिला किसानों, वैज्ञानिकों, स्टाफ और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ.के.वी. राव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व जल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। ईश्वर काले ने गांवों में जल संरक्षण के लिए अपनाई गई तकनीकों और वॉटर बजटिंग के फायदे बताए। संस्थान के निदेशक वी.के. सिंह ने सीआरआईडीए द्वारा विकसित जल संरक्षण तकनीकों जैसे तालाब निर्माण, सोलर एनर्जी और माइक्रो इरिगेशन के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने पानी की बर्बादी रोकने और कुशल उपयोग के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने की सलाह दी। डॉ.एस.एस. विट्टाला ने भूजल सुधार के लिए रिसोर्स मैपिंग और रिचार्ज तकनीकों के महत्व को बताया, जबकि अरुण तिवारी ने वाटरशेड डेवलपमेंट, ग्राउंडवॉटर रिचार्ज और क्लाइमेट-रेसिलिएंट जल प्रबंधन को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य अतिथि एम. कोंडा रेड्डी ने किसानों को स्थान-विशिष्ट तकनीकों, मौसम आधारित सलाह और संसाधन संरक्षण उपायों के प्रसार में सीआरआईडीए की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार सतत खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों का सहयोग कर रही है और एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन) मॉडल से किसानों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने सूखा क्षेत्रों में खेती की उत्पादकता बनाए रखने के लिए जल संसाधनों के कुशल उपयोग पर जोर दिया और महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर जल संरक्षण और सतत कृषि में उत्कृष्ट योगदान देने वाले गांवों, किसानों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 किसानों के भाग लेने की संभावना जताई गई।

डॉ.के. नारायण का मोदी पर निशाना : युद्ध रोकने के लिए दबाव डालें

विजयवाड़ा, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय नेता डॉ.के. नारायण ने रविवार को अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए जा रहे युद्ध पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह युद्ध वैश्विक मानवता के लिए कठिनाइयां उत्पन्न कर रहा है और इसका उद्देश्य अमेरिकी कॉर्पोरेट लाभ बढ़ाना है। दासारी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस मामले में मौन धारण करने की निंदा की और कहा कि मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर युद्ध रोकने के लिए दबाव डालना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए केवल मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ही सक्षम हैं। डॉ. नारायण ने कहा कि 29 मार्च को हैदराबाद में "नो वॉर" नामक शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने जनता से इसमें सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष पद पर विवादास्पद व्यक्ति की नियुक्ति पर भी चिंता जताई और कहा कि यह उचित नहीं है। डॉ. नारायण ने अमरावती में शहीद पोटी श्रीरामुलु की प्रतिमा निर्माण के लिए राज्य सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इसे वाणिज्यिक दृष्टिकोण से नहीं संभाला जाना चाहिए। सीपीआई की राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य अक्किनेनी वाणजा ने चुनावी वादों को पूरा करने और गरीबों के लिए भूमि व वित्तीय सहायता की तत्काल उपलब्धता की मांग की। उन्होंने कहा कि टीआईडीसीओ आवास योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए और गरीब परिवारों के किराये का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाना चाहिए।

किराया न देने पर जेएनएएफएयू और उच्च शिक्षा परिषद के बीच विवाद गहराया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मसाब टैंक स्थित जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय (जेएनएएफएयू) और तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) के बीच किराया न देने को लेकर विवाद गहरा गया है। परिषद् पिछले एक दशक से विश्वविद्यालय के नागार्जुन ब्लॉक में संचालित हो रही है, लेकिन अगस्त 2015 से किराया नहीं चुकाया गया है। विश्वविद्यालय के अनुसार, 2,11,467 रुपये मासिक किराए के हिसाब से मार्च 2026 तक लगभग 2.70 करोड़ रुपये बकाया हो चुके हैं। कई बार पत्र लिखकर भुगतान की मांग की गई, लेकिन अब तक न तो बकाया राशि दी गई और न ही नियमित किराया जमा किया जा रहा है।

जेएनएएफएयू ने राज्य सरकार से टीजीसीएचई को भवन खाली कराने का अनुरोध किया है, क्योंकि विश्वविद्यालय को कक्षाओं के संचालन के लिए स्थान की कमी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, टीजीसीएचई ने हैदराबाद जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर 1,500 वर्ग गज भूमि और वर्तमान भवन को अपने नाम हस्तांतरित करने की मांग की है। विश्वविद्यालय ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि बिना अधिनियम में संशोधन के यह प्रक्रिया मान्य नहीं है। इस बीच, परिषद बेगमपेट स्थित एक अन्य परिसर में नए कार्यालय के लिए स्थान तलाश रही है।

हैदराबाद के लोक भवन में आयोजित बिहार स्थापना दिवस (बिहार दिवस) समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और राज्य की प्रथम महिला श्रीमती जानकी शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

40 हजार में 'आजादी', सुखरानी ने भाड़े के हत्यारों से कराया पति का कत्ल

उन्नाव, 22 मार्च (एजेंसियां)। उन्नाव जिले के चमरौली गांव में ट्रक चालक की हत्या उसी की पत्नी ने ही 40 हजार रुपये की सुपारी देकर कराई थी। उसका कहना था पति नशे में आए दिन उससे और बच्चे से मारपीट करता था। इसी से आजिज आकर उसने दो युवकों से उसकी हत्या करा दी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर 10,950 रुपये भी बरामद किए हैं। अजगैन कोतवाली के चमरौली गांव निवासी ट्रक चालक श्रीकांत उर्फ जगली (35) का 19 मार्च को गांव के बाहर गेहूं के खेत में शव मिला था। दोनों हाथ पीछे साड़ी से बंधे थे। पोस्टमार्टम में पसली टूटी थी। शरीर पर बाहरी चोट न नहीं थी। मां सुंदारा ने श्रीकांत की पत्नी सुखरानी और अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वह उस पर शक करने के साथ ही अक्सर नशे में उसे और बच्चे को पीटता था। इससे परेशान होकर हत्या की साजिश रच डाली। 40 हजार रुपये की सुपारी माखी थाना के चितौली गांव निवासी परिचित अंकित यादव और अजगैन के सधीरा गांव निवासी मोहित सिंह को दी थी।

बिहार के गौरव के 114 साल

पीएम मोदी और सीएम नीतीश ने दी स्थापना दिवस की बधाई

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)।

बिहार इस साल 2026 को अपना 114 वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि बिहार दिवस के अवसर पर राज्य के अपने सभी परिवारजनों को अनेकानेक शुभकामनाएं। भारतीय विरासत को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने वाला हमारा यह प्रदेश आज प्रगति के नित-नए अध्याय गढ़ने में जुटा है।

मुझे विश्वास है कि विकसित बिहार के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यहां के कर्मठ एवं ऊर्जावान लोगों का समर्पण और सामर्थ्य बहुत काम आएगा। बिहार दिवस के मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने भी मैसेज दिया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने बिहार दिवस के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा कि बिहारवासी आपसी एकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता एवं सद्भाव बनाए रखते हुए राज्य के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने बिहार के संकल्प को साकार करने हेतु सभी बिहारवासियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने संदेश में कहा कि बिहार का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है और वर्तमान में हम सबके निश्चय एवं प्रयासों से बिहार का उज्ज्वल भविष्य आकार ले रहा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का खास मैसेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी बिहार दिवस पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने लिखा कि देश-विदेश में रहने वाले बिहार के सभी लोगों को बिहार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि होने के साथ-साथ, गौरवशाली साम्राज्यों और महान सांस्कृतिक-आध्यात्मिक धाराओं को जन्म देने वाली इस धरती ने विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे कर, भारत-भूमि को सदैव समृद्ध किया है। मुझे विश्वास है कि राज्य के निवासी अपनी असीम प्रतिभा और परिश्रम से, बिहार और पूरे देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मैं राज्य के और सभी निवासियों के, स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूं।

बिहार दिवस मनाने की शुरुआत कब हुई थी?

बिहार दिवस मनाने की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। इसे बिहार सरकार ने आधिकारिक तौर पर शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य बिहार के इतिहास, संस्कृति और पहचान को सम्मान देना है, ताकि लोग अपने राज्य पर गर्व महसूस करें। 22 मार्च को बिहार दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन साल 1912 में बिहार को बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग करके एक नया राज्य बनाया गया था। उस समय बिहार और उड़ीसा (आज का ओडिशा) एक साथ एक ही प्रांत थे। बाद में साल 1936 में उड़ीसा अलग राज्य बन गया और बिहार अलग पहचान के साथ आगे बढ़ा।

सीएम नीतीश कुमार

बिहार दिवस मनाने का मकसद

बिहार दिवस मनाने का मकसद सिर्फ एक तारीख को याद करना नहीं है, बल्कि अपने राज्य की पहचान और गौरव को दिखाना भी है। इस दिन बिहार के इतिहास को याद किया जाता है और लोगों को बताया जाता है कि उनका राज्य कितना समृद्ध और महत्वपूर्ण रहा है। साथ ही इस दिन बिहार की संस्कृति, परंपरा, लोक कला, संगीत, नृत्य और खान-पान को भी बढ़ावा दिया जाता है। इस मौके पर सरकार अपनी योजनाओं और राज्य की प्रगति को भी लोगों के सामने रखती है, ताकि यह बताया जा सके कि बिहार किस तरह आगे बढ़ रहा है।

फेक अकाउंट्स से परेशान हुईं रोहिणी आचार्य

अब उठाया यह बड़ा कदम

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बड़ी बेटी रोहिणी आचार्य अकसर सुर्खियों में छाई रहती है। वहीं एक बार फिर चर्चा में है। वजह ये है कि वे सोशल मीडिया पर चल रहे फर्जी अकाउंट्स से काफी परेशान हैं। उन्होंने इसके खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बिहार पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले का खुलासा तब सामने आया जब उनके नाम से आपत्तिजनक और भ्रामक कंटेंट फैलाया जाने लगा। रोहिणी आचार्य ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, सोशल मीडिया, फेसबुक - इंस्टाग्राम के प्लेटफार्मस पर मेरे नाम से कई फर्जी अकाउंटस सक्रिय हैं, इन एकाउंट्स को कुछ असामाजिक - शरारती तत्वों के द्वारा चलाया चलाया जा रहा और उन पर निरंतर अमर्यादित, तथ्यविहीन, फर्जी कंटेंट्स डाले जा रहे हैं।।। आप लोगों की जानकारी के लिए मैं बताना चाहती हूं कि फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) पर ब्लू टिक वाले एकाउंट्स @रोहीणी आचार्य2 ही मेरे वास्तविक एकाउंट्स हैं।

पुलिस में शिकायत और चेतावनी

रोहिणी आचार्य ने बताया कि फर्जी अकाउंट्स चलाने वालों की पहचान हो चुकी है। इस मामले में बिहार पुलिस के साइबर सेल को शिकायत दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि जल्द ही उचित कार्रवाई की जाएगी। रोहिणी आचार्य पहले भी कई कारणों से चर्चा में रही हैं। उन्होंने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को किडनी डोनेट कर सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद उन्हें सारण लोकसभा सीट से टिकट मिला, हालांकि वह चुनाव हार गईं, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी में सक्रिय रहीं।

इंस्टा पर बनाई महिला की फर्जी आईडी, फिर भेजे अश्लील मैसेज, पति ने किया विरोध तो बोला- गोली मार दूंगा

बरेली, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बरेली जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। एक महिला को फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर बदनाम करने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं, जब महिला के पति ने इसका विरोध किया तो उन्हें फोन पर गोली मारने की धमकी भी दी। इस मामले में महिला ने प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है और पुलिस अब जांच में जुटी गई है। दरअसल, पटेल नगर की रहने वाली महिला का आरोप है कि उसने पहले झारखंड निवासी संजीत यादव के खिलाफ नोएडा में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा एक मामला प्रेमनगर थाने में भी दर्ज कराया गया था। दोनों मामलों में पुलिस चार्जशीट दाखिल कर चुकी है और आरोपी संजीत यादव फिलहाल अग्रिम जमानत पर चल रहा है।

हरियाणवी डांसर मोनिका चौधरी संग यूपी पुलिस ने किया गलत

बोलीं- पुलिस उत्पीड़न से परेशान होकर इस्लाम अपनाने के इरादे की घोषणा की

गाजियाबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणवी डांसर मोनिका चौधरी ने लोनी पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि बिना उनकी जानकारी के उनके भाई को अवैध रूप से हिरासत में लेकर अशोक विहार पुलिस चौकी ले जाया गया और इस दौरान उन्हें विधिक सहायता देने से इनकार किया गया। चौधरी के मुताबिक, भाई की खोजबीन के दौरान फोन आने के बाद ही उन्हें उनके भाई के स्थान का पता चला। इसके बाद, उन्होंने भाजपा विधायक नंद किशोर गुज्जर से संपर्क किया जिनके हस्तक्षेप से उनके भाई को पुलिस हिरासत से रिहा किया गया। चौधरी ने दावा किया कि पुलिस ने उनके भाई को हिरासत में लिए जाने के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उन्होंने आशंका जताई कि पुलिस उनके भाई को किसी झूठे मामले में फंसा सकती है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोनी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। हिंदू समुदाय और स्थानीय संगठनों से किसी तरह की मदद नहीं मिलने का हवाला देते हुए चौधरी ने इस्लाम धर्म अपनाने के अपने इरादे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारे जरूरत के वक्त महिलाओं को मदद उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने इस्लाम धर्म अपनाने के अपने इरादे का खुलासा किया, लेकिन कोई तिथि नहीं बताई। संपर्क करने पर डीसीपी (ग्रामीण) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने स्पष्ट किया कि स्थानीय विवाद के संबंध में पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को पुलिस चौकी पर लाया गया था। कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी जिसकी वजह से पड़ोसी उसे चौकी पर लेकर आए और वह चौधरी का सगा भाई नहीं है। चौधरी उसे बेवजह इस मामले में घसीट रही हैं। यह मामला वर्तमान में विवेचना के अधीन है और लोनी एसीपी इसकी जांच कर रहे हैं।

बांग्लादेशी नागरिक फर्जी आधार कार्ड के साथ गिरफ्तार भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई

गलगलिया (किशनगंज), 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बलों ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भारत में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। यह कार्रवाई पिछले शाम को एसएसबी की 41वीं वाहिनी, रानीडांगा के जवानों ने पानीटंकी स्थित एकीकृत जांच चौकी पर की।

जानकारी के अनुसार, एसएसबी की बार्डर इंटरेक्शन टीम ने नियमित जांच के दौरान नेपाल की ओर आ रही एक टैक्सी की तलाशी ली। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम शमीम खान बताया और आधार कार्ड प्रस्तुत किया। जवानों को उसके व्यवहार और बयान में विसंगति दिखाई दी, जिसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना असली नाम शमीम हवलदार (34 वर्ष) बताते हुए बांग्लादेश का नागरिक होना स्वीकार किया।

योगी ने 1100 बेटियों को नर्सिंग के जॉइनिंग लेटर बांटे

बोले-सैफई में नाच देखने वाले परेशान, नौकरी लूटने वाले जान बचा रहे

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 1097 महिला और 131 पुरुष नर्सिंग अधिकारियों को रविवार को जॉइनिंग लेटर बांटे। उन्होंने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- नवरात्रि पर बेटियों को नियुक्ति पत्र मिलना महिलाओं की बढ़ती ताकत का उदाहरण है। उन्होंने कहा- अब वह दिन गए, जब यह माना जाता था कि मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज खोलकर क्या होगा। पहले मेडिकल कॉलेजों में माफिया की समानांतर सरकार चलती थी। हर विभाग का एक माफिया होता था। वह जैसा चाहता था, विभाग वैसा ही चलता था। अब माफिया नहीं, बल्कि वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज बनाया गया है। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- नर्स सेवा के लिए बनते हैं। इसलिए आपको गुस्सा नहीं होना है, मरीजों की सेवा करनी है। आप लोग कभी चिंता मत करना। कोई दिक्कत हो तो हमें बताना। आप हमारे परिवार की बेटी-भाई हैं।

'पहले अस्पतालों का काम भगवान भरोसे था'

योगी ने कहा कि नर्सिंग की मांग केवल यहीं नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में है। मैं जापान गया था, वहां भारी पैमाने पर नर्सिंग कर्मियों की मांग हो रही है। जर्मनी, कोरिया और यूरोप के तमाम देशों में भारतीय नर्सिंग कर्मियों के बारे में यह भाव है कि वे आएंगे तो अच्छा काम करेंगे। 2017 से पहले हालात कैसे थे, यह उपमुख्यमंत्री ने बता ही दिया है। 947 से 2017 तक प्रदेश में सिर्फ 17 मेडिकल कॉलेज थे। आज यूपी में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर 81 मेडिकल कॉलेज हैं। पहले नर्सिंग या पैरामेडिकल को लेकर लोग गंभीर नहीं थे, जैसे-तैसे नियुक्ति करने की सोच रखते थे। अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं भगवान भरोसे थीं।

'बाकी राज्यों के लिए भी यूपी से नर्सिंग मैनपावर मिलेगा'

योगी ने कहा कि नवरात्रि में हम जगत जननी की पूजा कर रहे हैं। ऐसे में बेटियों को इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति पत्र देना गर्व की बात है। मेडिकल शिक्षा विभाग का प्रयास होना चाहिए कि यूपी की 25 करोड़ की आबादी को देखते हुए न सिर्फ प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए नर्सिंग सेवाओं को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि देश की अलग-अलग भाषाओं में भी नर्सिंग की शिक्षा दी जानी चाहिए। तमिल, मराठी, कन्नड़ या किसी अन्य भाषा में यदि एक विकल्प दिया जाए तो अभ्यर्थियों को सुविधा होगी। इससे देश के अन्य राज्यों के लिए भी यूपी से नर्सिंग मैनपावर उपलब्ध कराया जा सकेगा।

गोरखपुर में नर्सिंग स्कूल की कहानी सुनाई

सीएम ने कहा- मुझे याद है कि पूर्वी यूपी में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति बेहद बदहाल थी। हजारों मरीजों की मौत होती थी। गोरखपुर में एक नर्सिंग स्कूल चलता था, जहां की प्रिंसिपल अकेली फैकल्टी थीं। जब वह रिटायर होने वाली थीं, तो मेरे पास आईं। उन्होंने कहा कि वहां 100 बालिकाएं प्रशिक्षण ले रही हैं, आगे क्या होगा। मैंने वहां के सीएमओ से पूछा तो उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को पत्र लिख दिया गया है, लेकिन सरकार नहीं चाहती कि संस्थान चले। इस पर मैंने प्रिंसिपल से कहा कि हम आपको अपने स्तर से मानदेय देंगे, आप वहां काम करती रहिए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के दौरान 35 एएनएम और जेएनएम संस्थान बंद हो चुके थे। अब फिर से ऐसे संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। 31 नर्सिंग कॉलेजों का नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू किया गया है। नर्सिंग सिस्टम मेडिकल व्यवस्था की बैकबोन है, इसे मजबूत करना होगा।

'योजनाओं का लाभ दिलाने में कोई भेदभाव नहीं'

सीएम ने कहा कि नियुक्ति पत्र देने और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण के नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है। बिना किसी भेदभाव के नौकरियां दी जा रही हैं। बीते 9 वर्षों में 9 लाख सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी राज्य में इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां नहीं दी गईं। कोई भी यह नहीं कह सकता कि नौकरी में लेन-देन या सिफारिश हुई है। चयन संबंधित आयोग करता है। आयोग की प्रक्रिया पर भी निगरानी रखी जाती है। कौन व्यक्ति क्या कर रहा है, इस पर नजर रहती है।

एमबीबीएस की सीट बढ़कर 12,700 की गई

सीएम ने कहा- डबल इंजन की सरकार ने हेल्थकेयर को अपने हाथ में लिया है, जिसका परिणाम अब सामने आ रहा। मातृ मृत्यु दर के मामले में यूपी अब देश के औसत के बराबर आ गया है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से साढ़े तीन करोड़ लाभार्थी जुड़े हैं। 14 करोड़ आभा आईडी कार्ड बनाए गए हैं। पीपीपी मोड में भी मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप है। नर्सिंग में 7 हजार और पैरामेडिकल में 2 हजार सीटें बढ़ाई गईं। प्रदेश में एमबीबीएस की सीटें 5390 से बढ़कर 12,700 हो गई हैं। पहले पीजी की सीटें 1221 थीं, जो अब बढ़कर 5056 हो गई हैं।

1 अरब का ऑनलाइन स्कैम

होटल में सीक्रेट मीटिंग के दौरान 4 जालसाज गिरफ्तार

गोरखपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की रामगढ़ताल थाना पुलिस ने अंतर्राज्यीय साइबर ठगों के एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसके कारनामे सुनकर अधिकारी भी दंग रह गए। यह गिरोह ऑनलाइन निवेश और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर अब तक करीब 1 अरब (100 करोड़) रुपये की हेराफेरी कर चुका है। पुलिस ने गोरखपुर के एक नामचीन होटल में छापेमारी कर गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है,

जो वहां नए शिकार फंसाने की योजना बना रहे थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस गिरोह ने फर्जी और किराए के बैंक खातों के जरिए लगभग एक अरब रुपये का लेनदेन किया है। ठगी गई इस भारी-भरकम रकम को आरोपी क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट कर देते थे। गिरोह का मास्टरमाइंड लोगों को घर बैठे मोटा मुनाफा कमाने और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश का लालच देकर उनके साथ ठगी करता था। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रामगढ़ताल स्थित एक होटल में कुछ लोग फॉरेक्स ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर मीटिंग कर रहे हैं। पुलिस ने जब वहां दबिश दी, तो अजीत यादव (अंबेडकर नगर), अजय कुमार (कुशीनगर), पारतेश सिंह (बलिया) और गणेश साहनी (कुशीनगर) को रंगे हाथों दबोच लिया। अभी इनका एक साथी ऋषभ (शाहजहांपुर) फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

बहू को पसंद आ गया था दूसरा मर्द, सास ने टोका तो जान से मार डाला

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निशातगंज इलाके में रिश्तों के कत्ल की एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक बहू ने अपने अवैध संबंधों में बाधा बन रही अपनी 69 वर्षीया सास निर्मला देवी की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। दोपहर को हुई इस घटना में मृतका के हाथ-पैर रस्सी से बंधे मिले, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी बहू रंजना को हिरासत में ले लिया है।

मृतका निर्मला देवी सचिवालय से रिटायर्ड थीं और अपने बेटे त्रिदेश, बहू रंजना और पोते-पोतियों के साथ निशातगंज गली नंबर-3 में रहती थीं। घटना की है। निर्मला देवी का पोता आदित्य, जो डिलीवरी बॉय का काम करता है, जब काम से घर लौटा तो उसे दरवाजा खुला नहीं मिला। किसी तरह अंदर पहुंचने पर उसने देखा कि उसकी दादी का शव कमरे में पड़ा था। उनके हाथ-पैर रस्सी से बंधे हुए थे और गले पर निशान थे।

पटना हॉस्टल कांड

परिजनों का सीबीआई पर आरोप- हमें ही साक्ष्य ढूंढने को कह रही एजेंसी

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। सीबीआई की नई जांच अधिकारी विभा कुमारी ने मृतका के मामा से करीब दो घंटे तक पूछताछ की, लेकिन इस मुलाकात के बाद परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। परिजनों का सीधा आरोप है कि देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई साक्ष्य जुटाने के बजाय उनसे ही सबूत मांग रही है और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की जा रही है।

छात्रा के मामा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनसे वही पुराने सवाल दोहराए जा रहे हैं, जिनका जवाब वे पहले ही पटना पुलिस, एसआईटी और सीबीआई को दस बार दे चुके हैं। परिजनों का आरोप है कि छात्रा के नाबालिग होने के बावजूद शुरुआत में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज नहीं किया गया और न ही पिछले आईओ ने कोर्ट में हॉस्टल संचालक की जमानत का विरोध किया। वकील एसके पांडे ने दावा किया कि सीबीआई अब परिजनों पर इस बात का दबाव बना रही है कि वे इसे 'आत्महत्या' मान लें, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दरिंदगी की बात सामने आई थी।

जांच के दौरान एक असहज स्थिति तब पैदा हुई जब सीबीआई ने प्रभात मेमोरियल अस्पताल के डॉ। सतीश को भी पूछताछ के लिए बुलाया। छात्रा के मामा ने उनके साथ एक ही टेबल पर बैठकर बात करने से साफ इनकार कर दिया। परिजनों का कहना है कि जिस डॉक्टर ने पीड़िता के परिवार पर ही हत्या का मनगढ़ंत आरोप लगाया हो, उसके सामने बैठकर चर्चा करने का कोई तुक नहीं बनता।

सीबीआई की जांच में अब एक करीबी लड़के का जिक्र भी आया है, जिसकी फोटो और स्नैपचैट डिटेल परिजनों को दिखाई गई। परिजनों का कहना है कि पटना पुलिस की एसआईटी पहले ही 25 संदिग्धों के सैंपल ले चुकी है, जिनमें से किसी का भी डीएनए छात्रा के कपड़ों पर मिले स्पर्म से मैच नहीं हुआ। अब सीबीआई नए सिरे से मोबाइल की सीडीआर (सीडीआर) खंगाल रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि मुख्य संदिग्धों को अब तक रिमांड पर लेकर उनके मोबाइल डेटा की जांच क्यों नहीं की गई?

आगे क्या होगा?

6 जनवरी को हॉस्टल के कमरे में बेहोश मिली छात्रा ने 11 जनवरी को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। पीएमसीएच की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने दुष्कर्म की पुष्टि कर इस केस को हत्या और बलात्कार की श्रेणी में ला खड़ा किया है। **अब 23 मार्च को पॉक्सो अदालत में होने वाली अगली सुनवाई का इंतजार है।** परिजनों का कहना है कि अगर उन्हें केंद्रीय एजेंसी से न्याय की उम्मीद नहीं दिखी, तो वे अपनी बात लेकर जनता के बीच जाएंगे और न्याय की गुहार लगाएंगे।

एमपी के मंडला में बड़ा हादसा

पुल से बाइक नीचे गिरी, चार लोगों की मौत; परिजनों में कोहराम

मंडला, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में जर्जर पुल से मोटरसाइकिल गिरने के कारण चार युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह हादसा करीब 8 बजे भैंसवाही गांव के पास हुआ। बिछियाडांडी थाना प्रभारी अनीता कुडापे ने बताया कि चारों युवक पाउड़ी से भैंसवाही गांव जा रहे थे, तभी पुल पर बने गड्ढे से बाइक टकरा गई।

इससे चालक का संतुलन बिगड़ गया और मोटरसाइकिल नीचे जा गिरी। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार नरेटी (24), संतलाल उइके (23), शिवम यादव (25) और गंगाराम (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शरीर में छिपा कर लाई थी 127 किलो सोना

एक्ट्रेस रान्या राव की गोल्ड स्मगलिंग केस में ईडी की चार्जशीट से खुलासा

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव से जुड़ा गोल्ड स्मगलिंग मामला अब और भी बड़ा और चौंकाने वाला होता जा रहा है। जांच में जो खुलासे हुए हैं, उससे साफ है कि ये कोई छोटा-मोटा काम नहीं बल्कि एक पूरी तरह संगठित इंटरनेशनल नेटवर्क था, जिसकी शुरुआत अफ्रीका से हुई और फिर दुबई के रास्ते भारत तक फैल गया। जांच एजेंसी ईडी की चार्जशीट के मुताबिक, रान्या राव और उनके सहयोगी तरुण राजू ने सबसे पहले अफ्रीका से सीधे सोना मंगाने की योजना बनाई थी।

उन्हें बताया गया था कि दुबई के गोल्ड मार्केट में ज्यादातर सोना अफ्रीकी खदानों से आता है, इसलिए उन्होंने सोचा कि अगर सीधे वहीं से खरीद लिया जाए तो ज्यादा मुनाफा होगा। इसी प्लान के तहत उन्होंने दुबई में वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग एलएलसी नाम की कंपनी भी बनाई।

युगांडा, केन्या, तंजानिया के संप्लायर्स से भी साधे संपर्क

इसके बाद दोनों ने युगांडा, केन्या और तंजानिया के सप्लायर्स से संपर्क करना शुरू किया। युगांडा के एक एजेंट बेन से उनकी डील फाइनल हुई। शुरुआत में 5 किलो सोने की ट्रायल डील तय हुई, जिसके बाद 50 किलो का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट होना था। इस डील के लिए उन्होंने पहले करीब 25,000 डॉलर एडवांस दिए, फिर टैक्स और फीस के नाम पर दो बार करीब 10-10 हजार डॉलर और भेजे।

शुरुआत में हुआ था 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान

लेकिन असली झटका तब लगा जब उन्हें सोना नहीं मिला। इसके बाद तरुण राजू 1 जनवरी 2024 को युगांडा की राजधानी कंपाला पहुंचा।

वहां उसे एक रिफाइनरी में सोना दिखाया गया, जिससे उसे भरोसा हो जाए। लेकिन फिर एजेंट ने सोना रिलीज कराने के नाम पर करीब 1.7 करोड़ रुपये और मांगे। रान्या उस समय दुबई से कैश अरेंज कर रही थीं। आखिर में जब पूरी सच्चाई सामने आई तो पता चला कि यह एक बड़ा स्कैम था और दोनों को 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ।

मार्च 2024 से मार्च 2025 तक 102 करोड़ रुपए का सोना भारत लाई रान्या

जांच में ये भी सामने आया है कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच रान्या राव ने करीब 15 बार दुबई से भारत यात्रा की और इस दौरान कुल 127.87 किलो सोना स्मगल किया गया, जिसकी कीमत करीब 102 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस सोने को भारत में एक नेटवर्क के जरिए ज्वेलर्स और हैंडलर्स को बेच दिया जाता था। मामले का खुलासा 3 मार्च 2025 को हुआ, जब डीआरआई ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर रान्या राव को पकड़ा। उनके पास से 14.213 किलो सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 12.5 करोड़ रुपये थी और इसे उनके शरीर में छुपाकर लाया जा रहा था।

आईपीएस पिता के रसूख का भी उठाया फायदा

इसके बाद सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की और ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस शुरू किया। ईडी ने अब तक रान्या राव की 34 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति भी अटैच कर दी है। इस केस में एक और बड़ा खुलासा यह हुआ है कि रान्या राव ने एयरपोर्ट पर जांच से बचने के लिए अपने पारिवारिक रसूख का इस्तेमाल किया। वो एक सीनियर पुलिस अधिकारी की सौतेली बेटी हैं और इसी वजह से उन्हें वीआईपी प्रोटोकॉल का फायदा मिला।

सिंडिकेट में और कौन-कौन, अब ईडी कर रही जांच

आरोप है कि एक हेड कांस्टेबल कई बार उन्हें एयरपोर्ट पर एस्कॉर्ट करता था, जिससे वो आसानी से कस्टम चेक से बच जाती थीं। फिलहाल ईडी इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इस सिंडिकेट में और कौन-कौन शामिल थे, क्या इसमें कुछ सरकारी अधिकारी भी शामिल थे, और आखिर इतने बड़े स्तर पर स्मगलिंग कैसे लंबे समय तक चलती रही। यह मामला न सिर्फ गोल्ड स्मगलिंग का है, बल्कि इसमें इंटरनेशनल फ्रॉड, हवाला, मनी लॉन्ड्रिंग और सिस्टम के दुरुपयोग जैसे कई गंभीर पहलू भी जुड़े हुए हैं, जिससे यह केस और भी बड़ा और संवेदनशील बन गया है।

दिन में रेकी और रात में पति करता चोरी

पत्नी भी देती थी साथ, दोनों गिरफ्तार

कैश-गोल्ड समेत 18 लाख का माल जब्त

ग्वालियर, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर पुलिस ने एक ऐसे अंतर्राज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है, जो चोरी की सनसनीखेज घटनाओं को अकेले ही अंजाम दिया करता था। दिन में यह बदमाश अरविंद रजक टारगेट होने वाले घर की रेकी करता था। रात में वह नकाब पहनकर वारदातों को अंजाम देता था। इस काले कारनामे पर पत्नी भी उसका साथ देती थी। मामले की अधिक जानकारी देते हुए एडिशनल एसपी विदिता डागर ने बताया कि अरविंद रजक नाम के चोर को हजीरा पुलिस ने कट्टे और औजारों के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर इसने कई सनसनीखेज चोरी की वारदातों से पर्दा उठाया है। इस बदमाश पर 46 से अधिक अपराध दर्ज हैं, जो मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों के अलावा सीमावर्ती उत्तर प्रदेश के झांसी, ललितपुर में भी चोरी की गई है। इसके कब्जे से 105 ग्राम सोने के जेवरात, 2 लाख रुपए नकद यानी कुल मिलाकर लगभग 18 लाख का माल जप्त किया गया है।

अरविंद रजक की चोरी की घटनाओं में पत्नी ज्योति भी शामिल रही है। वह चोरी के सामान को ठिकाने लगवाने में मदद करती थी। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि आरोपी अरविंद रजक चोरी की बाइक से रेकी करने जाता था।

'भाजपा के लिए जी का जंजाल बन चुका है एसआईआर

ममता ही आखिरी उम्मीद', सागरिका घोष का बड़ा दावा

कोलकाता, 22 मार्च (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कोई असंतोष नहीं है। भाजपा ने मतदाता सूची सुधार के नाम पर जो कवायद शुरू की थी, वह अब उसके लिए 'जी का जंजाल' बन गई है। उन्होंने कहा कि एसआईआर ने टीएमसी को बढ़त दिला दी है।

'एसआईआर' से उपजा आक्रोश बनेगा गेमचेंजर?

सागरिका घोष ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा कि भाजपा का मुख्य एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया के जरिए ममता बनर्जी को हराना और बंगाल पर कब्जा करना था। लेकिन अब यह पासा पूरी तरह पलट चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में जिस तरह से अमर्त्य सेन जैसी विभूतियों और आम नागरिकों की नागरिकता पर सवाल उठाए गए, उसने राज्य में एक 'एंटी-बीजेपी वेव' पैदा कर दी है। सागरिका ने कहा, कहां हैं वो घुसपैठिए जिनके बारे में भाजपा इतना शोर मचा रही थी?

एंटी-इनकंबेंसी पर ममता का मास्टरस्ट्रोक!

बंगाल की राजनीति में इस बार एंटी-इनकंबेंसी की चर्चा है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि इस बार बंगाल फतह करना ममता बनर्जी के लिए आसान नहीं होने वाला है। हालांकि, इस पर सफाई देते हुए सागरिका घोष ने कहा कि अगर कहीं कोई नाराजगी थी भी, तो वह स्थानीय नेताओं के खिलाफ थी। ममता बनर्जी ने 291 उम्मीदवारों की सूची में अपने 74 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उस नाराजगी को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोग आज भी केवल ममता बनर्जी पर भरोसा करते हैं। ममता बनर्जी 24 घंटे जनता के बीच रहने वाली नेता हैं।

'महिला सुरक्षा के लिए दीदी का सख्त रुख'

सागरिका घोष ने आगे कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर ममता बनर्जी का सख्त रूख है। इस लिए ही उन्होंने खुद विधानसभा में 'अपराजिता बिल' पास कराया, जिससे अपराधियों को सख्त सजा मिल सके। लेकिन केंद्र सरकार ने इसे रोक कर रखा है। उन्होंने यूपी और दिल्ली जैसे 'डबल इंजन' वाले राज्यों पर तंज कसते हुए कहा कि बंगाल में महिलाओं को न्याय मिलने की संभावना कहीं अधिक है।

झूठ की राजनीति और बंगाली अस्मिता

इतना ही नहीं, टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने भाजपा पर झूठ की फैक्ट्री चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यधारा के मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए बंगाल के खिलाफ एक सुनियोजित दुष्प्रचार चलाया जा रहा है। दिल्ली और अन्य राज्यों में बंगाली भाषियों को जिस तरह से निशाना बनाया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में गंभीर वित्तीय संकट, सीएम - मंत्री से लेकर विधायकों तक की सैलरी में कटौती

शिमला, 22 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ऐसे में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राजनीतिक कार्यपालिका और वरिष्ठ नेताओं के वेतन के एक हिस्से में अस्थायी देरी की घोषणा की। इस फैसले के तहत अगले 6 महीनों के लिए मुख्यमंत्री के अपने वेतन का 50 प्रतिशत, उपमुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों के वेतन का 30 प्रतिशत और विधायकों के वेतन का 20 प्रतिशत हिस्सा स्थगित किया जाएगा। सुखू ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का बजट पेश करते हुए ये घोषणा की। यह घोषणा राजस्व घाटा अनुदान के बंद होने के बाद की गई है। इससे राज्य के वित्त पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। बाद में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हिमाचल के सीएम ने कहा कि ये कदम अस्थायी है और आश्वासन दिया कि वित्तीय स्थिति में सुधार होते ही रोकी गई राशि लौटा दी जाएगी।

'सेंचुरी लगेगी, अबकी बार 100 के पार'

रुपये की गिरावट पर संजय राउत का केंद्र सरकार पर वार

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रुपये की लगातार गिरती कीमत को लेकर सियासत तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राउत ने रुपये की कमजोरी को देश की साख और आर्थिक स्थिति से जोड़ते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। राउत ने अपने बयान में कहा, "सेंचुरी लगेगी, अबकी बार 100 के पार। मोदी जी कहाँ हैं? वे पश्चिम बंगाल में हैं, ममता बनर्जी को हराने के लिए राष्ट्रपति शासन की तैयारी कर रहे हैं। पीएम मोदी और अमित शाह पश्चिम बंगाल में 'खेला' करने की कोशिश कर रहे हैं, और रुपये की कीमत गिरती जा रही है। मोदी कहते थे कि जब रुपये की कीमत गिरती है तो देश की प्रतिष्ठा गिरती है। अब क्या गिर रहा है?"उन्होंने आगे कहा, "सरकार चुप है और चुप ही रहेगी। जब रुपया गिरता

है, तो सिर्फ मुद्रा ही नहीं गिरती, बल्कि देश की साख और प्रतिष्ठा भी गिरती है। जिस तरह भारत की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है और जिस तरह रुपया दिन-ब-दिन गिर रहा है उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, मुझे लगता है कि नरेंद्र मोदी अब देश का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं हैं। हां, आज युद्ध है, लेकिन क्या कल युद्ध था? रुपया गिरना ठीक उसी समय शुरू हुआ जब पीएम मोदी प्रधानमंत्री बने।" राउत ने अपने बयान में प्रधानमंत्री पर सीधा हमला करते हुए कहा, "मैं उनसे सिर्फ एक ही बात कहना चाहता हूं, 'मोदी जी, अब झोला उठाओ और चले जाइए।'"

बारिश के बाद अब सताएगी गर्मी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम की अदला-बदली लगातार जारी है। बीते दिन दिनों से जारी बारिश और बूंदा-बांदी से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। जिसके चलते मार्च में भी ठंडी का एहसास हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह बादल छाए रहे और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री कम 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने रविवार को दिन के दौरान आसमान सामान्य रूप से साफ रहने और शाम तथा रात के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली में सुबह 8:30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 87 प्रतिशत दर्ज की गई।

स्तर अभी नहीं सुधर पा रहा

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक

(एक्यूआई) 154 दर्ज किया गया जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

जल्द बदलेगा मौसम

मौसम विभाग की मानें तो पिछले दिनों पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में उतार-चढ़ाव देखा गया। आईएमडी के अनुसार, अगले दिनों तापमान में 4-6 डिग्री की बढ़ोतरी संभावित है, और 23 मार्च को हल्की बारिश-गरज के साथ बादल छाए रह सकते हैं। इसके बाद अगले कुछ दिन दिन में अच्छी खासी गर्मी देखने को मिलेगी। उधर मौसम विभाग का यह मानना है कि इस उतारचढ़ाव के बाद अब मौसम अगले कुछ दिन स्थिर रहेगा। बीच-बीच में बादल छाएंगे,लेकिन बारिश की संभावना कम है। इधर वेस्ट यूपी में भी कई इलाकों में पिछले दिनों बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। मौसम का असामान्य होना इस बार काफी अधिक देखा जा रहा है। जिस कारण मार्च अंत तक सर्दी बनी हुई है।

फर्जी बाबा अशोक खरात मामले पर

एआईएमआईएम के वारिस पठान का बड़ा बयान- 'एपस्टीन नासिक फाइल्स'

नासिक, 22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक में कथित ज्योतिषी अशोक खरात से जुड़े दुष्कर्म मामले सियासी बयान तेज हैं। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने आरोप लगाया कि खुद को 'बाबा' बताने वाला यह व्यक्ति महिलाओं का शोषण करता था और कई राजनेता उसके संपर्क में थे।

मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार से पूरी जांच की मांग उठी है। वारिस पठान ने कहा कि सोशल मीडिया पर कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हैं, जिनमें कथित बाबा के साथ प्रभावशाली लोग नजर आ रहे हैं।

ये तो जांच का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शासन को इसकी जानकारी नहीं थी और क्यों समय रहते कार्रवाई नहीं हुई। एएनआई को दिए बयान में उन्होंने यह भी कहा कि सच्चाई सामने आना जरूरी है ताकि ऐसे 'ढोंगी बाबा' बेनकाब हो सकें और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बता दें कि मामला अब सिर्फ आपराधिक आरोपों तक सीमित नहीं है, बल्कि वित्तीय पहलुओं की जांच भी शुरू होने वाली है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग जल्द ही इस केस में एंट्री कर सकता है और खरात की आय के स्रोतों की गहराई से पड़ताल करेगा। बैंक ट्रांजैक्शन्स, निवेश और पैसों के लेन-देन के रिकॉर्ड को खंगाला जाएगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके पास आया धन कहां से आया और उसका उपयोग किन कार्यों में हुआ। जांच एजेंसियां केवल अशोक खरात तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि उन लोगों को भी दायरे में लेंगी जिन्होंने कथित तौर पर उन्हें फंडिंग दी या किसी प्रकार की साझेदारी की।

भारतीय समुद्र तट पर 2 लाख कछुओं ने दिए अंडे

बोट पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ाई गई

गंजाम, 22 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के गंजाम जिले स्थित रुषिकुल्या समुद्र तट पर इस साल भी ऑलिव रिडले समुद्री कछुओं का सामूहिक नेस्टिंग देखने को मिला है। ब्रह्मपुर फॉरेस्ट डिवीजन से मिली जानकारी के अनुसार, बीच लगभग 2 लाख मादा कछुए समुद्र से निकलकर तट पर आईं और उन्होंने रेत में अंडे दिए। यह हर साल होने वाली प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे देखने के लिए वैज्ञानिकों और वन विभाग के अधिकारियों की निगाहें इस तट पर रहती हैं। ऑलिव रिडले कछुओं का प्रजनन समुद्र के अंदर नवंबर से जनवरी के बीच होता है। इसके बाद मादा कछुए कुछ समय तक अंडों को अपने शरीर में सुरक्षित रखती हैं और सही मौसम आने पर फरवरी से मार्च के बीच उसी तट पर लौटती हैं, जहां उनका जन्म हुआ था। तट पर पहुंचने के बाद वे अपने फ्लिपर्स की मदद से रेत में गड्ढा बनाती हैं और उसमें अंडे देकर उन्हें ढक देती हैं।

ब्रह्मपुर के डीएफओ सनी खोखर ने बताया कि इस साल भी नेस्टिंग क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिस स्थान पर कछुओं ने अंडे दिए हैं, वहां नियमित पेट्रोलिंग की जा रही है। समुद्र और तट दोनों क्षेत्रों में बोट पेट्रोलिंग और निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि अंडों और कछुओं को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि हर साल की तरह इस बार भी निर्धारित एसओपी के तहत काउंटिंग और सेगमेंटेशन की प्रक्रिया अपनाई गई है, जिससे सही संख्या का आंकलन किया जा सके। वन विभाग के मुताबिक, अंडों से बच्चों के बाहर निकलने यानी हैचिंग में लगभग 45 से 60 दिन का समय लगता है। चूंकि इस साल मार्च में अंडे दिए गए हैं, इसलिए मई महीने में हैचिंग होने की संभावना जताई जा रही है।

इस अवधि तक सुरक्षा और संरक्षण गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी। रुषिकुल्या समुद्र तट ऑलिव रिडले कछुओं के लिए एक महत्वपूर्ण नेस्टिंग स्थल माना जाता है। यहां हर साल बड़ी संख्या में कछुओं का आना इस क्षेत्र के पर्यावरणीय महत्व को दर्शाता है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन इस प्राकृतिक प्रक्रिया के संरक्षण के लिए संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

नौ करोड़ रुपये के प्रतिबंधित वाइनीज वॉकी-टॉकी जब्त डीआरआई की नवी मुंबई बंदरगाह पर बड़ी कार्रवाई

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 11,060 प्रतिबंधित वॉकी-टॉकी सेट और सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव (एचडीडी) जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 9.25 करोड़ रुपये है। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुंबई की दो फर्मों के मालिक, एक पिता-पुत्र की जोड़ी, को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोप है कि पिता-पुत्र ने बिना अनुमति के ये सामान आयात किया था। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई अधिकारियों की एक टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान 2.5 करोड़ रुपये के बाओफेंग बीएफ-888एस वॉकी-टॉकी और 6.75 करोड़ रुपये मूल्य के सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव (जिन्हें ई-कचरा माना जाता है) जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित सामानों को 21 करोड़ रुपये के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बीच छिपाकर रखा गया था।

विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल ने कांग्रेस के खिलाफ किया वोट

बेटे ने खत्म किया रिश्ता, कहा- पार्टी किसी की मोहताज नहीं

गुरूग्राम, 22 मार्च (एजेंसियां)। देश में हाल ही 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव कराए गए थे। इस दौरान दौरान अलग-अलग राज्यों में क्रॉस वोटिंग के साथ-साथ कई विधायक गायब भी रहे हैं। अब गायब हुए विधायकों और क्रॉस वोटिंग करने वालों के खिलाफ एक्शन भी शुरू हो गया है। हरियाणा कांग्रेस ने पांच विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। जिन पर आरोप है कि उन्होंने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस-वोटिंग की थी। इस बीच विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल के बेटे नाज़िम चौधरी ने क्रॉस वोटिंग से आहत होकर अपने पिता और परिवार से नाता तोड़ लिया है। कांग्रेस ने जिन पांच विधायकों को नोटिस जारी किए हैं, उनमें मुहम्मद इलियास, मुहम्मद इसराइल, रेनू बाला, शैली चौधरी और जरनैल सिंह शामिल हैं। इन विधायकों से पार्टी ने उनसे राज्यसभा चुनावों के दौरान उनके वोटिंग पैटर्न के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है और उन्हें तय समय सीमा के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

बेटे ने तोड़ा परिवार से नाता

विधायक चौधरी मोहम्मद इसराइल के बेटे नाज़िम चौधरी, जिन पर हरियाणा राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग का आरोप है। उन्होंने कहा कि मैं आपको यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि आज से मैं यह घोषणा करता हूं कि मेरा अपने पिता से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ ही न ही भविष्य में कोई संबंध रहेगा। मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन निश्चित रूप से मेरा उनसे कोई संबंध नहीं रहेगा। मेरे परिवार का एक और सदस्य भी इसमें शामिल है। मेरे चाचा से भी अब मेरा कोई संबंध नहीं है। आगे कहा कि मेरा घर भले ही टूट गया हो, लेकिन मेरे घर से कोई राहुल गांधी को नहीं हरा सकता, मैं कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के साथ हूं। पार्टी किसी की मोहताज नहीं है। यहां बहुत से नेता हैं, किसी के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता है। बेटे के इस ऐलान के बाद यह तो साफ हो गया है कि चुनाव भले ही खत्म हो गया है। हालांकि प्रदेश में राजनीतिक विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है।

हरियाणा में कैसा रहा राज्यसभा चुनाव का परिणाम

हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों में से एक पर बीजेपी के संजय भाटिया ने जीत दर्ज की है। दूसरी सीट पर कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध चुनाव जीते हैं। इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल चुनाव हार गए हैं। हालांकि इन्हें बीजेपी का समर्थन था।

ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी

पूछताछ के बाद एक रिहा विदेश मंत्री मोतेगी ने की पुष्टि

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को कहा कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है और वह जापान लौट रहा है। मोतेगी ने कहा कि उस व्यक्ति को पिछले साल से हिरासत में रखा गया था और बुधवार को उसे रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक अन्य जापानी नागरिक, जिसे इस साल की शुरुआत में गिरफ़्तार किया गया था, अभी भी हिरासत में है। ईरान में अभी भी हिरासत में मौजूद व्यक्ति की पहचान जापान के सरकारी प्रसारक एनएचके के एक पत्रकार के रूप में की गई है।

ईरान में अपनी सेना उतारने की तैयारी में अमेरिका

हजारों मरीन पहले ही हो चुके रवाना

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 23वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच एक बार फिर अमेरिका से एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक बड़ा कदम उठाया है। पेंटागन ने ईरान में जरूरत पड़ने पर अमेरिकी जमीनी सेना (ग्राउंड ट्रूप्स) भेजने के लिए पूरी योजना तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार, यह योजना तब लागू हो सकती है जब डोनाल्ड ट्रंप आगे कोई बड़ा फैसला लेते हैं। हालांकि, अभी तक ट्रंप ने यह तय नहीं किया है कि किन हालात में वह सेना भेजने की मंजूरी देंगे।

क्या है योजना, क्या कहती है रिपोर्ट?

मामले में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि पेंटागन का काम राष्ट्रपति को हर स्थिति के लिए तैयार रखना है। इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने ईरान में सेना भेजने का अंतिम फैसला कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि फिलहाल ग्राउंड ट्रूप्स भेजने की कोई योजना नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान में संभावित कार्रवाई के दौरान लोगों को पकड़ने और हिरासत में रखने की भी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए जगह और व्यवस्था पर भी चर्चा हो रही है।

युद्ध में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा अमेरिका

इसी बीच, 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को भी तैयार रखा जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सके। इसके अलावा मरीन कॉर्प्स की टुकड़ियां भी पश्चिम एशिया की ओर भेजी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि हजारों अमेरिकी मरीन सैनिक पहले ही इस क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं। हाल ही में करीब 2,200 मरीन सैनिकों के साथ तीन नौसैनिक जहाज कैलिफोर्निया से रवाना हुए हैं। ऐसे में इन सभी तैयारियों से साफ है कि अमेरिका इस समय हर स्थिति के लिए खुद को मजबूत कर रहा है और जरूरत पड़ने पर बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। हालांकि, अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के हाथ में ही है।

सऊदी ने ईरानी डिप्लोमैट्स को निकाला

बोला- आक्रामकता बर्दाश्त नहीं

रियाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि सऊदी अरब ने कई ईरानी राजनयिक कर्मचारियों को निकाल दिया है। इसके साथ आगे भी कड़े कदम उठाने की चेतावनी दी है। यह कदम तेहरान पर उसके अपने क्षेत्र, गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के सदस्य देशों और दूसरे अरब व इस्लामी देशों पर बार-बार हमले करने का आरोप लगाने के बाद उठाया गया है।

एक बयान में मंत्रालय ने उन कामों की कड़ी निंदा की जिन्हें उसने 'ईरानी आक्रामकता की खुली मिसाल' बताया। मंत्रालय ने कहा कि सऊदी की संप्रभुता, नागरिकों के बुनियादी ढांचे, आर्थिक हितों और राजनयिक मिशनों को लगातार निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और 'अच्छे पड़ोसी' होने के नियम को तोड़ता है। मंत्रालय ने आगे कहा कि ऐसे काम 'बीजिंग घोषणा' के उल्टे हैं और इस्लाम के सिद्धांतों के प्रति ईरान की घोषित प्रतिबद्धताओं को कमजोर करते हैं। साथ ही यह भी कहा कि ईरान का व्यवहार उसकी कथनी के अनुसार नहीं है।

मंत्रालय ने चेतावनी दी कि लगातार हो रहे हमलों से तनाव और बढ़ने का खतरा है, और इससे 'अभी और भविष्य में' संबंधों पर काफी असर पड़ सकता है। चेतावनी का भी जिक्र किया। मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की कि ईरानी मिलिट्री अटैशे, असिस्टेंट अटैशे और दूतावास के तीन अन्य कर्मचारियों को 'पर्सोना नॉन ग्रेटा' घोषित कर दिया गया है, और उन्हें 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

क्या चाह रहा है ड्रैगन?

चीन ने ताइवान के पास भेजे जहाज, सेना ने की जवाबी कार्रवाई

बिजिंग, 22 मार्च (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने रविवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) ताइवान के क्षेत्रीय पानी के आसपास छह चीनी नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की मौजूदगी का पता लगाया। ताइवान की सेना ने स्थिति की निगरानी की और आवश्यक जवाबी कार्रवाई की। एमएनडी ने एक्स (सोशल मीडिया) पर कहा, आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास छह प्लान जहाज और एक आधिकारिक जहाज देखे गए। आरओसी सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की और जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान किसी भी पीएलए विमान की गतिविधि नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट पथ की जानकारी नहीं दी गई। एमएनडी ने दो पीएलए विमान और आठ नौसैनिक जहाजों को ताइवान के पास देखा था। उस समय एमएनडी ने कहा, आज सुबह 6 बजे तक दो पीएलए विमानों की उड़ान और आठ प्लान जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इनमें से एक उड़ान मीडियन लाइन को पार कर ताइवान के पूर्वी हिस्से में प्रवेश कर गई। हमने स्थिति की निगरानी की और जवाबी कार्रवाई की।

चीन का ताइवान पर दावा काफी पुराना और जटिल है। बीजिंग का मानना है कि ताइवान चीन का हिस्सा है। उनका यह दावा राष्ट्रीय नीति और कानूनों में भी शामिल है। लेकिन ताइवान अपनी अलग पहचान रखता है और स्वतंत्र रूप से अपनी सरकार, सेना और अर्थव्यवस्था चला रहा है। यही वजह है कि ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बहस का बड़ा मुद्दा बनी हुई है। यह सवाल उठता है कि किसी देश की संप्रभुता और आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान कैसे किया जाए। चीन का ताइवान पर दावा किंग वंश के समय 1683 में शुरू हुआ। उस समय मिंग वफादार क़ोक्सिंगा पर जीत के बाद ताइवान को चीन में शामिल किया गया। फिर भी ताइवान किंग वंश के तहत पूरी तरह से नियंत्रित नहीं था। 1895 में पहले चीन-जापान युद्ध के बाद ताइवान को जापान को सौंप दिया गया और अगले 50 साल तक यह जापानी कॉलोनी बना रहा। द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार के बाद ताइवान चीन के नियंत्रण में लौटा, लेकिन अधिकारों का औपचारिक हस्तांतरण नहीं हुआ। 1949 में चीन के गृह युद्ध के बाद मुख्य भूमि पर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) बनी, जबकि रिपब्लिक ऑफ चाइना (आरओसी) ताइवान चली गई और पूरे चीन पर शासन करने का दावा किया।

श्राइन बोर्ड ने लंगर के लिए 25 मार्च तक मांगे आवेदन, यात्रा की तारीख जल्द घोषित करेगा बोर्ड

जम्मू, 22 मार्च (एजेंसियां)। श्री अमरनाथ यात्रा-2026 की तैयारियां रफ्तार पकड़ने लगी हैं। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने यात्रा मार्ग और आधार शिविरों में लंगर लगाने के लिए संगठनों से आवेदन मांगे हैं। इसके लिए 25 मार्च शाम पांच बजे तक का समय तय किया है। यात्रा की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। बोर्ड की ओर से जारी सूचना के अनुसार इच्छुक संगठन अपने आधिकारिक लेटरहेड पर आवेदन प्रस्तुत करेंगे। इन पर अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।

आवेदन के साथ संगठन से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना भी जरूरी होगा। इनमें संगठन का नाम, पंजीकरण विवरण (सोसायटी/ट्रस्ट), लंगर संचालन का अनुभव, पूर्व यात्राओं में दी गई सेवाओं का विवरण तथा प्रस्तावित स्वयंसेवकों/सेवादारों की संख्या शामिल होनी चाहिए।

ईरान ने इजरायल के 'लिटिल इंडिया' में मचाई तबाही

परमाणु केंद्र को भी बनाया निशाना, 100 से ज्यादा घायल

तेहरान, 22 मार्च (एजेंसियां)। ईरान ने आज जवाबी हमले में फिर एक बार इजरायल का नुकसान कर दिया है। ईरान ने इजरायल के दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर भीषण मिसाइल हमले किए जिसमें 100 से ज्यादा घायल हो गए। इनमें डिमोना सबसे खास है क्योंकि यहां भारतीयों की आबादी ज्यादा है जिस वजह से इसे 'लिटिल इंडिया' भी कहा जाता है। और तो और यहां इजरायल का मुख्य परमाणु केंद्र भी है।

तेहरान का कहना है कि यह हमला शनिवार को उनके नतान्ज परमाणु केंद्र पर हुए हमले का बदला है। ईरान के इस जवाबी हमले से माना जा रहा है कि ईरान के निशाने पर डिमोना का 'शिमोन पेरेस नेगेव न्यूक्लियर रिसर्च सेंटर' था। मिसाइलों के सीधे अटैक से रिहायशी इमारतों के सामने के हिस्से ढह गए और जमीन में गहरे गड्ढे बन गए। अधिकारियों के अनुसार, इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइलों को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे।

इसके बाद सैकड़ों किलोग्राम वजन वाले वारहेड (धमाका करने वाला हिस्सा) वाली बैलिस्टिक मिसाइलें सीधे शहरों पर गिरीं।

कितना नुकसान?

इजरायल की आपातकालीन सेवा 'मैगन डेविड एडोम' के अनुसार, अराद में 84 लोग घायल हुए, जिनमें से 10 की स्थिति गंभीर है। डिमोना में 33 लोग घायल हुए हैं। कुल 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। डिमोना के पास जो हमला हुआ है उसपर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा ने कहा है कि अब तक परमाणु केंद्र को किसी नुकसान या वहां से किसी भी तरह के रेडिएशन (विकिरण) लीक होने की खबर नहीं है।

पैरामेडिक कर्मेल कोहेन ने घटनास्थल की गंभीरता बताते हुए कहा कि वहां भारी नुकसान हुआ है और हर तरफ चीख-पुकार और अफरा-तफरी मची है। इजरायल पर हुए इस मिसाइल हमले के एक वीडियो में आसमान से आग का एक बड़ा गोला ज़मीन की ओर गिरता हुआ साफ दिखाई दे रहा है।

'आपकी जिम्मेदारी'

ईरान ने अमेरिकी हमलों से हुए नुकसान पर यूएई से मांगा मुआवजा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग ने मिडिल ईस्ट देशों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इस बीच पड़ोसी देशों के साथ कूटनीतिक तल्खी बढ़ाते हुए ईरान ने अब संयुक्त अरब अमीरात से अमेरिकी हमलों से हुए नुकसान की मुआवजे की मांग की है। दरअसल, ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को पत्र लिखकर अब संयुक्त अरब अमीरात से अमेरिकी हमलों से हुए नुकसान की मुआवजे के रूप में भरपाई करने की मांग की है।

पत्र में ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत आमिर सईद इरवानी ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की ओर से ईरान पर किए हमले में अमेरिकी सैनिकों ने संयुक्त अरब अमीरात की जमीन का उपयोग किया। इसलिए यूएई की जिम्मेदारी बनती है कि वह अमेरिका द्वारा हुए हमले से ईरान को हुए नुकसान की भरपाई करे। ईरान के यूएन राजदूत आमिर सईद इरवानी ने यूएन महासचिव को दिए पत्र में आरोप लगाया हुए लिखा, अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी बनती है कि वह ईरान को सभी भौतिक और नैतिक नुकसानों की भरपाई दे।

बता दें कि यूएन में ईरान की ओर से यह पत्र 7 शिकायतों के बाद दी गई है। इन 7 शिकायतों में ईरान की ओर से आरोप लगाया था कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाइयों में क्षेत्रीय देशों के हवाई क्षेत्र और जमीन का गैरकानूनी उपयोग किया। एक अन्य पत्र में ईरान ने लिखा कि 28 फरवरी को अमेरिकी बलों ने ईरान पर हमला किया, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन था। पत्र में आरोप लगाया था कि यह हमला क्षेत्रीय देशों जिनमें जॉर्डन भी शामिल है, उसकी जमीन का उपयोग करके अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया।

ईरान से जारी जंग में खुलकर सामने आया ब्रिटेन

अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, अब आगे क्या?

अबू धाबी, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल की ईरान संग 3 हफ्तों से जंग जारी है। ईरान अपनी जवाबी कार्रवाई में लगातार मिडिल ईस्ट के देशों खासकर यूएई को निशाना बना रहा है। इन सबके बीच अब इस युद्ध में ब्रिटेन भी खुलकर आ गया है। ब्रिटेन ने अपनी सैन्य ताकत दिखाते हुए अरब सागर में परमाणु पनडुब्बी तैनात कर दी है।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक एचएमएस एंसन नाम की ये पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक आईवी क्रूज मिसाइलों से लैस है, जो कई सौ मील दूर से ही अपने टारगेट पर सटीक हमले करने की कैपिसिटी रखती है। ईरान के खिलाफ युद्ध में ब्रिटेन ने अब अपनी नीति बदल दी है और अमेरिका को अपने सैन्य बेस का इस्तेमाल करने की परमिशन दे दी है। ऐसे में अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों को निशाना बना रहे ईरानी ठिकानों को तबाह करने के लिए अमेरिका ब्रिटिश सैन्य बेस का उपयोग कर सकता है।

ब्रिटेन मैरीटाइम अथॉरिटी का बयान

ब्रिटेन मैरीटाइम अथॉरिटी ने बताया है कि यूएई के तट के पास एक कमर्शियल जहाज को निशाना बनाया गया है। यूकेएमटीओ ने बताया कि शारजाह से लगभग 15 नॉटिकल मील नॉर्थ में एक घटना हुई है। एक बल्क कैरियर के कप्तान ने बताया कि जहाज के पास किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल के कारण धमाका हुआ। हालांकि सभी क्रू मेंबर्स सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

ट्रंप की धमकी पर क्या बोला ईरान

बता दें कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान ने होर्मुज को बिना किसी खतरे के पूरी तरह से नहीं खोला तो अमेरिका ईरान के बिजली केंद्रों को निशाना बनाकर उन्हें पूरी तरह तबाह कर देगा।

ट्रंप की धमकी के जवाब में ईरानी सशस्त्र बलों के संयुक्त कमांड का कहना है कि अगर ईरान के ईंधन और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया तो क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया जाएगा। इजरायली अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ईरानी सेना ने पहली बार लंबी दूरी की मिसाइलें दागी हैं, जिससे मिडिल ईस्ट के बाहर भी हमलों का खतरा बढ़ गया है। इजरायली सेना प्रमुख ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य ठिकाने डिएगो गार्सिया पर 2 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

वहीं दूसरी ओर ईरानी सेना ने ब्रिटेन के डिएगो गार्सिया स्थित सैन्य बेस को निशाना बनाने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वहां हुए मिसाइल हमले के पीछे उनका हाथ नहीं है।

30 वर्षीय महिला की बेरहमी से हत्या; इलाके में दहशत

चंडीगढ़, 22 मार्च (एजेंसियां)। मलोया स्थित ग्वाला कॉलोनी (माड़ी के पास) में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की उम्र करीब 30 से 32 वर्ष बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस मृतका की पहचान करने और आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

एलपीजी के बाद अब डीजल की किल्लत, पानीपत के हैंडलूम और डाइंग उद्योगों की बढ़ी मुश्किलें

पानीपत, 22 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल और ईरान में युद्ध के कारण पहले पेट्रोलियम केमिकल महंगा हुआ, अब औद्योगिक डीजल भी महंगा हो गया। उद्योगपति ने कहा कि एलपीजी की कमी के कारण काफी काम बंद हो गया है। औद्योगिक डीजल में लगभग 22 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो गई है। इससे फैक्ट्रियों में कार्य को लेकर चिंता बढ़ गई। फैक्ट्री संचालकों ने बताया कि पहले 87.67 रुपये प्रति लीटर डीजल था अब इसको 109.59 प्रति लीटर कर दिया है।

टेक्सटाइल, हैंडलूम, डाइंग और केमिकल से जुड़े छोटे-बड़े उद्योगों पर इसका असर पड़ेगा। इन उद्योगों में बिजली के साथ-साथ डीजल का उपयोग मशीनों के संचालन और बैकअप के रूप में किया जाता है। डीजल महंगा होने से उत्पादन खर्च बढ़ना तय है, जिसका असर बाजार कीमतों पर भी पड़ेगा। उद्योगपतियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से पेट्रोलियम केमिकल की सप्लाई प्रभावित होने के कारण रंगों और कच्चे माल के दाम पहले ही बढ़ चुके हैं। अब डीजल महंगा होने से दिक्कत होगी।

पिघलते ग्लेशियरों से 2 अरब लोगों को नहीं नसीब होगा पानी; वैज्ञानिकों की चेतावनी

काठमांडू, 22 मार्च (एजेंसियां)। जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि पिछले कुछ दशकों में हिमालय में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से इस क्षेत्र के 2 अरब से ज्यादा लोगों पर खतरा मंडरा रहा है। ये लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए हिमालयी ग्लेशियरों से पिघलकर आने वाले पानी पर निर्भर हैं। इन ग्लेशियरों को एशिया के वॉटर टावर भी कहा जाता है। यह चेतावनी 'विश्व ग्लेशियर दिवस' के मौके पर जारी की गई है। इस मौके पेश की गई दो अहम रिपोर्टों के मुताबिक, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बर्फ वर्ष 2000 के बाद से दोगुनी तेजी से पिघल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसमें 0.5 वर्ग किलोमीटर से छोटे ग्लेशियर, बड़े ग्लेशियरों के मुकाबले ज्यादा तेजी से सिकुड़ रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि बर्फ पिघलने की यह रफ्तार, स्थानीय स्तर पर पानी की कमी और जलवायु से जुड़े खतरों के बढ़ने का तत्काल जोखिम पैदा करती है।

जिस खूबसूरत अमेरिकी महिला सैनिक पर फिदा थे लोग, वो निकली फर्जी

न्यूयॉर्क, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेट की दुनिया में हाल के दिनों में एक महिला अमेरिकी सैनिक ने जबरदस्त सुर्खियां बटोरीं। कभी वह डोनाल्ड ट्रंप के साथ चलती हुई नजर आई, तो कभी व्लादिमीर पुतिन के साथ सेल्फी लेते हुए। मेलानिया ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की तस्वीरें भी खूब वायरल हुईं। यहां तक कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को बंदी बनाकर पेश करती तस्वीरें भी लोगों का ध्यान खींचती रहीं।

इन पोस्ट्स पर लाखों फॉलोअर्स और हजारों लाइक्स देखकर लोग इसे 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे की बहादुर अमेरिकी सैनिक मान बैठे। लेकिन असल में इस पूरी कहानी में एक बड़ा झोल छिपा था। दरअसल यह महिला असल में मौजूद ही नहीं थी। वह कोई बहादुर अमेरिकी महिला सैनिक नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनाई गई एक फर्जी पहचान थी, जिसने इंटरनेट पर हजारों-लाखों लोगों को बिना बताए भ्रम की दुनिया में फंसा दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं तस्वीरों में एक सुनहरे बालों वाली महिला को 'जेसिका फॉस्टर' नाम से दिखाया गया, जो अमेरिकी सेना की सैनिक बताई जा रही थी। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ये तस्वीरें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनाई गई थीं। इन तस्वीरों में जेसिका को फारस की खाड़ी के होर्मुज स्ट्रेट में एक युद्धपोत पर हाई हील्स पहनकर चलते हुए दिखाया गया, कभी स्पीच देते हुए, कभी महिला सैनिकों के साथ तकिए की लड़ाई करते हुए और कभी दुनिया के सबसे चर्चित नेताओं से मिलते हुए।

चार महीनों के अंदर-अंदर इस अकाउंट ने 10 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स भी जुटा लिए, जिनमें बड़ी संख्या 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) समर्थकों की थी। जब इस बारे में अमेरिकी सेना से पूछा गया, तो इस बारे में यूएस आर्मी ने साफ कहा कि जेसिका फॉस्टर नाम की किसी भी महिला सैनिक उनके रिकॉर्ड में मौजूद नहीं है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इन पोस्ट्स के नीचे कमेंट करने वालों में ज्यादातर ऐसे अकाउंट थे जिनकी प्रोफाइल तस्वीरों में आदमी दिखाई दे रहे थे। लोग जेसिका की खूबसूरती की तारीफ कर रहे थे और उसके "देशभक्ति संदेशों" की सराहना कर रहे थे। कुछ तस्वीरों पर 30 हजार से ज्यादा लाइक्स भी आए। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि कमेंट सेक्शन में हार्ट-आई इमोजी की बाढ़ आई हुई थी। हैरानी की बात यह थी कि ज्यादातर यूजर्स या तो इस बात से अनजान थे या फिर अनदेखा कर रहे थे कि यह प्रोफाइल पूरी तरह नकली है।

अकाउंट के हटाए जाने से पहले यह भी सामने आया कि जेसिका फॉस्टर का प्रोफाइल एक ओनलीफ़ैन्स पेज से जुड़ा हुआ था। ओनलीफ़ैन्स ने वॉशिंगटन पोस्ट को बताया कि इस अकाउंट को इसलिए हटाया गया क्योंकि क्रिएटर की पहचान की पुष्टि ही नहीं हो सकीं। जैसे ही अकाउंट हटाया गया, वैसे ही उसी तरह की एआई -जनरेटेड तस्वीरों वाले नए अकाउंट सोशल मीडिया पर सामने आने लगे, जो उसी नैरेटिव को आगे बढ़ा रहे थे।

जेसिका फॉस्टर एआई के यूज का कोई अकेला फेक मामला नहीं है। टिकटॉक, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर एआई से बनी महिलाओं के दर्जनों अकाउंट मौजूद हैं, जो खुद को ट्रंप समर्थक सैनिक या पुलिस अधिकारी बताकर पेश कर रहे हैं। इन अकाउंट्स पर हजीरों लोग ऐसे प्रतिक्रिया देते हैं जैसे वे किसी असली व्यक्ति से बात कर रहे हों। असल में यह ट्रेंड सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान से जुड़ी सैकड़ों एआई-जनरेटेड वीडियो ऑनलाइन सर्कुलेट हुई हैं, जिनमें ईरानी महिला सैनिक और पायलट सैन्य कार्रवाई का जश्न मनाती दिखती हैं, जबकि ईरान में महिलाओं को कॉम्बैट रोल में रहने की इजाज़त ही नहीं है।

इलिनॉय के पूर्व रिपब्लिकन सांसद एडम किंज़िंगर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "जेसिका फॉस्टर साफ तौर पर अमेरिकी सेना की सैनिक नहीं है। जेसिका फॉस्टर एआई है। जेसिका फॉस्टर के एक मिलियन फॉलोअर्स हैं। और जब आप कमेंट्स देखते हैं तो हैरानी होती है कि लोग, खासकर मागा समर्थक और उम्रदराज पुरुष एआई के झांसे में कैसे आ रहे हैं। यह वाकई हैरान करने वाला है।"

आस्था, शक्ति और समाज का धर्म सेतु है नवरात्र

डॉ घनश्याम बादल

भारतीय संस्कृति पर्व, उपवास व्रत और संकल्पों की ऐसी मंजूषा है जिसकी तुलना विश्व में संभव ही नहीं है। हमारी संस्कृति में पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के प्रतीक होते हैं। नवरात्र ऐसा ही एक पर्व है, जो शक्ति, साधना और स्त्री-सम्मान का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। वर्ष में मुख्यतः दो बार—चैत्र और आश्विन मास में मनाए जाने वाले नवरात्र, नौ दिनों तक देवी शक्ति की उपासना का पर्व हैं। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, सामाजिक चेतना और आध्यात्मिक उन्नयन का अवसर भी है।नवरात्र का मूल आधार शक्ति की उपासना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब असुरों के अत्याचार बढ़ गए और देवता असहाय हो गए, तब सभी देवताओं की शक्तियों से एक दिव्य शक्ति का प्रादुर्भाव हुआ—मां दुर्गा। उन्होंने नौ दिनों तक महिषासुर से युद्ध कर दशमी के दिन उसका वध किया। यह घटना बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक बनी। एक अन्य महत्वपूर्ण संदर्भ रामायण से जुड़ा है, जहां भगवान राम ने लंका विजय से पूर्व देवी दुर्गा की आराधना की थी, जिसे "अकाल बोधन" कहा जाता है। इस प्रकार नवरात्र केवल देवी-पूजन ही नहीं, बल्कि संकल्प, धैर्य और विजय की प्रेरणा भी देता है।

धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से नवरात्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन नौ दिनों को तीन प्रमुख शक्तियों—महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती—की उपासना के रूप में देखा जाता है। महाकाली अज्ञान और भय का नाश करती हैं, महालक्ष्मी समृद्धि और संतुलन प्रदान करती हैं, जबकि महासरस्वती ज्ञान और विवेक की प्रतीक हैं। उपवास, ध्यान और जप के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता को जागृत करता है। यह आत्मसंयम, अनुशासन और आत्मनिरीक्षण का भी काल है, जो मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाता है। नवरात्र में कन्या पूजन की परंपरा विशेष महत्व रखती है।

छोटी बालिकाओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन करना, उन्हें भोजन कराना और उपहार देना इस बात का प्रतीक है कि नारी सृजन और शक्ति का मूल स्रोत है। यह परंपरा समाज को यह संदेश देती है कि बालिकाओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता केवल धार्मिक कर्मकांड न होकर, जीवन का स्थायी मूल्य होना चाहिए। वास्तव में नवरात्र का मूल भाव ही नारी शक्ति की स्थापना है। देवी दुर्गा, काली और सरस्वती के विविध रूप यह दर्शाते हैं कि नारी केवल कोमलता की प्रतीक नहीं, बल्कि शक्ति, ज्ञान और नेतृत्व का भी केंद्र है। यह पर्व समाज को यह प्रेरणा देता है कि महिलाओं को समान अधिकार, अवसर और सम्मान दिया जाए। यदि इस संदेश को व्यवहार में उतारा जाए, तो नवरात्र नारी सशक्तिकरण का एक सशक्त सांस्कृतिक अभियान बन सकता है।

आधुनिक युग में आवश्यक है कि हम नवरात्र को समयानुकूल परिमार्जित करें। भव्यता और दिखावे की बजाय सादगी और आंतरिक श्रद्धा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सजावट और पूजन सामग्री में प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल साधनों का उपयोग करना चाहिए। ध्वनि और प्रदूषण पर नियंत्रण रखते हुए उत्सव को संतुलित और जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कन्या पूजन को केवल एक दिन का अनुष्ठान न मानकर, वर्ष भर बालिकाओं और महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का रूप दिया जाए। सामाजिक सेवा के रूप में गरीब बालिकाओं की शिक्षा में सहयोग, महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य इस पर्व को और अधिक सार्थक बना सकते हैं।

आज के डिजिटल युग में यह भी आवश्यक है कि नवरात्र को केवल सोशल मीडिया प्रदर्शन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसके मूल संदेश को समझकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनाया जाए। जब हम नवरात्र के वास्तविक अर्थ—सत्य, साहस, संयम और सम्मान—को अपने जीवन में उतारते हैं, तभी यह पर्व अपने पूर्ण स्वरूप में हमारे सामने आता है।

निष्कर्षतः नवरात्र केवल देवी की आराधना का पर्व नहीं, बल्कि आत्मबल, सामाजिक समरसता और नारी सम्मान का उत्सव है। यह हमें सिखाता है कि वास्तविक शक्ति हमारे भीतर निहित है और उसे जागृत करने की आवश्यकता है। यदि हम इस पर्व के संदेश को आत्मसात कर लें, तो यह न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन को समृद्ध करेगा, बल्कि समाज को भी एक नई दिशा प्रदान करेगा।

ऐसी लड़कियों को मिलते हैं धनवान पति, हथेली में बने ये चिह्न

शास्त्र कहते हैं कि विवाह के बाद पति-पत्नी का भाग्य एक-दूसरे से जुड़ जाता है। कुंडली मिलाने के समय ज्योतिषविद अक्सर कन्या को भाग्य और पति के लिए सफलताओं का कारक बताते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि ग्रहों के अलावा लड़कियों की हाथ की रेखाएं और उसमें बनने वाले चिह्न भी उनके होने वाले पति के भविष्य का संकेत देते हैं।

सामुद्रिक शास्त्र में ये कहा गया है कि जिन लड़कियों के हाथ में ये विशेष चिह्न बनते हैं उनके पति धनवान होते हैं। इसके अलावा ऐसी लड़कियों का दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहता है। ऐसे में आइए जानते हैं लड़कियों की हथेली में मौजूद विशेष रेखाओं और चिह्नों के बारे में।

विशेष होते हैं हथेली के ये चिह्न

ध्वज और रथ: हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी लड़की की हथेली में ध्वज (झंडा) या रथ जैसा चिह्न साफ दिखाई देता है, तो ये अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है। हस्तरेखा शास्त्र के जानकारों के अनुसार, ऐसी लड़कियों की शादी आधिकारी से होती है। विवाह के बाद पति का करियर बढ़ता है।

स्वास्तिक और लालिमा: जिन लड़कियों की हथेली में गुलाबी या हल्की लालिमा होती है वो साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं। जिनकी रेखाओं के मेल से हथेली में स्वास्तिक का चिह्न बनता है, तो उनके पति को कभी भी आर्थिक तंगी नहीं होती।

कमल और मछली: हथेली में कमल के फूल या मछली (मत्स्य) का निशान होना सबसे शुभ होता है। ये चिह्न लड़कियों के अच्छे भविष्य की ओर संकेत करता है। साथ ही उसके पति को जीवन भर हर प्रकार की सुख-सुविधा प्रदान करता है।

तराजू और बैल: जिन लड़कियों के दायीं हथेली में तराजू और बायीं हथेली में हाथी या बैल जैसी आकृति बनी होती है, तो उनके पति एक बहुत बड़ा और सफल उद्योगपति बनते हैं। पत्नी के भाग्य से पति के व्यापार में कभी घाटा नहीं होता।

18 महा शक्तिपीठों में से एक हैं जोगुलंबा मंदिर, जहां शव पर विराजमान हैं देवी मां

तेलंगाना के जोगुलम्बा मंदिर में जोगुलाम्बा देवी के सिर पर बिच्छू, छिपकली और मेंढक विराजते हैं। ये मंदिर 18 महा शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। मां की पूजा योग व तंत्र साधना के लिए होती है।

भारत मंदिरों का देश हैं। यहां कई राज्यों में प्राचीन, अनोखे और रहस्यमयी मंदिर हैं, जिनके रहस्य के बारे में आज तक कोई नहीं जान पाया है। आज हम आपको एक ऐसे ही अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां देवी मां शव पर विराजमान होती हैं। देवी मां के सिर पर बिच्छू, छिपकली और मेंढक विराजते हैं। ये मंदिर 18 महा शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

हम बात कर रहे हैं तेलंगाना के जोगुलम्बा मंदिर की। ये मंदिर शक्तिवाद का बड़ा तीर्थ स्थल है। 'जोगुलम्बा' नाम मूलतः तेलुगु शब्द 'योगुला अम्मा' से आया है। इसका मतलब होता है। 'योगियों की मां'। यह अर्थ देवी मां के दिव्य और साधनारत स्वरूप के बारे बताता है। ये मंदिर तेलंगाना के जोगलबा गडवाल जिले के आलमपुर शहर में है। मान्यता है कि आलमपुर के जोगुलाम्बा देवी मंदिर वाले स्थान पर माता सती के दांतों की ऊपर वाली पंक्ति गिरी थी।

मां की पूजा योग व तंत्र साधना के लिए होती है

इस मंदिर की आराध्या देवी जहां मां जोगुलाम्बा मानी जाती हैं, वहीं आराध्य देव 'बाल ब्रह्मेश्वरा स्वामी' हैं। मंदिर में माता सती को जोगुलाम्बा देवी के नाम से जाना जाता है। उनको टयोगाम्बा देवी' भी पुकारा जाता है।

मंदिर में बाल ब्रह्मेश्वर स्वामी कोई और नहीं, बल्कि भगवान शिव हैं। मां जोगुलम्बा इस मंदिर में उग्र रूप में विराजमान हैं। मां जोगुलम्बा की पूजा योग व तंत्र साधना के लिए होती है। देवी के सिर पर बिच्छू, छिपकली और मेंढक रहते हैं। यहां देवी मां शव पर विराजमान हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, देवी सती के आत्मदाह के बाद भगवान शिव क्रोधाग्नि में उनके शव को लेकर पूरी पृथ्वी पर घूमने लगे। इसके बाद भगवान विष्णु अपने सुदर्शन चक्र से देवी सती के शरीर को विभाजित कर दिया। इसी दौरान देवी सती के ऊपरी दांत अलमपुर में गिरे और यहां मां जोगुलम्बा शक्ति पीठ की स्थापना हुई।

सिर्फ मंदिर में अखंड ज्योत ही नहीं
नवरात्रि में इन जगहों पर भी दिया जलाना होता है शुभ

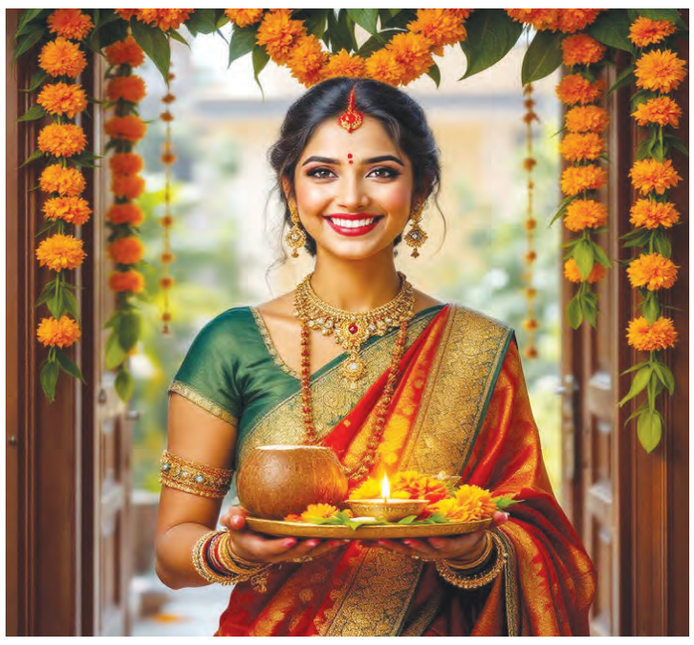

नवरात्रि के दिनों में मंदिर में अंखड ज्योत के साथ-साथ कुछ विशेष स्थानों पर दिया जलाने से माता रानी का आशीर्वाद कई गुना बढ़कर प्राप्त होता है, तो आइए जानते हैं उन स्थानों के बारे में, जहां नवरात्रि में दिया जलाना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि शक्ति की उपासना के दिन होते हैं। आज नवरात्रि का दूसरा दिन है। ये दिन माता ब्रह्मचारिणी को समर्पित किया गया है। नौ दिनों में माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा विधान है। नवरात्रि के दिनों में भक्त कलश स्थापना करके और अखंड ज्योत जलाकर भक्ति भाव से मां दुर्गा की अराधना करते हैं।

नवरात्रि के समय में मंदिर में अखंड ज्योत जलाना मां की उपस्थिति का संकेत होता है, लेकिन क्या आपको पता है कि इन दिनों में मंदिर में अंखड ज्योत के साथ-साथ कुछ विशेष स्थानों पर दिया जलाने से माता रानी का आशीर्वाद कई गुना बढ़कर प्राप्त होता है, तो आइए जानते हैं उन स्थानों के बारे में, जहां नवरात्रि में दिया जलाना चाहिए।

नवरात्रि में इन जगहों पर भी जलाएं दिया

प्रवेश द्वार परः हिंदू धर्म में घर के प्रवेश द्वार का महत्व बहुत अधिक होता है। इसे शुभता का द्वार कहते हैं। नवरात्रि में शाम को सूर्यास्त के बाद मुख्य द्वार के दाईं ओर घी या तेल का दिया जरूर जलाएं। मान्यता है कि इससे घर की नकारात्मकता दूर होती है। माता रानी का विशेष आशीर्वाद मिलता है।

तुलसी के पासः तुलसी माता साक्षात मां लक्ष्मी का रूप मानी जाती हैं। नवरात्रि में रोजाना शाम को तुलसी के पास एक घी का दिया रखें। ऐसा करने से घर का वास्तु दोष दूर होता है।

रसोई मेंः रसोई में माता अन्नपूर्णा रहती हैं। ऐसे में नवरात्रि के दौरान रात के समय रसोई में एक जलाकर अवश्य रखें। ऐसा करने से घर में कभी अन्न-धन की कमी नहीं होती।

अलमारी या तिजोरी मेंः नवरात्रि में घर की अलमारी या तिजोरी जहां धन रखा हो, वहां एक दिया रखें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी और देवी दुर्गा की एक साथ कृपा मिलती है।

आंगन मेंः नवरात्रि के नौ दिनों तक आंगन में दिया अवश्य जलाएं। वास्तु के अनुसार, घर के बीचों-बीच दिया जलाने से घर में शांति रहती है।

नवरात्रि में 2 से 10 साल तक की कन्या की करते हैं पूजा

चैत्र नवरात्रि के समय में दुर्गा अष्टमी और महानवमी के दिन कन्या पूजा करते हैं। कन्या पूजा के समय आप 2 साल से लेकर 10 वर्ष तक की कन्याओं को आमंत्रित कर सकते हैं। कहा जाता है कि कन्याओं में देवी दुर्गा का स्वरूप होता है। 2 साल से लेकर 10 साल तक की कन्याओं को अलग-अलग देवी का स्वरूप माना जाता है। उनकी पूजा के अलग-अलग लाभ भी प्राप्त होते हैं। कन्या पूजा में 10 साल से बड़ी कन्याओं को शामिल नहीं करते हैं।

2-10 वर्ष की कन्या में कौन सी देवी, क्या होते हैं लाभ

यदि आप 2 वर्ष की कन्या की पूजा करते हैं, तो वे मां कुंआरी का स्वरूप होती हैं। उनकी कृपा से धन संकट दूर होता है। धन और वैभव प्राप्त होता है।

3 वर्ष की कन्या को देवी त्रिमूर्ति का स्वरूप कहा जाता है। जो व्यक्ति नवरात्रि में 3 साल की कन्या की पूजा करता है, जो उसका जीवन धन, धान्य और सकारात्मकता से भर जाता है

4 साल की बालिका को देवी कल्याणी का स्वरूप माना जाता है। इनकी पूजा करने से पूरे परिवार का कल्याण होता है। जीवन में सुख और शांति आती है।

5 वर्ष की कन्याओं को देवी रोहिणी का स्वरूप मानते हैं। यदि आप रोगी हैं या किसी कारण से अस्वस्थ रहते हैं तो नवरात्रि में इस उम्र की कन्याओं की पूजा करें, जल्द स्वास्थ्य लाभ होगा। इनकी पूजा से व्यक्ति आरोग्य का आशीर्वाद प्राप्त करता है।

6 साल की बालिकाओं को मां काली का स्वरूप माना जाता है। इनकी पूजा करने वाले को शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। माता काली शक्ति और विजय का प्रतीक हैं।

7 वर्ष की कन्याओं को मां चंडिका का स्वरूप मानते हैं। ये मां दुर्गा का उग्र स्वरूप हैं। जो इनकी पूजा करता है, उसके धन, ऐश्वर्य, शक्ति, विजय, सबकुछ की प्राप्ति होती है।

8 साल की लड़कियों को मां शांभवी का स्वरूप मानते हैं। इनकी पूजा करने से कोर्ट केस, वाद विवाद आदि में सफलता मिलती है।

9 वर्ष की कन्या की पूजा मां दुर्गा के स्वरूप में करते हैं। उनकी कृपा से व्यक्ति की सभी शुभ कामनाएं पूर्ण होती हैं।

10 साल की कन्याओं को देवी सुभद्रा के रूप में पूजा की जाती है। इस देवी के आशीर्वाद से भी व्यक्ति को सफलता, शक्ति, आरोग्य, मोक्ष सबकुछ प्राप्त होता है।

अब आप अपनी मनोकामनाओं के अनुरूप इस चैत्र नवरात्रि में कन्या पूजा के समय 2 से 10 वर्ष तक की कन्याओं की पूजा करके लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

मां का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता की पूजा

नवरात्र के पांचवें दिन दुर्गाजी के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा-अर्चना की जाती है। स्कंद शिव और पार्वती के दूसरे और षडानन (छह मुख वाले) पुत्र कार्तिकेय का एक नाम है। स्कंद की मां होने के कारण ही इनका नाम स्कंदमाता पड़ा।

माना जाता है कि मां दुर्गा का यह रूप अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करता है और उन्हें मोक्ष का मार्ग दिखाता है। मां के इस रूप की चार भुजाएं हैं। इन्होंने अपनी दाएं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद अर्थात कार्तिकेय को पकड़ा हुआ है। इसी तरफ वाली निचली भुजा के हाथ में कमल का फूल है। बाईं ओर की ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा है और नीचे दूसरा श्वेत कमल का फूल है। सिंह इनका वाहन है। यह सूर्यमंडल की

अधिष्ठात्री देवी हैं। इसलिए इनके चारों ओर सूर्य सदृश अलौकिक तेजोमय मंडल सा दिखाई देता है। सर्वदा कमल के आसन पर स्थित रहने के कारण इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। ऐसा विश्वास है कि इनकी कृपा से साधक के मन और मस्तिष्क में अपूर्व ज्ञान की उत्पत्ति होती है। माना जाता है कि कविकुल गुरु कालिदास ने इनकी ही कृपा से अस्ति, कश्चित और वाग्विशेष इन तीन शब्दों के माध्यम से कुमार संभव, मेघदूत और रघुवंश अपनी इन तीन कालजयी रचनाओं की रचना की।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 23 मार्च - 2026

इलाज की आड़ में आर्थिक लूट

स्वास्थ्य बीमा का मूल उद्देश्य तो यही था कि बीमाधारकों को बीमारी के कठिन समय में आर्थिक सुरक्षा देना है, लेकिन आज यह सुरक्षा कई मामलों में भ्रम साबित होती दिख रही है। अफसोसजनक है कि जिस भरोसे के साथ लोग निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों की योजनाओं से जुड़ते हैं, वही इलाज के समय दगा दे जाता है जो बडे संकट का कारण बनता है। बीमा कंपनियों द्वारा दावों को खारिज करना, नियमों की जटिल व्याख्या करना और भुगतान में कटौती जैसी प्रवृत्तियाँ अब अपवाद नहीं, बल्कि व्यापक समस्या का रूप ले चुकी हैं। निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच बढ़ती सांठगांठ ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। कई मामलों में मरीज को भर्ती कराने से लेकर इलाज के चयन तक ऐसे निर्णय लिए जाते हैं, जिनका उद्देश्य मरीज की भलाई से अधिक आर्थिक लाभ कमाना होता है। परिणामस्वरूप, मरीज और उसके परिजन स्वास्थ्य बीमा के बाद भी भारी आर्थिक बोझ के नीचे दब जाते हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक संकट का भी है, क्योंकि इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। राज्यसभा में उठी चिंता इस बात का संकेत है कि समस्या अब व्यक्तिगत अनुभवों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन चुकी है। बीमा कंपनियों द्वारा हर वर्ष बड़ी संख्या में दावों को अस्वीकार किया जाना इस बात की पुष्टि करता है कि नियमों की जटिलता और अस्पष्टता का फायदा उठाकर कंपनियाँ अपनी जिम्मेदारियों से बच रही हैं। आम नागरिक, जो बीमा की शर्तों को पूरी तरह समझ नहीं पाते, बाद में इन्हीं शर्तों के जाल में उलझ जाते हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति तब सामने आती है, जब अस्पताल इलाज के बाद भुगतान न होने की स्थिति में मरीज के शव तक देने से इनकार कर देते हैं। यह न केवल अमानवीय व्यवहार है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा के मूल उद्देश्य पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। ऐसे उदाहरण यह दर्शाते हैं कि स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र धीरे-धीरे संवेदनशील सेवा के बजाय एक कठोर व्यावसायिक व्यवस्था में बदलता जा रहा है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के आंकड़े भी इस संकट की गंभीरता को उजागर करते हैं। लाखों दावों का खारिज होना यह दर्शाता है कि बीमा कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्वास्थ्य बीमा का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा और यह केवल कागजी सुरक्षा बनकर रह जाएगा। सरकार की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जरूरी है कि बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच कराई जाए। साथ ही, मरीजों के हितों की रक्षा के लिए एक स्पष्ट और सख्त राष्ट्रीय मानक तय किए जाएं, ताकि किसी भी स्थिति में मरीज को अनुचित आर्थिक बोझ का सामना न करना पड़े। बीमा दावों के निपटारे की प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाना भी उतना ही जरूरी है। बता दें कि स्वास्थ्य सेवा कोई सामान्य व्यापार नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। यदि इसमें मुनाफे को प्राथमिकता दी जाएगी, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान समाज के कमजोर वर्ग को उठाना पड़ेगा। इसलिए अब समय आ गया है कि सरकार, नियामक संस्थाएँ और न्यायपालिका मिलकर ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिसमें मरीज का भरोसा सुरक्षित रहे और उसकी सेहत किसी भी कीमत पर सौदे का विषय न बने।

मौसम का विज्ञान: जो केवल बताता नहीं, जीवन बचाता है

आरके जैन

क्षितिज पर अचानक छा जाने वाला घना अंधकार, समुद्र की गर्जन करती लहरें और प्रकृति की अनिश्चित चाल—मौसम का यह स्वरूप केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि चेतावनी का संकेत भी है। 23 मार्च 2026 का विश्व मौसम दिवस इसी संकेत को समझकर उसे मानव सुरक्षा में बदलने का सशक्त संदेश देता है। इस वर्ष की थीम "आज का अवलोकन, कल की सुरक्षा" केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि आधुनिक विज्ञान की वह आधारशिला है जिस पर सुरक्षित भविष्य निर्मित होता है। आज पृथ्वी के हर कोने से एकत्रित होने वाला सूक्ष्म डेटा हमें संभावित खतरों से पहले ही सतर्क कर देता है। यही वजह है कि मौसम विज्ञान अब सिर्फ पूर्वानुमान की सीमा में नहीं, बल्कि जीवन रक्षा के एक प्रभावी और अनिवार्य साधन के रूप में स्थापित हो चुका है।

प्रकृति के रहस्यों को जानने की मानव जिज्ञासा ने ही विश्व मौसम दिवस की मजबूत नींव रखी। 23 मार्च 1950 को इसकी औपचारिक शुरुआत एक वैश्विक संगठन के रूप में हुई, जिसने दुनिया के देशों को एक साझा मंच पर जोड़ा। इसका उद्देश्य स्पष्ट और व्यापक था—मौसम, जलवायु और जल संसाधनों को बेहतर ढंग से समझने के लिए सहयोग और सूचनाओं का मुक्त आदान-प्रदान सुनिश्चित करना। समय के साथ यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन न रहकर एक प्रभावशाली जागरूकता अभियान बन गया, जो यह संदेश देता है कि प्रकृति को समझे बिना संतुलित विकास संभव नहीं। यह दिन उस ऐतिहासिक निर्णय की याद दिलाता है, जब विश्व ने मौसम विज्ञान को मानव कल्याण का आधार स्वीकार किया।

आज मौसम विज्ञान अत्याधुनिक तकनीकों से संचालित एक सशक्त और विस्तृत तंत्र बन चुका है। उपग्रहों की सतत निगरानी, रडार की सटीक प्रणाली, समुद्री उपकरणों की सक्रियता और स्वचालित मौसम केंद्र मिलकर पृथ्वी के हर हिस्से पर नजर रखते हैं। प्रतिदिन एकत्रित विशाल आंकड़ों का विश्लेषण सुपर कंप्यूटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से किया जाता है। इनसे तैयार पूर्वानुमान केवल मौसम की जानकारी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कृषि, परिवहन, उद्योग और आपदा प्रबंधन को भी स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं। यह तंत्र जितना जटिल है, उतना ही अनिवार्य भी, क्योंकि इसी के माध्यम से अनिश्चित परिस्थितियों को पहले से समझकर उनसे बचाव संभव होता है।

"आज का अवलोकन, कल की सुरक्षा" थीम इस पूरी व्यवस्था का मूल और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत करती है। आज किया गया हर मापन और हर अवलोकन भविष्य के संभावित संकटों को टालने का मजबूत आधार बनता है। किसी छोटे गांव में दर्ज तापमान या समुद्र से प्राप्त एक संकेत भी व्यापक प्रभाव डाल सकता है। यह थीम स्पष्ट रूप से बताती है कि अवलोकन केवल वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। जब किसान मौसम के संकेतों को समझता है या सामान्य नागरिक चेतावनियों पर ध्यान देता है, तब वह भी इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बन जाता है। यह थीम विज्ञान और समाज के बीच एक सशक्त और आवश्यक सेतु का निर्माण करती है।

समय पर चेतावनी ही वह शक्ति है, जिसने मौसम विज्ञान को जीवन रक्षक बना दिया है। प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली इस अवलोकन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम है। बीते दशकों में यह सिद्ध हो चुका है कि समय पर दी गई चेतावनी लाखों जानें बचा सकती है। पहले जहां प्राकृतिक आपदाएं अचानक विनाश लेकर आती थीं, वहीं अब उनके आने से पहले ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल जनहानि कम होती है, बल्कि आर्थिक नुकसान भी नियंत्रित रहता है। आधुनिक तकनीक और सटीक डेटा के कारण अब चक्रवात, बाढ़ और सूखे जैसी घटनाओं का पूर्वानुमान संभव हो गया है। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि सही समय पर सही जानकारी कितनी निर्णायक हो सकती है।

होर्मुज़: वैश्विक ऊर्जा- समुद्री व्यापार का अखाड़ा

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

फारस की खाड़ी और अरब सागर के बीच स्थित स्ट्रेट आफ होर्मुजआज विश्व राजनीति का सबसे संवेदनशील समुद्री बिन्दु बन चुका है। भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और भू-सामरिक दृष्टि से यह जलडमरूमध्य आधुनिक वैश्विक व्यवस्था का केन्द्रीय तन्त्रिकाबिन्दु है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर एशिया, यूरोप और अमेरिका तक पहुँचती है। प्रतिदिन लगभग 20–21 मिलियन बैरल तेल इस मार्ग से गुजरता है, इसलिए इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की "जीवनरेखा" कहा जाता है। ऐतिहासिक तौर पर होर्मुज का महत्त्व बहुत पुराना है। मुगल बदशाह बाबर की आत्मकथा 'बाबरनामा'में भी इसका उल्लेख मिलता है। बाबर ने लिखा है कि मध्य एशिया के फ़रगना क्षेत्र से बादाम और अन्य वस्तुएँ लम्बी दूरी तय करके होर्मुज के बन्दरगाह तक लाई जाती थीं और वहाँ से अन्तर्राराष्ट्रीय बाजारों में भेजी जाती थीं। इससे स्पष्ट होता है कि मध्यकाल में भी यह क्षेत्र मध्य एशिया, फारस और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच व्यापारिक सम्पर्क का महत्त्वपूर्ण केन्द्र था। आधुनिक इतिहास में भी इसका महत्त्व लगातार बढ़ता गया। 16वीं शताब्दी में पुर्तगाल ने 1515 में इस क्षेत्र पर कब्ज़ा किया ताकि समुद्री व्यापार मार्गों पर नियन्त्रण स्थापित किया जा सके, बाद में 1622 में ईरान के सफवीद साम्राज्य और अंग्रेज़ों की संयुक्त सेना ने पुर्तगालियों को यहाँ से हटाया। इसके बाद होर्मुज द्वीप और उत्तरी त्यात पर ईरान का नियन्त्रण हो गया और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक अन्तर्राष्ट्रीय जलडमरूमध्य बन गया। यद्यपि यह एक अन्तर्राष्ट्रीय जलडमरूमध्य तथापि वर्तमान समय में ईरान अपनी भू-राजनीति, भू-सामरिकी और ऐतिहासिक कारणों से इस पर अपना दावा करता है और मध्य पूर्व में उत्पन्न संकट के बीच वह इसकी पुष्टि भी कर रहा है।

मध्य पूर्व संकट को उत्पन्न हुएअब तीन सप्ताह से ज्यादा समय हो गया है इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है और तेल की कीमतों में तेज़ उछाल आया है। फरवरी 2026 के अन्त तक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग70 डॉलर प्रति बैरलथी, लेकिन होर्मुज़ जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने के कारण इसकी कीमत मार्च के मध्य तकलगभग102–104 डॉलर प्रति बैरलके बीच पहुँच गई है जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा हो गई है, कई देशों ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक स्रोतों तथा रणनीतिक तेल भंडार पर विचार करना शुरू कर दिया है।इस युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार पर पड़ा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कई जहाजों को चेतावनी दी कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य से न गुजरें। इसके कारण जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई और कई अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों ने अपनी सेवाएँ अस्थायी रूप से रोक दीं।अंतरराष्ट्रीय समुद्री एजेंसियों के अनुसार हजारों नाविकों के साथ बड़ी संख्या में जहाज इस क्षेत्र में फँस गए हैं, और कई कंपनियों ने सुरक्षा कारणों से अपने जहाजों को रोक दिया या मार्ग बदल दिया।

फिलहाल सैकड़ों जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर व्यापक प्रभाव पड़ा है।

भारत के सन्दर्भ में यह संकट विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि भारत अपने तेल आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से प्राप्त करता है। इस क्षेत्र में प्रारंभिक चरण में 36–38 जहाजों और लगभग 1100 नाविकों के प्रभावित होने की आशंका जताई गई थी लेकिन अभी भी 22 भारतीय जहाज और 611 भारतीय नाविकइस क्षेत्र में फसे हैं,इससे स्पष्ट है कि स्थिति धीरे-धीरे नियंत्रित हो रही है, किन्तु पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है।हालाँकि कूटनीतिक प्रयासों के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय एलपीजी टैंकर सुरक्षित रूप से इस मार्ग को पार कर पाए, जिससे तत्काल ऊर्जा आपूर्ति में आंशिक राहत मिली है।यह संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, जिसके समाधान हेतु भारत कूटनीति, वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों और रणनीतिक भंडार जैसे उपायों पर समानांतर रूप से कार्य कर रहा है चीन के सन्दर्भ में स्थिति कुछ अलग है। चीन ईरान का सबसे बड़ा तेल खरीदार है और कई रिपोर्टों के अनुसार युद्ध के बावजूद ईरान चीन को तेल की आपूर्ति जारी रखने का प्रयास कर रहा है। चीन अपनी "शैडो फ्लीट" यानी निजी और कम पहचान वाले टैंकरों के माध्यम से भी ईरानी तेल खरीदता रहा है। यही कारण है कि कई विश्लेषकों का मानना है कि ईरान चीन के जहाजों को पूरी तरह रोकने से बच रहा है क्योंकि चीन उसके लिए एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक साझेदार है।रूस के सन्दर्भ में भी स्थिति जटिल है। रूस स्वयं ऊर्जा निर्यातक देश है और वह पश्चिमी प्रतिबन्धों के कारण चीन और एशियाई बाजारों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहा है। ईरान और रूस दोनों पश्चिमी प्रतिबन्धों का सामना कर रहे हैं और दोनों के बीच ऊर्जा तथा सैन्य सहयोग बढ़ा है। इसलिए सम्भावना कम है कि ईरान रूस के तेल व्यापार को रोकने का प्रयास करेगा।

ऐसा इस वजह से भी मुमकिन नहीं है क्योंकि दोनों मुल्क सीधे तौर पर तो नही परन्तु तकनीकी रूप से उसकी मदद निःसन्देह कर रहे हैं शायद यही कारण है ईरान अमेरिकी बेसों पर सटीक हमले कर पा रहा। इस पूरे संकट में एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठ रहा है कि अमेरिका इस समुद्री मार्ग की पूरी तरह रक्षा क्यों नहीं कर पा रहा है। यह जानना बेहद महत्त्वपूर्ण है, इसके पीछे कई कारण हैंपहला कारण यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बहुत संकीर्ण है और यहाँ समुद्री माइन्स, मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बहुत अधिक है। दूसरा कारण यह है कि ईरान के पास तटीय रक्षा प्रणाली, तेज़ नौकाएँ और मिसाइल प्रणालियाँ हैं जो अमेरिकी नौसेना के लिए लगातार चुनौती पैदा करती हैं। तीसरा कारण यह है कि युद्ध के फैलने का खतरा पूरे खाड़ी क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है, इसलिए अमेरिका भी पूर्ण युद्ध से बचने की कोशिश कर रहा है।आर्थिक दृष्टि से इस युद्ध का प्रभाव बहुत व्यापक है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट आई है, तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है और कई देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। विश्लेषकों के अनुसार यदि यह संकट लम्बे समय तक जारी रहता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था मन्दी की ओर भी जा सकती है।

होर्मुज जलडमरूमध्य केवल एक समुद्री मार्ग नहीं है बल्कि यह वैश्विक शक्ति सन्तुलन का प्रतीक बन चुका है। मध्यकालीन व्यापारिक इतिहास से लेकर आधुनिक ऊर्जा राजनीति तक इसकी भूमिका लगातार बढ़ती रही है। आज जब ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच युद्ध इस क्षेत्र को अस्थिर बना रहा है, तब यह जलडमरूमध्य विश्व अर्थव्यवस्था और भू-राजनीति के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील बिन्दु बन गया है। आने वाले महीनों में यह संकट किस दिशा में जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सैन्य टकराव जारी रहता है या कूटनीति के माध्यम से कोई स्थायी समाधान निकलता हैलेकिन इतना निश्चित है कि जब तक होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थिरता नहीं लौटती, तब तक वैश्विक ऊर्जा बाजार और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार अनिश्चितता के दौर से गुजरते रहेंगे।

युद्ध से इंटरनेट सेवाओं पर संकट मंडराया

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश उर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं। इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता।

आज इंटरनेट पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता।

दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है।

लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे।

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया। इंटरनेट की दुनिया में आमूलचूल बदलाव तो टिम बर्नर्स ली द्वारा ड्ब्लूड्ब्लूड्ब्लू वर्ल्ड वाइड वेव विकसित किया तो इससे संचार दुनिया ही बदल गई। भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, ईमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है और इसीको लेकर चिंता की लकीरें खिंचने लगी है। वैसे आज संयुक्त राष्ट्र संघ तो बेमानी हो गया है। दुनिया के देशों के अलग अलग बने संगठन चाहे वे नाटो हो या ब्रिक्स या पिछले कुछ सालों के देश-दुनिया के हालातों में बेमानी हो गए हैं। वैश्विक हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कोई ना कोई ऐसी नियामक संस्था या कोई ना कोई इस तरह की बाध्यकारी व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए जिससे दुनिया के देशों और उनके नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं से छेड़छाड़ ना हो इस तरह की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।

किसी भी देश या संगठन को इस तरह की सार्वभौमिक सेवाओं को बाधित करने से रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। क्योंकि दुनिया के देशों में कौन कब सिरफिरा नेता अपने अहम् की शांति के लिए दुनिया को संकट में ड़ाल दे इसकी संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। आज ऊर्जा, पानी, स्वास्थ्य, डिजिटल दुनिया आदि आदि ऐसी सेवाएं है जिनके प्रभावित होने का असर समूची नहीं तो अधिकांश देशों पर पड़ता है और यह दुष्प्रभाव केवल देशों तक ही नहीं अपितु वहां निवास करने वाले करोड़ों नागरिकों पर सीधे सीधे पड़ता है। ऐसे में पूरी वैश्विक व्यवस्था को ही ठप्प करने वाले प्रयासों पर अंकुश या कारगर रोक लगाया जाना जरुरी हो जाता है। दो देशों के टकराव के चलते समूची दुनिया या दुनिया के अधिकांश देशों को संकट में नहीं ड़ाला जा सकता। दुनिया के देशों को इस दिशा में ठोस पहल करनी ही होगी।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत आज भी जिंदा है

योगेश कुमार गोयल

भारत के महान् वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भारत मां के वीर सपूतों भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सूपतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारियों राजगुरू और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान् क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं था। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगतसिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगतसिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरू का साथ दिया था। 24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरू छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरू का रूझान जीवन के शुरूआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरू के अभिन्न मित्र थे।

पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरू ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती, इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केन्द्रीय असेम्बली में बम फैंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 'पब्लिक सेफ्टी' और 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फैंकने के लिए 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 8 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फैंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर ढ़ंग से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फैंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फैंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था, 'आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।'

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकद्दमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई। इसी मामले को बाद में 'लाहौर षड्यंत्र केस' के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान् वीर सपूतों को फांसी दे दी गई।

फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे:- दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत, मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी। ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फैंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान् स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

ईरानी कबाब : 165 कलियों का दम

डॉ. सुरेश कुमार

'डॉन अंकल' की मेज़ पर आज दुनिया का सबसे ताज़ा और 'ऑर्गेनिक' मेन्यू परोसा गया है। इस बार डिश का नाम है-ईरानी कबाबः 165 कलियों का दम। अंकल बड़े सलीके वाले आदमी हैं। वे जब काँटा और छुरी हाथ में लेते हैं, तो उनके सफ़ेद कॉलर पर खून का एक भी धब्बा नहीं पड़ता, क्योंकि उन्होंने मानवाधिकारों का एक ऐसा 'डिटर्जेंट' ईजाद किया है जो लाल रंग को भी 'फ्रीडम ब्लू' में बदल देता है। अंकल का किचन सीधे व्हाइट हाउस की चिमनी से जुड़ा है, जहाँ से निकलने वाला धुआं ईरान की गलियों में लोरी बनकर नहीं, बल्कि मौत की सिसकारी बनकर उतरता है।

'डॉन अंकल' की मोहब्बत भी बड़ी निराली और कातिलाना है। वे पहले पाबंदियों की ज़हरीली ज़ंजीरों से बच्चों के दूध और दवाइयों के डिब्बे सील करते हैं, और जब कुपोषण या मिसाइल के छर्रों से कोई नन्हा फेफड़ा फूलना बंद कर देता है, तो वे बड़े 'अफ़सोस' के साथ अपनी डायरी में नया टारगेट लिखते हुए बुदबुदाते हैं-मिशन अकंप्लिश्डः लोकतंत्र की एक और पवित्र जीत! यह कत्लखाना बड़ा नफीस है साहब, यहाँ कसाई के हाथ में कोई मामूली खंजर नहीं, बल्कि 'शांति पुरस्कार' की चमचमाती ट्रॉली होती है। वे मासूमों की छोटी-छोटी लाशों को सीढ़ी बनाकर सत्ता के शिखर पर चढ़ते हैं और ऊपर पहुँचकर 'लिबर्टी' की वह मशाल जलाते हैं जिसकी आग में पूर्व की सभ्यताएं भस्म होती आई हैं। उन्हें फूलों को मसलकर अपना खास 'इम्पीरियल इत्र' बनाने का पुराना शौक़ है, और इस बार ईरान की मज़लूम मिट्टी ने उन्हें वह लाल इत्र भरपूर मात्रा में मुहैया कराया है। सच तो यह है कि अंकल अकेले आदमखोर नहीं हैं, असली आदमखोर तो हम हैं जो इस खूनी सर्कस की अगली कतार में बैठकर 'मानवीय मूल्यों' की तालियां बजा रहे हैं। अंकल को पूरा भरोसा है कि दुनिया की तथाकथित अदालत उनकी जेब में पड़े सिक्कों की खनक पर वफ़ादारी से नाचती है। वे जानते हैं कि जब 165 नन्हे कफ़न ईरान की कोख में दफन किए जा रहे होंगे, तब दुनिया के बड़े अखबारों के दफ्तरों में 'फ्रीडम ऑफ स्पीच' पर कोई भारी-भरकम और उबाऊ सेमिनार चल रहा होगा। अंकल का लोकतंत्र दरअसल उस सेल्समैन की तरह है जो श्मशान के बाहर खड़े होकर 'लंबी उम्र' का बीमा बेचता है। उन्हें पता है कि जब तक पूर्व में मातम का शोर रहेगा, पश्चिम के बारूद के कारखानों में दिवाली मनेगी। इन 165 बच्चियों की मौत पर अंकल ने जो शोक-संदेश जारी किया है, उसे पढ़कर यमराज भी अपनी नौकरी छोड़ने की सोच रहे होंगे कि इतना 'परफेक्शन' भला कोई इंसान कैसे ला सकता है? अंकल पहले आग लगाते हैं, फिर फायर ब्रिगेड का ठेका भी खुद ही लेते हैं और अंत में धुएँ की सड़ांध को 'आज़ादी की खुशबू' कहकर डकार मार जाते हैं। दुनिया का कानून भी अंकल की गोदी में बैठा वह पालतू कुत्ता है, जो सिर्फ उन पर भौंकता है जिन्हें अंकल 'हड्डी' नहीं डालना चाहते। गजब का सर्कस है, जहाँ शेर मर रहे हैं और रिंग मास्टर अपनी वाइन का गिलास घुमाते हुए 'अहिंसा' पर स्पीच दे रहा है। आखिरी बात ये कि अंकल की सफेद कमीज पर लगे ये लाल धब्बे कोई एक्सीडेंट नहीं, बल्कि उनका लेटेस्ट 'फैशन स्टेटमेंट' हैं। जब इन मासूमों की रूहें स्वर्ग के गेट पर अंकल का 'वीजा' चेक करेंगी, तब अंकल वहां भी मानवाधिकारों का कोई ऐसा क्लॉज निकाल लेंगे जिससे नर्क को भी 'डेमोक्रेटिक हेवन' घोषित कर दिया जाए। मंटो आज होते तो अपनी जेब से रुमाल नहीं, बल्कि एक बड़ा आईना निकालते और अंकल के सामने रखकर कहते—₹हुजूर, अपनी शक्ल मत देखिये, ये देखिये कि आपके पैरों के नीचे जो ईरान की चप्पलें दबी हैं, उनकी बदबू आपके महंगे परफ्यूम से ज्यादा तेज है।₹ असल में हम सब उस खूनी तमाशे के टिकट होल्डर हैं, जहाँ अंकल कसाई बनकर 'ईसा मसीह' जैसा दिखना चाहते हैं और हम 'ग्रेटर गुड' के नाम पर अपनी अक्ल को गिरवी रखकर तालियां पीट रहे हैं।

क्या सिर्फ एक सैलरी काफी नहीं?

युवाओं में बढ़ रहा है मल्टीपल इनकम का क्रेज, वर्क लाइफ बैलेंस कैसे करें?

साइड हसल यानी मुख्य नौकरी के साथ बिजनेस या फ्रीलांस करना नया नहीं है. लेकिन Gen Z जिस तरह से इसे अपना रही है, उससे करियर के पुराने मायने बदल गए हैं. इस पीढ़ी के लिए साइड हसल सिर्फ एक्सट्रा पैसा कमाने का जरिया नहीं है, बल्कि आर्थिक अनिश्चितता के दौर में खुद की खास पहचान बनाने की कोशिश है. कोरोना महामारी के बाद वर्कफोर्स में आए इन युवाओं ने छंटनी और कई बदलावों को करीब से देखा है. इसलिए वे केवल एक सैलरी पर निर्भर नहीं रहना चाहते.

युवा पीढ़ी अपनी जॉब को लेकर डरी हुई नहीं है, बल्कि सतर्क है. वह जानती है कि अगर नौकरी गई तो भी कमाई का दूसरा जरिया तैयार होना चाहिए. आज का युवा कंटेंट क्रिएशन, फ्रीलांसिंग या ई-कॉमर्स के जरिए आय के कई सोर्स बना रहा है. यह FIRE (फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस, रिटायर अर्ली) का सपने पूरा करने का जरिया भी है. हालांकि, दो प्रोफेशनल जिंदगियां एक साथ जीने के अपने रिस्क भी हैं.

साइड हसल क्यों कर रही है युवा पीढ़ी?

जेन जी ने एक ऐसे समय पर करियर शुरू किया है, जब स्टार्टअप्स का डूबना और बड़े पैमाने पर छंटनी आम बात हो गई है. ऐसे में एक ही नियोक्ता (Employer) पर पूरी तरह निर्भर रहना उन्हें करियर के लिहाज से जोखिम भरा लगता है. साइड हसल उनके लिए मजबूत ढाल की तरह है, जो उन्हें पैसे की तंगी से तो बचाता ही है, साथ ही उन्हें अपनी शर्तों पर जीने का भरोसा भी देता है.

आज की युवा पीढ़ी यानी जेन जी प्रोफेशनल्स केवल सैलरी के लिए काम नहीं करना चाहते. वे किसी ऐसे काम में समय इनवेस्ट करना चाहते हैं, जो उनकी वैल्यूज और क्रिएटिविटी से मेल खाए. अगर उनकी मुख्य नौकरी उन्हें यह संतुष्टि नहीं देती तो वे अपने शौक को ही साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग के जरिए पूरा करने लगते हैं. इससे उन्हें कहीं तो सुकून का अहसास होता है.

पुरानी पीढ़ियों से तुलना करें तो आज का युवा रिटायरमेंट को बुढ़ापे का लक्ष्य नहीं मानता. इसका मतलब है कि अब उम्र के 60वें पड़ाव पर रिटायरमेंट का दौर थम रहा है. आज की पीढ़ी FIRE- फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस, रिटायर अर्ली पर भरोसा करती है. इसी विचार ने उन्हें कम उम्र में संपत्ति बनाने के लिए मोटिवेट किया है. साइड हसल इस स्पीड को तेज करने का प्रभावी तरीका बन गया है.

बर्नआउट का खतराः प्रोडक्टिविटी की अंधी दौड़

सोशल मीडिया पर 'हमेशा काम करते रहने' के कल्चर को काफी बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है. जब एक साइड हसल दूसरी नौकरी की तरह भारी पड़ने लगता है तो तनाव का खतरा बढ़ जाता है. आज-कल के युवा (Gen Z) एक अजीब उलझन में फंसे हैं- वे जानते तो हैं कि आराम और मानसिक शांति जरूरी है, लेकिन सोशल मीडिया उन्हें हर वक्त कुछ न कुछ 'बड़ा' करने के लिए उकसाता रहता है.

कंपनियों का बदलता नजरियाः साइड हसल खतरा या अवसर?

शुरुआत में कंपनियां साइड हसल को ध्यान भटकने या हितों के टकराव के रूप में देखती थीं. लेकिन अब कई कंपनियां इसे पॉजिटिव रूप में देख रही हैं. साइड प्रोजेक्ट चलाने वाले एंप्लॉइज अक्सर मार्केटिंग, डिजिटल टूल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग जैसी स्किल्स में ज्यादा माहिर होते हैं, जिसका फायदा सीधे तौर पर कंपनी को भी मिलता है.

साइड हसल न तो पूरी तरह अच्छे हैं और न ही बुरे. इसकी सफलता इस पर निर्भर करती है कि आप अपनी सीमाएं कैसे तय करते हैं. साइड हसल के साथ भी वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना जरूरी है.

एआई ने छीन ली चेन्नई के टेक प्रोफेशनल की 13 साल पुरानी जॉब

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंस्ट्रीज में काम करने के के तरीके को बदल रहा है. इसका असर आईटी सेक्टर पर साफ तौर पर दिखने लगा है. जो काम पूरी तरह इंसान पर निर्भर थे, अब वे ऑटोमेटेड हो रहे हैं या मैन पावर की जरूरत कम हो रही है. जॉब मार्केट तेजी से हो रहे इन बदलाव के चलते कई प्रोफेशनल्स अपनी लंबे समय से चली आ रही जॉब सिक्योरिटी और स्किल्स की अहमियत के बारे में नए सिरे से सोचने लगे हैं.

हाल ही में रेडिट पर चेन्नई के एक यूजर ने बताया कि उनकी उनकी 13 साल पुरानी क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल की जॉब चली गई. 36 वर्षीय यूजर की ओर से शेयर की गई इस पोस्ट ने छंटनी, नई स्किल्स की जरूरतों और एआई बेस्ड काम के माहौल में खुद को ढालने के दबाव पर बड़ी बहस छेड़ दी है.

8.9 लाख सालाना है सैलरी

अपना वर्क हिस्ट्री डिटेल बताने से पहले उन्होंने QA के फील्ड में अपने एक्सपीरियंस और मौजूदा हालात का एक ओवरव्यू दिया. साथ ही चेन्नई में अपनी सैलरी के बारे में भी बताया. इस टेक प्रोफेशनल ने लिखा, मैं 36 साल का हूं. लगभग 13 साल से QA प्रोफेशनल के तौर पर काम कर रहा हूं. हम ज्यादातर मैनुअल टेस्टिंग करते थे. बैक एंड पर बेसिक काम करने के लिए SQL

का यूज करते थे. हालांकि अपने काम को समय पर पूरा करते थे, हर साल सैलरी बढ़ाने या अधिक सैलरी की डिमांड भी कभी नहीं की. चेन्नई में रहते हुए 8.9 LPA कमाता हूं.

इस टेक प्रोफेशनल ने आगे बताया कि निजी जिम्मेदारियों और परिवार से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से उनका कंपनी स्विच करना बहुत मुश्किल था. जिसका असर करियर में बदलाव पर पूरी तरह ध्यान नहीं दे सके. उन्होंने आगे कहा, " माता-पिता की सेहत और पत्नी से जुड़ी निजी दिक्कतों (अब हमारा सहमति से तलाका हो चुका है) की वजह से नौकरी बदलना एक बुरे सपने जैसा बन गया था. दूसरी वजह AI का बढ़ता चलन है. हम अपनी स्किल्स बेहतर बनाने की कोशिशें लगातार कर रहे थे, लेकिन इससे पहले हम खुद को साबित कर पाते, आज नौकरी छोड़ने का अल्टीमेटम मिल गया."

टेक प्रोफेशनल ने बताया कि कंपनी के साथ उनका लंबा सफर खत्म होने वाला है. 1 अप्रैल कंपनी में उनका आखिरी दिन होगा. उन्होंने इंटर्नल डिस्कशन के जरिए हालत सुलझाने की कोशिश की. मैनेजरों और एचआर से बात की. लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ.

नए सिरे से स्किल्स सीखने को तैयार

अपनी मौजूदा स्थिति बताने के बाद इस टेक प्रोफेशनल ने ऑनलाइन कम्युनिटी से कुछ काम1 की सलाह मांगी है. यह भी साफ़ किया कि वे अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों को पूरा करने के साथ-साथ, अपनी स्किल्स को नए सिरे से सीखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं.

यूजर्स ने दी सलाह

उनकी यह पोस्ट तेज़ी से लोगों की नज़र में आ गई, और दूसरे यूज़र्स ने उन्हें स्किल्स को बेहतर बनाने, नौकरी की तैयारी करने और नेटवर्किंग से जुड़ी कई काम की सलाहें दीं. एक यूज़र ने उन्हें ऑटोमेशन टूल्स और डेटा से जुड़े कामों की तरफ़ बढ़ने की सलाह दी, और इस बात पर ज़ोर दिया कि इंडस्ट्री में हो रहे बदलावों के साथ कदम मिलाकर चलना कितना ज़रूरी है.

उस यूज़र ने सुझाव दिया, "शायद आप कुछ एडवांस्ड टेस्टिंग टेक्निक्स और टूल्स, जैसे कि Automation, Selenium वगैरह में अपनी स्किल्स को और बेहतर बना सकते हैं. मुझे पक्का नहीं पता, क्योंकि मैं टेस्टिंग फ़ील्ड से नहीं हूँ. आप SQL डेटा एनालिस्ट बन सकते हैं या कोई ETL टूल सीख सकते हैं. ऐसे कोर्स में दाखिला लें, जहाँ आपको नौकरी दिलाने में भी मदद मिलती हो."

कक्षा 12वीं के बाद कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए बेस्ट हैं ये करियर ऑप्शन, फ्यूचर में होगी तगड़ी कमाई!

कॉमर्स स्ट्रीम से कक्षा 12वीं पास करने के बाद ज्यादातर छात्र यह सोचते हैं कि अब आगे कौन-सा कोर्स चुनें, जिससे उन्हें अच्छा करियर और बढ़िया सैलरी मिल सके. दरअसल, सही जानकारी न होने के कारण कई बार छात्र कंफ्यूजन में गलत फैसला ले लेते हैं. लेकिन अगर सही गाइडेंस मिले, तो कॉमर्स स्ट्रीम के छात्र भी डॉक्टर या इंजीनियर जितना ही सफल करियर बना सकते हैं. इसलिए आज हम आपको 10 ऐसे बेहतरीन करियर ऑप्शन के बारे में बताएंगे, जो 12वीं के बाद आपके लिए मोटी कमाई के शानदार रास्ता खोल सकते हैं.

बैचलर ऑफ कॉमर्स

कॉमर्स की फील्ड में बैचलर ऑफ कॉमर्स यानी B.Com सबसे बेसिक और लोकप्रिय कोर्स है. यह कोर्स 3 साल का होता है और इसमें अकाउंटिंग, फाइनेंस, टैक्सेशन और बिजनेस से जुड़े विषय पढ़ाए जाते हैं. यह कोर्स उन छात्रों के लिए सही है जो फाइनेंस और अकाउंट्स में मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं. इसके बाद आप M.Com, MBA या CA जैसे प्रोफेशनल कोर्स भी कर सकते हैं.

. चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण कोर्स माना जाता है. इसमें फाइनेंस, टैक्स, ऑडिट और अकाउंटिंग की गहराई से पढ़ाई होती है. इसमें कई लेवल होते हैं, जिन्हें पास करने में समय और मेहनत दोनों लगती हैं. लेकिन एक बार CA बनने के बाद आपको हाई सैलरी के साथ

बड़ी कंपनियों में काम करने का मौका मिलता है.

कंपनी सेक्रेटरी (CS)

कंपनी सेक्रेटरी (CS) के कोर्स में कंपनी से जुड़े कानून और नियम सिखाए जाते हैं. इसमें कंपनी लॉ, कॉरपोरेट गवर्नेंस और लीगल मामलों की जानकारी दी जाती है. इस कोर्स के बाद आप बड़ी कंपनियों में लीगल एडवाइजर या कंपनी सेक्रेटरी के रूप में काम कर सकते हैं.

कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (CMA)

CMA में कंपनी के खर्च को कंट्रोल करना और मुनाफा बढ़ाने की रणनीति बनाना सिखाया जाता है. यह कोर्स उन छात्रों के लिए अच्छा है, जिन्हें अकाउंट्स और बिजनेस स्ट्रैटेजी में रुचि है. इसमें भी अलग-अलग लेवल होते हैं और इसे पास करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है.

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एक मैनेजमेंट कोर्स है, जिसमें बिजनेस चलाने और मैनेज करने की स्किल सिखाई जाती है. इसमें मार्केटिंग, HR, फाइनेंस और ऑपरेशन जैसे विषय शामिल होते हैं. अगर आप आगे MBA करना चाहते हैं, तो BBA आपके लिए एक मजबूत बेस बन सकता है.

लॉ (LLB)

कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए लॉ भी एक शानदार करियर ऑप्शन है. आप 5 साल का इंटीग्रेटेड LLB कोर्स कर सकते हैं. इसमें कंपनी लॉ, टैक्स लॉ और अन्य कानूनी विषय पढ़ाए जाते हैं. इसके बाद आप वकील, जज या कॉरपोरेट लॉ एक्सपर्ट बन सकते हैं.

बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (BCA)

अगर आपको कंप्यूटर और टेक्नोलॉजी में रुचि है, तो BCA एक अच्छा विकल्प है. इसमें प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और IT स्किल सिखाई जाती हैं. इस कोर्स के बाद आप IT सेक्टर में नौकरी कर सकते हैं या MCA करके आगे पढ़ाई कर सकते हैं.

बैचलर ऑफ बैंकिंग एंड इंश्योरेंस

बैचलर ऑफ बैंकिंग एंड इंश्योरेंस कोर्स खासतौर पर बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर के लिए बनाया गया है. इसमें बैंकिंग सिस्टम, इंश्योरेंस पॉलिसी और फाइनेंस से जुड़े विषय पढ़ाए जाते हैं. यह कोर्स उन छात्रों के लिए सही है जो बैंकिंग सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं.

बैचलर ऑफ फाइनेंशियल मार्केट

बैचलर ऑफ फाइनेंशियल मार्केट कोर्स में शेयर मार्केट, इन्वेस्टमेंट और फाइनेंशियल प्लानिंग की जानकारी दी जाती है. अगर आपको शेयर बाजार और इन्वेस्टमेंट में रुचि है, तो यह कोर्स आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है.

बैचलर ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस

बैचलर ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस एक स्पेशलाइज्ड कोर्स है, जिसमें अकाउंटिंग और फाइनेंस पर ज्यादा फोकस किया जाता है. यह कोर्स उन छात्रों के लिए अच्छा है, जो आगे CA या CMA जैसे कोर्स करना चाहते हैं या फाइनेंस सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं

यूपी में 929 पदों पर नई भर्ती 21 अप्रैल से शुरू होगा पंजीकरण

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट स्टैटिस्टिकल ऑफिसर और असिस्टेंट रिसर्च ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 929 पद भरे जाएंगे।

आवेदन प्रक्रिया 21 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। उम्मीदवार 11 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भर सकते हैं और फीस जमा कर सकते हैं।

कुल 929 पदों पर नियुक्ति की जाएगी

योग्यता

इन पदों के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का UPSSSC द्वारा आयोजित PET 2025 परीक्षा में शामिल होना जरूरी है। केवल वही उम्मीदवार आगे की प्रक्रिया के लिए चुने जाएंगे जिनके पास वैध PET स्कोर होगा।

आयु सीमा

उम्मीदवार की उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। PET 2025 स्कोर के आधार पर शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार ही मुख्य परीक्षा में बैठ सकेंगे।

लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे और कुल 100 अंक की परीक्षा होगी।

आवेदन शुल्क

इस भर्ती के लिए सभी वर्गों के उम्मीदवारों को 25 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या UPI से किया जा सकता है।

ऐसे करें आवेदन

उम्मीदवारों को UPSSSC की आधिकारिक वेबसाइट upsssc.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया में PET विवरण से रजिस्ट्रेशन करना, फॉर्म भरना, जरूरी दस्तावेज अपलोड करना और फीस जमा करना शामिल है। आवेदन करने से पहले उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे पूरा नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ें और यह सुनिश्चित करें कि वे सभी पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं।

मानव सभ्यता का सबसे प्राचीन और पूर्ण ज्ञान है 'सनातन धर्म'

पुस्तक समीक्षा :

आज दुनिया भर में '९सनातन धर्म' को लेकर बहस छिड़ी हुई है। ऐसे में "सनातन धर्म : सभी प्रौद्योगिकी का सच्चा स्रोत" पुस्तक के माध्यम से युवा लेखक विवान कारुलकर ने सनातन धर्म को केवल 'धर्म' नहीं बल्कि जीवन पद्धति और सार्वभौमिक ज्ञान प्रणाली बताया है। पुस्तक के लेखक का दावा है कि 'सनातन धर्म' मानव सभ्यता का सबसे प्राचीन और पूर्ण ज्ञान है। सनातन धर्म = विज्ञान + दर्शन + जीवनशैली है। पुस्तक में वेदों को "ज्ञान का मूल स्रोत" बताया गया है। दावा किया गया है कि वेदों में गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा के सिद्धांत पहले से मौजूद थे। लेखक विवान कारुलकर ने अपनी पुस्तक में बताया है कि आधुनिक प्रौद्योगिकी केवल वेदों की नकल है। उनका दावा है कि आज के समय में दुनिया भर में उपयोग किए जाने विमान (विमान शास्त्र), ऊर्जा सिद्धांत, परमाणु जैसी अवधारणाएँ पहले से ग्रंथों में थीं। इनका उल्लेख वेदों में किया गया है। कुछ अवधारणाएँ (जैसे खगोल ज्ञान) वास्तव में

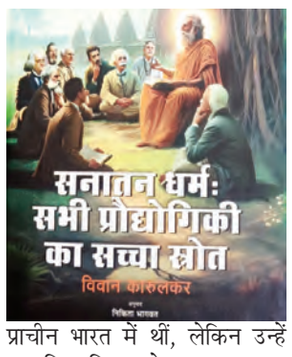

प्राचीन भारत में थीं, लेकिन उन्हें आधुनिक विज्ञान के बराबर मानना बहस का विषय है। आध्यात्म और तकनीक का संबंध के बारे में लेखक कहते है कि आध्यात्म सभी विज्ञानों की जड़ है। तकनीक को सही दिशा देने के लिए आध्यात्म आवश्यक बताया गया है। पुस्तक में आधुनिक समाज और सनातन ज्ञान को लेकर आज की पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश दिया गया है। पश्चिमी विज्ञान पर निर्भरता को कम करने की बात की गई है। लेखक ने कम उम्र में यह पुस्तक लिखकर सनातन विचारधारा को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है और भारतीय ज्ञान परंपरा को महत्व दिया है। यह पुस्तक भारतीय संस्कृति को नए नजरिये से देखने में मदद करेगी। यह पुस्त आज के युवा वर्ग, समाजिक नेतृत्वकर्ताओं के लिए काफी उपयोगी होगी। उन्हें यह समझने में कि 'सनातन धर्म केवल धार्मिक व्यवस्था नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान का आधार है, मददगार साबित होगी। यह पुस्तक समाज को एक नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगी। मेरी अंनत शुभकामनाएं।

लेखक परिचय

16 साल की उम्र में पहली पुस्तक 'सनातन धर्म : समस्त विज्ञान का वास्तविक स्त्रोत' लिखने वाले विवान करुलकर भारतीय विज्ञान और साहित्य के सहस्राब्दी के विलक्षण प्रतिभा के धनी हैं। भारतीय सेना ने विवान के योगदान को मान्यता दी और लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। विवान करुलकर ने 14 वर्ष की आयु में ही नास्तिक से वैज्ञानिक बनकर सुर्खियां बटोरीं, जब उन्होंने पृथ्वी के निकट की वस्तुओं (एनईओ) का पता लगाने की एक नई विधि के लिए सैद्धांतिक पेटेंट प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने उन्हें ऐसा करने वाला विश्व स्तर पर सबसे कम उम्र का व्यक्ति बना दिया। 16 वर्ष की आयु तक, विज्ञान और आध्यात्मिकता की दुनिया में उनकी यात्रा जारी रही और उन्होंने 'सनातन धर्मः विज्ञान का सच्चा स्रोत' नामक एक अभूतपूर्व पुस्तक लिखी। यह पुस्तक पश्चिमी वैज्ञानिक खोजों को चुनौती देती है, यह दावा करते हुए कि कई आधुनिक निष्कर्ष प्राचीन वैदिक ग्रंथों में पहले से ही प्रकट थे, और पश्चिम द्वारा कथित तौर पर 46 वैज्ञानिक अवधारणाओं की नकल की गई है। उनकी पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण अयोध्या स्थित राम चंपत राय द्वारा विमोचित किया गया। विवान की उपलब्धियां लेखन तक ही सीमित नहीं हैं, उनके कार्यों ने उन्हें कई महत्वपूर्ण सम्मान दिलाए हैं, जिनमें बकिंघम पैलेस द्वारा दिया गया रॉयल कॉइन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की प्रशंसा शामिल है, जिन्होंने उन्हें 10 डाउनिंग स्ट्रीट में आमंत्रित किया था। महज 17 वर्ष की आयु में विवान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद हॉल में अपनी पुस्तक का पुनः विमोचन किया, जिससे वे विज्ञान और आध्यात्मिकता दोनों क्षेत्रों में एक युवा दूरदर्शी के रूप में उभरे।

-अजय कुमार शुक्ल

सशस्त्र सीमा बल में 10वीं पास के लिए 827 पदों पर भर्ती, आज से आवेदन प्रक्रिया शुरू

सशस्त्र सीमा बल (SSB) ने कांस्टेबल ट्रेड्समैन और ड्राइवर पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत पूरे भारत में कुल 827 पद भरे जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 21 मार्च 2026 से शुरू होगी और उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट ssb.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

सरकारी नौकरियां

यह भर्ती उन उम्मीदवारों के लिए अच्छा मौका है जो भारत की अर्धसैनिक बलों में नौकरी करना चाहते हैं। आवेदन करने से पहले उम्मीदवारों को सभी पात्रता शर्तों को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए।

भर्ती का संक्षिप्त विवरण

इस भर्ती का विस्तृत नोटिफिकेशन 16 मार्च 2026 को जारी किया गया था। इसमें कुल 827 पदों की जानकारी दी गई है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

कुल पद 827

आवेदन की तारीख 21 मार्च से 20 अप्रैल 2026

चयनित उम्मीदवारों को पे लेवल-3 के अनुसार वेतन मिलेगा। शुरुआती सैलरी 21,700 रुपये से शुरू होकर 69,100 रुपये तक जा सकती है। इसके अलावा अन्य भत्ते भी दिए जाएंगे।

लिखित परीक्षा में 100 प्रश्न होंगे, जो कुल 100 अंकों के होंगे। परीक्षा की अवधि 120 मिनट होगी और इसमें निगेटिव मार्किंग भी होगी। प्रश्न सामान्य ज्ञान, रीजनिंग, गणित और भाषा से पूछे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन

उम्मीदवार नीचे दिए गए स्टेप्स को फॉलो करके आवेदन कर सकते हैं:

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट ssb.gov.in पर जाएं।

Constable Tradesman/Driver Apply लिंक पर क्लिक करें।

ईमेल और मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करें।

लॉगिन करके फॉर्म भरें।

जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा करें।

फॉर्म सबमिट करके उसका प्रिंट या डाउनलोड कर लें।

जान्हवी कपूर ने छोड़ा करण जौहर का साथ, प्रोड्यूसर ने तोड़ी चुप्पी; बोले- 'उनके लिए शुभकामनाएं'

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। एक्ट्रेस के इस फैसले पर करण जौहर ने क्या कहा, जानिए?

करण जौहर ने जान्हवी कपूर को लेकर क्या कहा?

करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती साउथ अभिनेता की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं। जानिए कौन हैं वह अभिनेता?

'कल्कि 2' के सेट की तस्वीरें

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की खुशी उन्होंने जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई

'पेद्दी' के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। 'सीता राम्म' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'मैं बहुत रोती थी', श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री? ट्रोलिंग को लेकर कही ये बात

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं।

इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

सुमा कनकवाला के 'चैट शो द रील फ्लेवर' में श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी।

मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है।

श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है।

पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

रणदीप हुड्डा ने दिखाई 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' की खास झलक, पत्नी लिन लैशराम ने की तारीफ; लिखा- 'उन्हें गर्व है'

रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' ने आज रविवार को रिलीज के पूरे 2 साल पूरे कर लिए हैं। यह फिल्म 22 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। आज रणदीप ने इस फिल्म का एक खास वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनकी इस फिल्म ने उनकी सभी सीमाओं की परीक्षा ली। रणदीप की पत्नी लिन

ने भी एक खास कमेंट कर अपनी राय पेश की है।

रणदीप ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के सेट से कुछ यादगार लम्हों को शेयर किया। यह वीडियो विनायक दामोदर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म के बारे में हैं। इसके साथ रणदीप ने कैप्शन में लिखा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बहुत मुश्किल था। उन्होंने अभिनय और निर्देशन दोनों किए थे। यह फिल्म उनकी हर सीमा को परखने वाली थी। उन्होंने लिखा, 'मैंने इसे जिया, इसका सामना किया और महसूस किया। यह सफर हमेशा याद रहेगा।'

लिन लैशराम का कमेंट

रणदीप की पत्नी लिन लैशराम ने इस वीडियो पर कमेंट किया। उन्होंने लिखा कि वह रणदीप को बदलते हुए देखती आई हैं, लेकिन यह प्रोजेक्ट उनके लिए सबसे कठिन था। उन्हें हैरानी है कि रणदीप ने इतना दबाव और जिम्मेदारी अकेले कैसे संभाली।' लिन ने आगे लिखा कि उन्हें रणदीप पर बहुत गर्व है।

फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के बारे में

'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' फिल्म में मुख्य भूमिका रणदीप हुड्डा ने निभाई है। रणदीप के अलावा इस फिल्म में अंकिता लोखंडे (यमुनाबाई सावरकर), अमित सियाल (गणेश दामोदर सावरकर), तीरथ मुरबादकर (सरस्वतीबाई), और बाकी कलाकार हैं। यह फिल्म सावरकर के बचपन से लेकर उनके जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों को दिखाती है।

मोहनलाल सुपरस्टार के साथ अपनी 100वीं फिल्म करेंगे प्रियदर्शन, उनके साथ अपनी डेब्यू फिल्म की थी

प्रियदर्शन ने बतौर निर्देशक 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' से डेब्यू किया था। अब प्रियदर्शन अपनी 100वीं फिल्म लेकर आ रहे हैं। अपनी 100वीं फिल्म में प्रियदर्शन उसी अभिनेता के साथ काम करेंगे, जिनके साथ उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म की थी। जानिए कौन हैं वह सुपरस्टार?

कौन होगा प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का हीरो

प्रियदर्शन और मोहनलाल की जोड़ी बहुत खास है, क्योंकि मोहनलाल ने प्रियदर्शन की पहली फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' में भी मुख्य भूमिका निभाई थी। अब उनकी 100वीं फिल्म में भी मोहनलाल हीरो होंगे।

किस पर आधारित होगी फिल्म

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म का नाम अभी नहीं तय हुआ है। यह कॉमेडी नहीं, बल्कि एक म्यूजिकल फिल्म हो सकती है। फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है। हो सकता ही कि इस फिल्म की शूटिंग 2026 में ही शुरू हो जाए। इस फिल्म को एंटनी पेरुंबावूर की कंपनी बनाएगी। बिनु जॉर्ज अलेक्जेंडर इसके सह-निर्माता हैं।

मोहनलाल ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म को लेकर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि यह पल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी लोगों का है जो इस सफर के गवाह बने। उन्होंने प्रियदर्शन को बधाई दी और कहा कि 100 फिल्में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि जुनून, लगन और सिनेमा के जादू की पूरी जिंदगी हैं। वह इस ऐतिहासिक फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

प्रियदर्शन की डेब्यू फिल्म 'पूचक्कोरु मूक्कुथी'

साल 1984 में 'पूचक्कोरु मूक्कुथी' नाम की कॉमेडी फिल्म से प्रियदर्शन ने निर्देशक के तौर पर डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में उन्होंने मोहनलाल को हीरो चुना था। उस दिन से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में दोनों का साथ शुरू हुआ, जो अब उनकी 100वीं फिल्म तक जा पहुंचा है।

क्या ममता कुलकर्णी ने छोड़ दी संन्यास की राह? गोवा में दिखा नया लुक; यूजर्स ने किया ट्रोल

90 के दशक की हिट एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने अचानक बॉलीवुड छोड़ दिया। पिछले साल वह संन्यास लेने के कारण चर्चा में आईं। हाल ही में उन्हें मॉर्डन कपड़ों में गोवा में देखा गया। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने ममता कुलकर्णी को जमकर ट्रोल किया।

साध्वी के वस्त्रों के बजाय पहनी मॉर्डन ड्रेस

संन्यास लेने के बाद ममता कुलकर्णी अक्सर साध्वी के वस्त्रों में नजर आती थीं। लेकिन अब उनके सोशल मीडिया पर कुछ नए वीडियो नजर आ रहे हैं, जिसमें वह मॉर्डन कपड़ों में नजर आ रही हैं। गोवा में अपने दोस्तों और परिवार के साथ एंज्वॉय कर रही हैं। यह देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें ट्रोल करने लगे।

सोशल मीडिया यूजर्स बोले- बदल गईं

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने ममता कुलकर्णी के नए लुक को देखकर ट्रोलिंग शुरू कर दी। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'उतर गया भूत संन्यासी जी।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'तुम तो संन्यासी बन गई थीं, अब फिर से हीरोइन बन गईं'। इसी तरह एक और सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'साध्वी जी आज तो आप अलग लुक में हो, क्या बात है।' इसी तरह कई यूजर्स ने ममता कुलकर्णी पर तंज कसा।

बता दें कि पिछले दिनों एक शो 'लाफ्टर शेफ' में भी ममता कुलकर्णी साड़ी पहनकर

पहुंची थीं तब भी कई लोग हैरान हुए थे। उस वक्त भी वह साध्वी वाले रूप से बिल्कुल दूर दिखीं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि ममता कुलकर्णी एक बार फिर से एक्टिंग की दुनिया में लौट आई हैं।

संन्यास लेने के समय भी विवादों में

ममता कुलकर्णी ने पिछले साल महाकुंभ में संन्यास लिया था, वह किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर भी बनीं। लेकिन बाद में विरोध के कारण अपने पद से हट गईं। इसके बाद उन्हें कई बार धार्मिक आयोजनों में देख गया, जहां वह साध्वी वेश में ही नजर आईं।

श्रुति हासन की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी? बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ को लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफ लॉन्ग डिटेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।।'

श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं।

अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपॉर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

इस साल कई फिल्मों में नजर आएंगी श्रुति हासन

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस साल वह फिल्म 'ट्रेन' और 'सालार 2' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'सालार 2' में वह प्रभास के अपोजिट दिखाई देंगी।

हनीमून पर थाईलैंड गए रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा देखें वायरल तस्वीर; फैंस बोले- 'किसी की नजर न लगे'

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने फरवरी 2026 में शादी की थी। इस समय दोनों थाईलैंड में हनीमून मना रहे हैं। उनके हनीमून की एक रोमांटिक तस्वीर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रही है।

विजय-रश्मिका की हनीमून की तस्वीर

न्यूली मैरिड कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की हनीमून की तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इन दिनों दोनों थाईलैंड में हैं। उनकी एक रोमांटिक तस्वीर फैंस का दिल जीत रही है, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाए हुए और आंखों में आंखें डालकर देखते नजर आ रहे हैं।

किस जगह हनीमून पर गए हैं रश्मिका विजय

हिंदुस्तान टाइम्स की एक खबर के मुताबिक, दोनों थाईलैंड के कोह समुई में एक प्राइवेट एयरबीएनबी विला में ठहरे हैं। उन्होंने लग्जरी रिसॉर्ट की बजाय शांत और निजी जगह चुनी है। इस तस्वीर में वह एक-दूजे को लगे लगाते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों कैजुअल कपड़े पहने हुए हैं।

फैंस के कमेंट्स

रश्मिका और विजय की इस हनीमून की तस्वीर पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं। कई फैंस ने लाल दिल वाला इमोजी और फायर इमोजी भी बनाया। कई फैंस ने कमेंट्स किए-'मिस्टर मिसेज देवरकोंडा'

'इस दिव्य जोड़ी को कभी किसी की नजर न लगे'

'ईश्वर इस खूबसूरत जोड़ी को असीम प्रेम और साथ से नवाजें'

'हमेशा के लिए हर बुरी नजर से बचाकर रखे'

'क्यूट जोड़ी'

'रणबाली' में नजर आएंगे विजय रश्मिका

विजय और रश्मिका जल्द ही निर्देशक राहुल सांकृत्यान की फिल्म 'रणबाली' में साथ नजर आएंगे। यह तेलुगु फिल्म 1854 से 1878 के बीच ब्रिटिश राज के समय की असली घटनाओं पर बनी है। इसमें इंटरनेशनल एक्टर अर्नोल्ड वोस्लू भी हैं। 'रणबाली' इस साल 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह शादी के बाद विजय-रश्मिका की पहली फिल्म साथ होगी।

तमन्ना भाटिया और शनाया कपूर की रैंप वॉक का जलवा, फैंस पर चलाया हुस्न का जादू

तमन्ना भाटिया ने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है, वह इन दिनों बहुत फिट नजर आती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने डिजाइनर भूमिका शर्मा के लिए रैंप वॉक की। वहीं शनाया कपूर डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के फैशन शो की शो स्टॉपर बनीं। दोनों एक्ट्रेस के लिए काफी चर्चा में रहे हैं।

हटकर रहा तमन्ना भाटिया का लुक

मुंबई के नामी फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने डिजाइनर भूमिका शर्मा की बनाई ड्रेस पहनकर रैंप वॉक की। उन्होंने एक गाउन पैटर्न ड्रेस पहनी थी। गहरे लाल रंग की इस ड्रेस पर सिल्वर कलर से फूलों और पत्तियों के डिजाइन बने थे, इस पर बारीक कढ़ाई भी की गई थी। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ग्रीन कलर वाली ज्वेलरी को टीमअप किया था।

शनाया कपूर ने पहनी कॉकटेल स्टाइल साड़ी

इस फैशन वीक में शनाया कपूर ने भी शिरकत की है। वह डिजाइनर रितिका मिराचंदानी के लिए शो स्टॉपर बनीं। शनाया कपूर ने कॉकटेल साड़ी पहनी थी। इस साड़ी पर खूबसूरत कारीगरी की गई थी। शनाया कपूर ने काफी कॉन्फिडेंस से रैंप वॉक की।

तीरंदाज बेटी मरी तो डाक्टर बेटे को खिलाड़ी बनाया

जब बेटा भी नहीं रहा तो 55 की उम्र में बेटी पैदाकर बनाया तीरंदाज

विजयवाडा, 22 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मेरी कहानी एक साधारण स्पोर्ट्स कोच की नहीं, उस पिता की है, जिसने अपने दोनों अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बच्चों को खो दिया... लेकिन खेल और सपने को मरने नहीं दिया। 2004 में नेशनल चैंपियन तीरंदाज बेटी वोल्गा एक सड़क हादसे में चली गई। अकादमी बंद हो गई। परिवार बिखरने लगा। उसके बाद बेटे लेनिन ने एमबीबीएस छोड़ धनुष उठा लिया- अपने लिए नहीं, मेरे और अपनी बहन के अधूरे सपने के लिए।

धीरे-धीरे वह इंटरनेशनल खिलाड़ी बना, कोच बना और अकादमी को फिर से खड़ा किया। लेकिन 2010 में, जिस दिन उसे राज्य सम्मान मिला, उसी दिन लौटते वक्त रास्ते में एक सड़क हादसे में उसकी भी मौत हो गई। बाद में, 55 साल की उम्र में मैं फिर पिता बना। बेटी शिवानी पैदा हुई। मैंने दो साल की उम्र में ही उसके हाथ में धनुष थमा दिया। आज वह भी इंटरनेशनल खिलाड़ी बन चुकी है। अब यही कहूंगा- 'मेरा बेटा लेनिन गया नहीं... वह शिवानी के रूप में जिंदा है।' मैं सत्यनारायण चेरूकुरी हूं। 'चेरूकुरी वोल्गा आर्चरी अकादमी' चलाता हूं। 1959 में आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के नंदीवाड़ा गांव में पैदा हुआ। हम कुल पांच भाई-बहन थे- दो भाई और तीन बहनें। वक्त के साथ सब छूटते चले गए... और अब मैं ही अकेला बचा हूं। उस वक्त हमारा इलाका हर साल बाढ़ से जूझता था। खेती पर निर्भर परिवार के लिए हालात आसान नहीं थे- हर साल कुछ न कुछ उजड़ जाता था।

इसी वजह से, 1964 में मेरी नानी के कहने पर पूरा परिवार विजयवाड़ा आ गया। यहां हालात थोड़ा संभले। नानी ने पिता को एक बैलगाड़ी दिला दी, जिससे उन्होंने सामान ढोने का काम शुरू किया। घर चलने लगा।

पिता सिर्फ किसान या मजदूर नहीं थे, उन्हें नाचने का भी शौक था। शायद वहीं से मेरे अंदर भी कला और खेल दोनों का बीज पड़ा। पिता चाहते थे कि मैं कुचिपुड़ी डांसर बनूं। उनके कहने पर मैंने बाकायदा डांस सीखना शुरू भी किया। इस समय तक आंध्र में डांस में भी मेरी एक पहचान बन चुकी थी। सब ठीक चल रहा था, लेकिन तभी शादी हो गई... और फिर धीरे-धीरे डांस छूट गया। जिंदगी ने जैसे उस मोड़ पर एक अलग दिशा पकड़ ली।

डांस छूटने के बाद मेरा झुकाव छात्र राजनीति की तरफ बढ़ा। उस दौर में मैं सीपीआई के छात्र संगठन एआईएसएफ यानी ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन से जुड़ा और संगठन के काम में लगातार सक्रिय रहा।

इसी सिलसिले में मुझे लंबे समय तक रूस में रहने का मौका मिला। रूस में सोच बदलने वाला दौर था। वहां मैंने लेनिन को पढ़ा और धीरे-धीरे उनसे प्रभावित होता चला गया। वहां अक्सर कहा जाता कि 'लेनिन' का मतलब लिखने वाला पेन होता है। उसी समय मन में एक बात बैठ गई- अगर कभी बेटा हुआ, तो उसका नाम लेनिन रखूंगा। कुछ साल बाद जब मैं वापस भारत लौटा, तो जिंदगी अपने सामान्य ढर्रे पर लौट आई। पहले मुझे बेटी पैदा हुई। उसका नाम मैंने वोल्गा रखा और उसके डेढ़ साल बाद बेटा हुआ। उसका नाम लेनिन रखा।

इधर, पार्टी के काम के सिलसिले में मेरा जंगलों और आदिवासी इलाकों में भी आना-जाना लगा रहता। कई बार वहां दिनों-दिन रुकना पड़ता। वहीं मैंने पहली बार तीरंदाजी को करीब से देखा। धीरे-धीरे मैंने भी तीर चलाना सीख लिया। जब घर लौटा, तो लगा कि जो सीखा है,

सत्यनारायण चेरूकुरी

शिवानी

उसे आगे बढ़ाना चाहिए। मैंने लेनिन को भी तीरंदाजी सिखाने की कोशिश की। लेकिन उस समय उसकी दिलचस्पी कुचिपुड़ी डांस में ज्यादा थी। वह उसी में मशगूल रहता था। हां, बीच-बीच में शौक के तौर पर तीर पकड़ लेता था।

1997 में मैंने छह बच्चों के साथ 'कृष्णा डिस्ट्रिक्ट आर्चरी अकादमी' शुरू की। लेनिन और वोल्गा- दोनों वहीं प्रैक्टिस करने लगे। हालांकि उस वक्त तक लेनिन ने तय नहीं किया था कि वह तीरंदाजी को करियर बनाएगा। वह डांस में भी उतना ही जुड़ा हुआ था। फिर 2000 में एक मोड़ आया। स्कूल गेम्स में लेनिन ने तीरंदाजी में नेशनल चैंपियनशिप जीत ली। यहीं से मैंने ठान लिया- अब इसे इसी में आगे बढ़ाना है। मैंने उस समय देश के जाने-माने कोच लिंबा राम और मंगल सिंह को अकादमी से जोड़ा। उनसे कहा- लेनिन को तैयार करना है।

ट्रेनिंग शुरू हुई। लेनिन ने भी खुद को पूरी तरह तीरंदाजी में झोंक दिया। 2003 तक वह यूनिवर्सिटी चैंपियन बन चुका था। नाम बनने लगा था। लेकिन घर के अंदर एक अलग ही बात चलती थी। मेरी बेटी वोल्गा चाहती थी कि उसका भाई डॉक्टर बने। वोल्गा को जो भी चाहिए होता वह मुझसे नहीं, सीधे लेनिन से कहती थी। उसे थम्स अप पीना बहुत पसंद था। लेनिन उसे मना करता, डांटता भी था... लेकिन फिर खुद ही जाकर लाता था। वोल्गा खुद भी पीछे नहीं थी। 2004 तक वह अंडर-14, 17 और 19 कैटेगरी में खेल चुकी थी। पांच बार गोल्ड मेडल जीत चुकी थी। तीरंदाजी में नेशनल चैंपियन थी। घर में एक तरफ मेरा सपना था- लेनिन तीरंदाजी में आगे बढ़े और दूसरी तरफ वोल्गा का सपना- भाई डॉक्टर बने।

लेकिन 29 नवंबर 2004 को सब कुछ अचानक रुक गया। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे का वक्त था। मैं और लेनिन स्टेडियम में थे। बच्चे प्रैक्टिस कर रहे थे। मैं उन्हें तीर पकड़ने का तरीका समझा रहा था। सब कुछ सामान्य था। तभी फोन आया। उधर से मेरी पत्नी की रोने की आवाज थी। उन्होंने बस इतना कहा- 'जल्दी घर आओ... वोल्गा...' आवाज साफ नहीं थी, लेकिन बात समझ आ गई- कुछ गंभीर हुआ है। मैंने लेनिन की तरफ देखा और कहा, 'चलो, घर चलते हैं।' हम तुरंत स्टेडियम से निकले। रास्ते भर मन में एक ही सवाल था- क्या हुआ होगा? घर के पास पहुंचे तो दिल बैठ गया। मैं भागते हुए अंदर गया। लेनिन पीछे था। अंदर देखा- वोल्गा जमीन पर पड़ी थी। कोई कुछ नहीं बोल रहा था। कुछ ही देर में साफ हो गया- वह नहीं रही। कॉलेज से स्कूटी पर लौट रही थी। घर से थोड़ी ही दूरी पर बस ने टक्कर मार दी। मौके पर ही मौत हो गई। वोल्गा के जाने के बाद कुछ समझ नहीं आ रहा था। अकादमी बंद कर दी। घर का माहौल पूरी तरह बदल गया। मेरी पत्नी वोल्गा को याद कर-करके रोतीं। मैं उन्हें संभालने की कोशिश करता, लेकिन खुद भी भीतर से टूट चुका था। इन सबके बीच भी लेनिन ने तीरंदाजी नहीं छोड़ी। कुछ दिन बाद उसका एमबीबीएस में एडमिशन हो गया। उसने पढ़ाई शुरू कर दी। लेकिन घर का सन्नाटा बना रहा। करीब दो साल तक हम पति-पत्नी घर से बाहर नहीं निकले। न किसी से मिलना, न बात करना। घर में पहले जो आवाजें थीं- हंसी, नोक-झोंक, सब खत्म हो गई। इसी बीच लेनिन ने एक दिन साफ कहा- 'पापा, मैं एमबीबीएस नहीं करूंगा। मैं तीरंदाजी करना चाहता हूं। हमें फिर से अकादमी शुरू करनी चाहिए।'

उस दिन वह हमें अकादमी ले गया। पहले दिन अकादमी पहुंचे तो सब सूना था। मैदान खाली पड़ा था। कुछ पुराने टारगेट धूल में पड़े थे। लेनिन ने खुद जाकर तीर-कमान उठाए। कुछ बच्चों को बुलाया, जो पहले यहां आते थे। धीरे-धीरे 4-5 बच्चे आ गए। अकादमी फिर चल पड़ी। धीरे-धीरे बच्चे बढ़ने लगे... और वह जगह फिर से जिंदा होने लगी।

अकादमी दोबारा शुरू हुई, तो लेनिन ने एक और फैसला लिया। उसने कहा- अब इसका नाम 'वोल्गा आर्चरी अकादमी' होगा। उसका तर्क साफ था- 'वोल्गा को दुनिया जानेगी। उसका नाम यहीं से जिंदा रहेगा।' और उसी नाम से अकादमी चलने लगी। इसके बाद लेनिन पूरी तरह इसमें जुट गया।

वह जानता था कि तीरंदाजी मेरे लिए सिर्फ खेल नहीं, जिंदगी है। शायद यह भी समझ गया था कि मैं अब अकेले इसे संभाल नहीं पाऊंगा। उसने कुचिपुड़ी डांस भी छोड़ दिया। धीरे-धीरे उसने अपने सारे रास्ते समेटकर एक ही दिशा चुन ली- तीरंदाजी की। 2005 तक हालात पूरी तरह बदल चुके थे। देश के अलग-अलग हिस्सों से बच्चे यहां आने लगे थे।

उधर, लेनिन खुद भी आगे बढ़ रहा था। केरल में उसने नेशनल चैंपियनशिप जीती। आंध्र प्रदेश के लिए गोल्ड मेडल लाया और फिर- उसका चयन इंडियन टीम में हो गया। अब वह सिर्फ कोच का बेटा नहीं, खुद एक उभरता हुआ इंटरनेशनल खिलाड़ी बन गया था। वह सिंगापुर गया, वहां ट्रेनिंग ली। वहीं के एक कोच ने मुझसे कहा था- 'लेनिन बहुत आगे जाएगा।' उस वक्त यह बात हौसला देती थी... और बाद में सच भी साबित हुई। 2010 तक आते-आते लेनिन एक जाना-माना खिलाड़ी था। उसी साल कॉमनवेल्थ गेम्स में हमारे अकादमी के खिलाड़ियों ने सिल्वर मेडल जीते। राज्य सरकार ने 23 सितंबर को हैदराबाद में उसे सम्मानित करने के लिए बुलाया। कार्यक्रम खत्म हुआ। बारिश तेज थी। हम कार से विजयवाड़ा लौट रहे थे। विजयवाड़ा में हजारों लोग उसके स्वागत के इंतजार में थे।

शाम करीब 4:40 बजे थे। विजयवाड़ा से कुछ दूरी पहले अचानक सामने एक ऑटो ने यू-टर्न लिया। लेनिन गाड़ी चला रहा था। उसने बचाने की कोशिश की, ब्रेक मारी... गाड़ी उछली... और कुछ सेकंड में सब खत्म हो गया। लेनिन दूर जा गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मैं भी घायल था। 24 साल का मेरा बेटा, जो देश के लिए खेल रहा था... नहीं रहा। उसने अपने छोटे से करियर में बहुत कुछ किया था। नेशनल चैंपियन रहा, इंडियन टीम का हिस्सा रहा। रेलवे में नौकरी मिली और सबसे अहम- अकादमी को खड़ा किया। मैंने उसी दिन तय किया- अकादमी बंद नहीं होगी। जिस दिन लेनिन की मौत हुई... उसी दिन मैं अकादमी गया। काम किया। शाम को बच्चे मेरे पास आए। बोले- 'सर, हम सब लेनिन हैं... आप अकेले नहीं हैं।' उनकी बात सुनकर लगा- शायद यही रास्ता है। उस दिन के बाद अकादमी एक दिन के लिए भी बंद नहीं हुई।

लेकिन लेनिन के जाने के बाद दोबारा हिम्मत मेरी पत्नी ने दी। उसने कहा कि अब घर में नहीं रहना है। पहले हम अकादमी से थोड़ा दूर रहते थे। लेनिन के जाने के बाद मैं और मेरी पत्नी अकादमी में ही शिफ्ट हो गए। हम यहीं रहने लगे। पत्नी ने कहा कि अकादमी के बच्चे अब हमारे बच्चे हैं। फिर वोल्गा और लेनिन दोनों के नाम की जायदाद मैंने अकादमी में लगा दी।

2012 में हमारे घर शिवानी पैदा हुई। शुरू से ही उसमें कुछ अलग था। मैं उसे देखता... तो बार-बार लेनिन याद आता। धीरे-धीरे यह एहसास और गहरा होता गया- उसके हाव-भाव, चलने का तरीका, खेलने का अंदाज... सब कुछ कहीं न कहीं लेनिन जैसा लगता।

दो साल की हुई, तो मैंने उसके हाथ में धनुष दे दिया। यह कोई तय फैसला नहीं था, बस यूं ही। उसने उसे पकड़ लिया... और फिर छोड़ना नहीं चाहा। वह इसी अकादमी में पली-बढ़ी। मैदान, टारगेट, तीर- यही सब उसके खिलौने थे। समय के साथ उसने अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी है। आज वह अंडर-9 तीरंदाजी में देश की चैंपियन है और अंडर-12 और अंडर-14 में विश्व चैंपियान तीरंदाज। अमेरिका और जर्मनी से लोग उस पर डॉक्युमेंट्री बनाने भी आए। अब वह आगे की तैयारी कर रही है। टारगेट है- ओलंपिक मेडल लाना। मैं अक्सर कहता हूं- मुझे शिवानी नहीं, उसमें लेनिन दिखाई देता है। मेरे दो बच्चे चले गए... लेकिन मेरे लिए लेनिन कहीं गया नहीं। वह हर दिन यहीं है- शिवानी की आदतों में, उसकी मेहनत में, उसके खेल में।

लेकिन इस वक्त मेरे साथ सदमा देने वाली बात हुई है। मेरी अकादमी से तैयार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कुछ कोच ने पैसे देकर खरीद लिया है। उन चैंपियन ने पैसे लेकर उन्हें अपना कोच बता दिया है, जबकि उनका कोच मेरा बेटा लेनिन था।

मैंने इस मामले को अदालत में चुनौती दी है। मेरा मन बहुत दुखी हुआ जब गुरु-शिष्य की परंपरा को तोड़कर कुछ लोग पैसों के लिए बिक गए। दुखी होता हूं जब वे इंटरव्यू में लेनिन की बजाय किसी और का नाम लिया जाता है।

छत्तीसगढ़ के खल्लारी मंदिर में टूटा रोपवे, 1 मौत, 16 घायल

20 फीट नीचे गिरी ट्रॉली, चट्टान से टकराई; नवरात्रि पर दर्शन के लिए पहुंचे थे

महासमुंद, 22 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रोपवे टूटने से 16 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक युवती की मौत हो गई। सभी रविवार (22 मार्च) को चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन माता के दर्शन करने आए थे। सुबह 10:30 बजे माता के दर्शन कर रोपवे से नीचे उतर रहे थे, तभी अचानक केबल टूट गया।

ट्रॉली में सवार श्रद्धालु 20 फीट की ऊंचाई से सीधे नीचे गिरे। ट्रॉली पहाड़ी की चट्टान से टकराई। हादसे में एक युवती की जान चली गई। घायलों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं।इनमें 4 की हालत गंभीर बनी हुई हैं।

जानकारी के मुताबिक, पहली ट्रॉली के नीचे गिरने से ऊपर जा रही दूसरी ट्रॉली का भी बैलेंस बिगड़ा। इसमें सवार लोग भी घायल है। घायलों में ज्यादातर रायपुर के रहने वाले हैं। महासमुंद कलेक्टर ने कहा है कि रोपवे का केबल कैसे टूटा ये जांच के बाद पता लग सकेगा। फिलहाल घायलों का इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु दर्शन करके रोपवे से लौट रहे थे। केबल टूटने के बाद ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं।

हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालु दहशत में आ गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

चैत्र नवरात्रि के कारण खल्लारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। स्थानीय लोगों ने रोप-वे के नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर इसका मेंटेनेंस किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था।

टॉप-10 मंदिरों के पास 9 लाख करोड़ की संपत्ति

तिरुपति बालाजी दुनिया का तीसरा सबसे अमीर धर्मस्थल; पद्मनाभमंदिर के पास सबसे ज्यादा खजाना

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत के टॉप 10 सबसे अमीर मंदिरों के पास 9 लाख करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। ग्लोबल वेल्थ इंडेक्स-2026 के मुताबिक तिरुपति बालाजी मंदिर 3.38 लाख करोड़ की चल-अचल संपत्ति के साथ दुनिया का तीसरा सबसे अमीर धर्मस्थल है।

इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड और वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक तिरुपति मंदिर की कुल संपत्ति साइप्रस, आइसलैंड, एस्टोनिया जैसे 100 छोटे देशों की GDP से भी ज्यादा है। यहां सामान्य और खास दिनों में औसतन 1 से 5 करोड़ तक का चढ़ावा आता है। इस साल 17 मार्च को एक ही दिन 4.88 करोड़ का चढ़ावा आया।

इसी तरह प्राचीन खजाने के मामले में केरल का पद्मनाभस्वामी मंदिर सबसे अमीर है। इसकी संपत्ति का 99% हिस्सा 'प्राचीन खजाने' के रूप में है, जिसमें सोने की मूर्तियां, सिक्के और हीरे शामिल हैं। इसका आज बाजार मूल्य 2 लाख करोड़ से ज्यादा है। इसे सरकार और सुप्रीम कोर्ट का संरक्षण है।

तिरुपति की संपत्ति 2 साल में 35% बढ़ी

टॉप-3 धर्मस्थलों की कुल संपत्ति मार्च 2024 के बाद

से अब तक काफी बढ़ी है। लेकिन इसकी बड़ी वजह सोना है। उस वक्त सोना 65 हजार प्रति 10 ग्राम के आसपास था। आज 1.50 लाख है।

इस तरह तिरुपति मंदिर की संपत्ति इन दो साल में 35%, पद्मनाभस्वामी की 100% तो जगन्नाथ पुरी मंदिर की करीब 50% बढ़ चुकी है। जबकि इन मंदिरों के नकद दान में कुल 10 से 12% की ही बढ़ोतरी हुई है। तिरुपति मंदिर की आय का एक बड़ा हिस्सा उन 11 टन से अधिक सोने के भंडार पर मिलने वाले ब्याज से आता है, जो देश के विभिन्न बैंकों में जमा है।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के पास 60 हजार एकड़ जमीन

डेटा के मुताबिक पुरी के जगन्नाथ मंदिर के पास 60 हजार एकड़ से ज्यादा जमीन है। ये जमीन ओडिशा के 30 में से 24 जिलों में है। 6 राज्यों में भी मंदिर की 395 एकड़ जमीन है। मंदिर में मौजूद खजाना, जमीन और अन्य चल-अचल संपत्तियों का मूल्य 1.2 लाख करोड़ तक है।

अयोध्या के राम मंदिर में रोज एक करोड़ रुपए

दो वर्षों में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्म भूमि मंदिर की तस्वीर तेजी से बदली है। मंदिर की आय का मुख्य स्रोत दान और बैंक डिपॉजिट पर मिलने वाला ब्याज है। मंदिर की अचल संपत्तियों में लगभग 70 एकड़ का मुख्य परिसर और उसके आसपास की अधिग्रहित भूमि है। साथ ही निर्माणाधीन मंदिर की भव्य संरचना (जिसकी निर्माण लागत ही 1,800 करोड़ से अधिक है), इसकी कुल संपत्ति को 6,000 करोड़ से 8,000 करोड़ के पार ले जाती है।

भारत को अस्थिर करने की साजिश?

बांग्लादेश में रोहिंग्याओं को हथियारों की सप्लाई

अमेरिका-तुर्की से जुड़ा कनेक्शन

ढाका, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्वोत्तर में बांग्लादेश और म्यांमार के बिगड़े हालात के कारण सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि चटगांव हिल ट्रैक्ट्स और बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी इलाकों में सुरक्षा संकट पैदा हो सकता है।

चटगांव हिल ट्रैक्ट्स बांग्लादेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित 13,184 वर्ग किमी का एक पहाड़ी क्षेत्र है, जिसमें रंगामाटी, खागराछड़ी और बंदरबन जिले शामिल हैं। ये इलाके पहले से ही अस्थिर रहे हैं, लेकिन रोहिंग्या शरणार्थियों की घुसपैठ और उन्हें हथियारों से लैस करने की रिपोर्ट ने हालात की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसका सीधा असर पूर्वोत्तर भारत की शांति और स्थिरता पर पड़ सकता है।

संडे गार्जियन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहिंग्या सशस्त्र समूहों को हथियारों से लैस किया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि इन्हें हथियार देने वाले ऐसे लोग हैं, जिनका बांग्लादेश की नई-नवेली सरकार में बहुत ज्यादा प्रभाव है। रिपोर्ट में बांग्लादेश के वर्तमान विदेश मंत्री डॉ खलीलुर रहमान का नाम लिया गया है, जो इससे पहले मोहम्मद यूनुस की सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। खलीलुर रहमान एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जो यूनुस सरकार में महत्वपूर्ण पद पर रहने के बावजूद तारिक रहमान के मंत्रिमंडल में मौजूद हैं। उन्हें पहले से ज्यादा शक्तिशाली मंत्रालय भी दिया गया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि खलीलुर रहमान के प्रति पहले मोहम्मद यूनुस और बाद में तारिक रहमान की दरियादिली के पीछे अमेरिका के साथ उनके संबंधों का हाथ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रणनीतिक और खुफिया समुदाय के कुछ वर्गों में यह राय है कि बांग्लादेश में हुए राजनीतिक परिवर्तन में बाहरी हस्तक्षेप के स्पष्ट संकेत मिलते हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में कार्यवाहक सरकार की स्थापना और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई शेख हसीना सरकार को हटाने के दौरान अमेरिका और उसके सहयोगी गुटों ने लगातार बड़ी भूमिका अदा की थी। रिपोर्ट में यह भी लिखा है कि इस संदर्भ में, खलीलुर रहमान को अंतरिम चरण के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखा जाता है, जिसका मुख्य कारण वाशिंगटन के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे।

इस बीच खुफिय इनपुट से संकेत मिले हैं कि चटगांव क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। यह इलाका पहले से ही जातीय तनाव, उग्रवादी गतिविधियों और हथियारों की तस्करी के गहरे नेटवर्क के लिए बदनाम है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि, कॉक्स बाजार-चटगांव मार्ग पर सक्रिय रोहिंग्या उग्रवादी समूहों को हथियारों की आपूर्ति किए जाने के मामले सामने आ रहे हैं। रोहिंग्या समूहों को हथियार सप्लाई करने का उद्देश्य म्यांमार की सेना (तातमाडॉ) और अराकान आर्मी, दोनों के खिलाफ हथियारबंद विद्रोह को तेज करना है। ऐसा माना जा रहा है कि तुर्की भी इस क्षेत्र की मुस्लिम आबादी के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये देने का ऐलान

अखिलेश यादव ने यूपी चुनाव को लेकर की बड़ी घोषणा

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक दलों की ओर से तमाम प्रकार की रणनीति तैयार की जा रही है। तमाम राजनीतिक दल वोट बैंक को अपनी तरफ लाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर सत्ता में वापसी के लिए जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के सहारे भारतीय जनता पार्टी को बैकफुट पर धकेलने के बाद अब यूपी चुनाव 2027 में भी वह अलग तैयारी करते दिख रहे हैं। ऐसे में उन्होंने आधी आबादी पर फोकस किया है। 40 हजार रुपये देने की घोषणा की है। इसे एक चुनावी घोषणा के तौर पर देखा जा रहा है।

नारी समृद्धि योजना का किया ऐलान

अखिलेश यादव ने लखनऊ में आयोजित महिला सम्मान कार्यक्रम के दौरान ऐलान किया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर नारी समृद्धि योजना शुरू की जाएगी। इसके तहत सालाना 40 हजार रुपये की राशि महिलाओं को दी जाएगी। दरअसल, अखिलेश यादव लगातार दो बार से सत्ता में विराजमान भाजपा से प्रदेश की गद्दी वापस पाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में वे तमाम वोट बैंक को जोड़ने के लिए प्रयास करते दिख रहे हैं। उन्होंने सरकार बनने की स्थिति में महिलाओं को लेकर कई प्रकार की घोषणाएं की हैं।

अखिलेश यादव ने अब महिला वोट बैंक पर निशाना साधा है। लखनऊ में आयोजित महिला सम्मान समारोह कार्यक्रम में उन्होंने बड़ी घोषणा की। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश की महिलाओं को 40 हजार रुपये सालाना दिया जाएगा। साथ ही, उन्होंने समाजवादी पेंशन योजना को एक बार फिर शुरू करने का भी ऐलान किया।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की महिला वोट बैंक के बीच कानून व्यवस्था का मसाला लगातार गरमाया रहा है। वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर तत्कालीन अखिलेश यादव सरकार को खूब घेरा था। महिला अपराध के मामलों को उठाए जाने के बाद इस वर्ग का समर्थन भाजपा की तरफ जाता दिखा। योगी सरकार ने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन कर महिलाओं के प्रति अपराध के मामलों में सख्त एक्शन के संकेत दिए। इसके बाद से लगातार कानून व्यवस्था की स्थिति को सुधारने के लिए योगी सरकार ने कठोर कदम उठाए हैं।

अमेरिका ने भारत-रूस को दिया झटका!

7 दिन में मुंबई से मॉस्को वाला 100 अरब डालर का प्लान खतरे में

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल ने ईरान के बंदर अंजाली पर मिसाइल हमला किया है। यह मुंबई से रूस के सेंट पीटर्सबर्ग को जोड़ने वाले 7,200 किमी लंबी इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का अहम ट्रांजिट हब है।

भारत और रूस ने इस कॉरिडोर के जरिए 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन जानकारों का कहना है कि ईरानी बंदरगाह पर मिसाइल हमले से भारत और रूस के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को झटका लग सकता है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर स्वेज नहर को बाइपास करता है और माना जा रहा है कि इससे एशिया और यूरोप के बीच ट्रेड में तेजी आएगी। इजरायल और अमेरिका ने कैस्पियन सागर के तट पर स्थित बंदर अंजाली पर 18 मार्च को मिसाइल हमला किया। इससे वहां कस्टम हाउस और दूसरे स्ट्रक्चर्स को नुकसान पहुंचा है।

मुंबई से मॉस्को 7 दिन में

मॉस्को यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट ऑफ एशिया, अफ्रीका स्टडीज के प्रोफेसर रेनात कारामुरजोव ने कहा कि स्वेज नहर को बाइपास करने वाले इस रूट से सुरक्षित माना गया था लेकिन इजरायली और अमेरिकी हमलों के कारण अब इंश्योरेंस और फ्रेट के रेट में तेजी आएगी।

इससे रूस और सीआईएस के दूसरे देशों पर नकारात्मक असर होगा। रूस के पॉलिटिकल एनालिस्ट सर्गेई स्ट्रोकन ने एक टीवी डिबेट में कहा, 'यह कॉरिडोर भारत के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए बहुत अहम है क्योंकि इसमें मॉस्को से मुंबई के बीच ट्रांजिट टाइम 25-30 दिन से घटकर महज 7 दिन रह जाता है।' रूस के डिप्टी पीएम विताली सेवलियेव ने कहा कि 2025 के अंत तक इस रूट से 7.5 मिलियन टन से अधिक कार्गो की आवाजाही हुई थी।

क्या है यह प्रोजेक्ट?

आईएनएसटीसी के तहत रूस एक ऐसी रेल लाइन बना रहा है जो रूस को सीधे ईरान के बंदरगाहों से जोड़गी। इससे मुंबई तक उसकी पहुंच आसान जाएगी। रूस ने इस प्रोजेक्ट के लिए ईरान को 1.4 अरब डॉलर का लोन देने पर सहमति जताई थी। इस रूट के जरिए सामान को सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई पहुंचने में महज 10 दिन का समय लगेगा। अभी इसमें 30 से 45 दिन का समय लगता है। कई शताब्दियों से रूस की इकॉनमी में यूरोप के साथ ट्रेड सबसे अहम था। लेकिन यूक्रेन युद्ध ने इस स्थिति को बदल दिया है। यूक्रेन युद्ध के बाद चीन और भारत के साथ रूस का व्यापार कई गुना बढ़ गया है। इस रेल लाइन से रूस की भारत और चीन तक पहुंच आसान हो जाएगी। दावा किया जा रहा है कि यह रेल लाइन आने वाले दिनों में स्वेज नहर से होने वाले ट्रेड को कड़ी टक्कर दे सकती है।नई रेल लाइन ईरान के दो शहरों अस्तारा और राश्त को जोड़ेगी। इससे ईरान उत्तर में अजरबैजान से जुड़ जाएगा और इस तरह रूसी रेलवे के ग्रिड तक इसकी पहुंच हो जाएगी।

खाड़ी देशों की कमी पूरा करेंगे लीबिया-अल्जीरिया

कितना है इन देशों के पास तेल और गैस का भंडार?

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से तेल और गैस की सप्लाई में काफी बाधा आई है। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण कच्चे तेल और गैस की कीमतों में भारी तेजी आई है। इसकी वजह यह है कि दुनिया की 20 फीसदी क्रूड और एक तिहाई गैस की सप्लाई इसी रास्ते से होती है।

साथ ही इस लड़ाई के कारण पश्चिम एशिया में एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी भारी नुकसान पहुंचा है। माना जा रहा है कि इसे रिपेयर करने में कई साल लग सकता है। इसके मद्देनजर दुनिया का ध्यान अब अफ्रीकी देशों पर है जो कुछ हद तक ऑयल और गैस की कमी को दूर कर सकते हैं। अफ्रीकी देशों खासकर अल्जीरिया और लीबिया तेल तथा गैस के प्रचुर भंडार हैं। लेकिन जानकारों का कहना है कि इन देशों में तेल का उत्पादन तत्काल बढ़ाने की गुंजाइश नहीं है। इसकी वजह यह है कि दोनों देशों को इसके लिए कई साल तक निवेश की जरूरत है। अल्जीरिया तेल का उत्पादन करने वाले देशों के संगठन ओपेक का मेंबर है और अफ्रीका में गैस का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। कतर से टैंकर के जरिए एलएनजी का एक्सपोर्ट होता है लेकिन अल्जीरिया मुख्य रूप से पाइपलाइन पर निर्भर है।अल्जीरिया इटली और स्पेन को पाइपलाइन के जरिए गैस भेजता है। ये पाइपलाइन जमीन और समुद्र के अंदर से गुजरती हैं। इनकी खूबी यह है कि ये ड्रोन और मिसाइल की पहुंच से दूर हैं। प्रोडक्शन बढ़ने के लिए अल्जीरिया को पूंजी और टेक्निकल विशेषज्ञता की जरूरत है। इसके लिए वह अमेरिका की कंपनियों शेवरॉन और एक्सनमोबिल के साथ बातचीत कर रहा है। अल्जीरिया के पास 4,500 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक ज्ञात भंडार है लेकिन उसकी गैस निकालने की सालाना क्षमता 100 बिलियन क्यूबिक मीटर है कतर हर साल 200 अरब क्यूबिक मीटर एलएनजी का उत्पादन करता है। लीबिया के बाद करीब 48.4 बिलियन बैरल कच्चे तेल का भंडार है जो अफ्रीका में सबसे ज्यादा है। यह देश अपना प्रोडक्शन बढ़ाकर खाड़ी देशों की कमी पूरी कर सकता है। लेकिन इस देश में पॉलिटिकल और सिक्योरिटी असुरक्षा सबसे बड़ी समस्या है।

50,000 लोगों को तनख्वाह नहीं दे पा रही अमेरिकी सरकार

एलन मस्क ने दिया सैलरी का ऑफर

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच अमेरिका में एक अजीब संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका की सरकार ट्रांसपोर्टेशन सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन के 50,000 कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है। ये लोग देश के एयरपोर्ट्स पर पैसेंजर्स और लगेज की स्क्रीनिंग करते हैं। इन लोगों को कई हफ्तों से सैलरी नहीं मिली है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस में डिपार्टमेंट ऑफ होम सिक्योरिटी के लिए फाइनेंस पर सहमति नहीं बन पाई।

शटडाउन के कारण वर्कर्स को सैलरी नहीं मिलने से कई लोग काम छोड़कर चले गए हैं। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने टीएसए के वर्कर्स को सैलरी देने की पेशकश की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अगर सोमवार तक कांग्रेस के डेमोक्रेट्स डिपार्टमेंट ऑफ होम सिक्योरिटी के फाइनेंस पर सहमति नहीं जताते हैं तो वह इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट के एजेंट को देश के एयरपोर्ट्स पर तैनात कर देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अपने बेहतरीन और देशभक्त आईस एजेंट्स को हवाई अड्डों पर तैनात करूंगा। वे ऐसी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे जैसी देश में पहले कभी नहीं देखी गई। इसमें हमारे देश में आए सभी अवैध प्रवासियों की तत्काल गिरफ्तारी भी शामिल है। इसमें विशेष जोर सोमालिया से आए लोगों पर होगा।' सैलरी नहीं मिलने के कारए टीएसए के वर्कर्स परेशान हैं। अटलांटा, न्यूयॉर्क और ह्यूस्टन में वर्कर्स की अनुपस्थिति में करीब 20 फीसदी तेजी आई है। कई दूसरे एयरपोर्ट्स पर इससे भी बुरा हाल है। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि सैकड़ों अधिकारियों ने दौरान नौकरी छोड़ दी है जिससे दूसरे लोगों पर दबाव और बढ़ गया है। इस बीच मस्क ने टीएसए के वर्कर्स को सैलरी देने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं इस फंडिंग संकट के दौरान टीएसए के अधिकारियों को सैलरी देने की पेशकश करना चाहूंगा। इस संकट के कारण पूरे देश के हवाई अड्डों पर अमेरिकी लोगों को परेशानी हो रही है।

एचडीएफसी बैंक को भारी पड़ा एक इस्तीफा

56,124 करोड़ हो गए स्वाहा, कौन रहा फायदे में?

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इस कारण पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में काफी उथलपुथल रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के मार्केट कैप में बीते सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 56,124.48 करोड़ रुपये घटकर 12,01,267.28 करोड़ रुपये रह गया।

डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार, बिटकॉइन 68,000 से नीचे लुढ़की

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से क्रिप्टो मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है और ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू हो गई। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज की खाड़ी को नहीं खोला तो अमेरिका उसके पावर प्लांट तबाह कर देगा। इससे पश्चिम एशिया में 23 दिन से चल रहे युद्ध को और भीषण होने की आशंका बढ़ गई है और दुनियाभर में निवेशकों के हाथपांव फूल गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत 68,000 डॉलर से नीचे आ गई और पूरे क्रिप्टो मार्केट में भूचाल आ गया। ट्रंप ने महज 24 घंटे में ईरान मामले में यू-टर्न लिया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह ईरान में लड़ाई खत्म करने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन उनके आज के बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है। इससे पूरी दुनिया में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्रंप के बयान के महज 60 मिनट के भीतर 240 मिलियन डॉलर की लेवर्ड क्रिप्टो पोजीशन लिक्विडेट हो गई। इससे बिटकॉइन $68,000 से नीचे आ गई।

क्यों गिर रही है बिटकॉइन?

इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 18 मार्च को बिटकॉइन $76,000 के ऊपर चली गई थी जो उसका छह हफ्ते का हाई लेवल था। मगर पिछले तीन दिन से इसमें गिरावट आई है। बिटकॉइन और क्रिप्टो मार्केट तेल की बढ़ती कीमत और पश्चिम एशिया में बढ़ रहे संकट का असर दिख रहा है। माना जा रहा है कि अगर ईरान युद्ध जल्दी समाप्त नहीं हुआ तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

उदय कोटक, राधाकिशन दमानी और झुनझुनवाला ट्रस्ट ने इस कंपनी में खरीदी हिस्सेदारी, कोटक महिंद्रा ने बेची

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर बैंकर उदय कोटक ने इनफिना फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। उन्होंने अपने फैमिली ट्रस्ट केएफ ट्रस्ट के जरिए कंपनी में 8.99 फीसदी हिस्सेदारी 375.35 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह ट्रांजैक्शन एक बड़ी डील का हिस्सा है। इसके तहत कोटक महिंद्रा बैंक की पूर्ण सब्सिडियरी कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी ने इनफिना फाइनेंस में कुल 30.99 फीसदी हिस्सेदारी 1,293.91 करोड़ रुपये में बेची है।

अन्य खरीदारों में अरबपति निवेशक राधाकिशन दमानी से जुड़ी कंपनियां डेराइव ट्रेडिंग एंड रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। इन कंपनियों ने इनफिना फाइनेंस में कुल 9.90 फीसदी हिस्सेदारी 413.35 करोड़ रुपये में खरीदी है। इसके अलावा दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला से जुड़े ट्रस्ट्स ने 12.10 फीसदी हिस्सेदारी 505.20 करोड़ रुपये में खरीदी है।

इनफिना फाइनेंस ने साफ किया है कि डेराइव ट्रेडिंग, ब्राइट स्टार इनवेस्टमेंट्स और झुनझुनवाला के ट्रस्टों से जुड़ा ट्रांजैक्शन रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की कैटगरी में नहीं आता है। लेकिन केएफ ट्रस्ट को की गई बिक्री को रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन के तौर पर क्लासीफाई किया गया है।

इस ट्रस्ट के लाभार्थी बैंक के प्रमोटर ग्रुप का हिस्सा हैं। 31 मार्च, 2025 को कोटक महिंद्रा ग्रुप की इनफिना फाइनेंस में 49.99 फीसदी हिस्सेदारी थी। हालिया ट्रांजैक्शन के बाद उसकी होल्डिंग घटकर 19 फीसदी रह जाएगी। इसके साथ ही यह कोटक महिंद्रा बैंक की एसोसिएट नहीं रह जाएगी। 31 मार्च, 2025 को खत्म फाइनेंशियल ईयर में इनफिना फाइनेंस का टर्नओवर 532.66 करोड़ रुपये और नेटवर्थ 2,727.99 करोड़ रुपये थी। दिसंबर तिमाही में इसका नेट प्रॉफिट 42 करोड़ रुपये था जो एक साल पहले 49 करोड़ रुपये था।21 मार्च को साइन हुई डील के 31 मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे कोटक महिंद्रा बैंक की मार्च तिमाही की कमाई में उछाल आ सकती है। इनफिना फाइनेंस लेंडिंग अगेंस्ट सिक्योरिटीज और प्रॉपर्टी, कमर्शियल रियल एस्टेट फाइनेंसिंग और इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन जैसी वित्तीय सेवाएं देती है।

ईरान युद्ध के बीच महंगा होने वाला है हवाई सफर

सरकार ने घरेलू किराये पर लगी सीमा हटाई

नई दिल्ली,22 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के बीच देश में हवाई सफर महंगा होने वाला है। सरकार ने घरेलू हवाई किरायों पर लगाई गई अस्थायी सीमा को 23 मार्च से हटाने का फैसला किया है। पिछले साल दिसंबर में इंडिगो की उड़ानों में आई बाधाओं के मद्देनजर इस सीमा को लगाया गया था। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण विभिन्न एयरलाइन को अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस कंपनियों ने हाल में फ्यूल सरचार्ज भी लगाया है। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, हवाई किराए पर लगी सीमा को 23 मार्च से हटा दिया जाएगा। पिछले साल इंडिगो संकट के कारण हवाई किराये पर 18,000 रुपये की सीमा लगा दी गई थी। इसमें यूडीएफ, पैसेंजर सिक्योरिटी फीस और टैक्स शामिल नहीं है। इस आदेश में मंत्रालय ने यह भी कहा कि एयरलाइन को मूल्य निर्धारण में अनुशासन बनाए रखना और जिम्मेदारी से काम करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है, 'एयरलाइन यह सुनिश्चित करेंगी कि किराया उचित, पारदर्शी और बाजार की स्थितियों के अनुरूप बना रहे और यात्रियों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।'मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि किराए में अत्यधिक या अनुचित वृद्धि के किसी भी मामले और व्यवधान को गंभीरता से लिया जाएगा। मंत्रालय वास्तविक समय के आधार पर हवाई किराये की निगरानी कर रहा है। आदेश के अनुसार, इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधानों के कारण टिकटों की कीमतों में असामान्य वृद्धि को रोकने के लिए छह दिसंबर को घरेलू हवाई किरायों पर अस्थायी सीमाएं लगाई गई थीं। मंत्रालय का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो जनहित में हवाई किराये पर फिर से सीमा लगाई जा सकती है।

1 अप्रैल से बदल जाएंगे पैन कार्ड के नियम

अब सिर्फ आधार से नहीं होगा काम; जानें डिटेल्स

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पैन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में जल्द ही कुछ अहम बदलाव लागू होने वाले हैं. जिसका सीधा असर नए पैन कार्ड बनवाने वाले आवेदकों पर पड़ने वाला है. ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे.इसलिए अगर आप आने वाले समय में पैन कार्ड के लिए आवेदन करने की सोच रहे हैं, तो पहले इन बदलावों की जानकारी लेना जरूरी है. ताकि आगे आपको किसी तरह की परेशानी न हो. आइए जानते हैं, इन बदलावों के बारे में...

नियमों में ये होने वाले है बदलाव

अभी तक 31 मार्च 2026 तक पैन कार्ड के लिए आवेदन करना काफी आसान है, जहां केवल आधार कार्ड के जरिए भी काम हो जाता है. ज्यादा डॉक्यूमेंट देने की जरूरत नहीं पड़ती. लेकिन 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया थोड़ी सख्त होने जा रही है. नए नियम लागू होने के बाद सिर्फ आधार के बेसिस पर पैन कार्ड बनवाना संभव नहीं होगा. बल्कि आवेदकों को अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने होंगे और पूरी प्रक्रिया पहले के मुकाबले ज्याद लंबी हो सकती है. जिससे पैन कार्ड बनवाना पहले से ज्यादा कठिन हो जाएगा. नए नियम लागू होने के बाद पैन कार्ड के लिए आवेदन करते समय केवल आधार कार्ड पर्याप्त नहीं रहने वाला है. आवेदकों को पहचान व जन्म से जुड़े अतिरिक्त दस्तावेज देने पड़ सकते हैं. इसमें जन्म प्रमाण पत्र, वोटर आईडी, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, 10वीं का सर्टिफिकेट या अन्य सरकारी दस्तावेज शामिल हो सकते हैं. जिससे पैन कार्ड पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित हो जाएगी.

60-65% तक घटी गैस सप्लाई, बज गई इन प्लांटों में खतरे की घंटी

भारत पर मंडराता एक और बड़ा संकट

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात भारत को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाने लगे हैं। होर्मुज स्ट्रेट से गैस सप्लाई में रुकावट बड़ी चिंता का सबब बन गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से रविवार को बताया कि ईंधन की उपलब्धता कम होने से भारत के यूरिया प्लांटों ने अपना उत्पादन लगभग आधा कर दिया है। इन प्लांटों में गैस सप्लाई 60-65 फीसदी तक घट गई है। यह स्थिति बहुत खतरनाक है। इससे कृषि सेक्टर प्रभावित हो सकता है। दुनिया में भारत यूरिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कार्गो में रुकावट आई है। इसके बाद अपस्ट्रीम सप्लायरों ने 'फोर्स मेज्योर' (अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण अनुबंध से छूट) का सहारा लिया। इसके चलते पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड को भी अपने रिसीविंग टर्मिनल पर ऐसा ही करना पड़ा।

इसका असर तेजी से पूरी सप्लाई चेन पर पड़ा। गेल (इंडिया), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने रासगैस अनुबंधों के तहत काम करने वाली फर्टिलाइजर यूनिटों को गैस सप्लाई कम कर दी। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने बताया, 'गैस की सप्लाई को सामान्य स्तर के मुकाबले लगभग 60-65 फीसदी तक कम कर दिया गया है।' उन्होंने आगे कहा कि जब प्लांट पिछले छह महीनों में निर्धारित रखरखाव (टर्नअराउंड) के समय को भी हिसाब में लेते हैं तो कुछ यूनिटों में प्रभावी सप्लाई 50 फीसदी से भी नीचे गिर जाती है।

यूरिया उत्पादन 50% तक घटा

ईंधन की उपलब्धता कम होने के कारण प्लांटों ने यूरिया का उत्पादन लगभग 50 फीसदी तक घटा दिया है। साथ ही, वे कम उत्पादन करने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च कर रहे हैं। इसकी वजह बड़े अमोनिया-यूरिया प्लांट हैं। ये जब अपनी ऑप्टिमल कैपेसिटी से कम पर चलते हैं तो उनकी एफिशिएंसी कम हो जाती है। एक प्लांट ऑपरेशंस मैनेजर के हवाले से बताया गया, 'इस पैमाने के प्लांटों को अपनी मर्जी से उत्पादन बढ़ाने या घटाने के लिए डिजाइन नहीं किया जाता है। इन परिस्थितियों में काम करने का मतलब है कि आप कम उर्वरक बनाने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन	मे	मीन	05-56 बजे
चंद्र	वृष	मे	मेष	07-32 बजे
मंगल	कुंभ	मे	वृष	09-16 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन	11-17 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क	13-29 बजे
शुक्र	मीन	मे	सिंह	15-41 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या	17-48 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला	19-53 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक	22-03 बजे
			धनु	00-16 बजे
			मकर	02-23 बजे
			कुंभ	04-13 बजे

श्री रौद्र श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **06-21**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -24**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष सोमवार **23 March 2026**
तिथि - पंचमी **18-37** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - कृत्तिका **20-48** रात्री तक उप रोहिणी
योग - विष्कुंभ **12-21** तक उप प्रीति
करण - बव **07-56** तक उप बालव

श्री पंचमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-50 से 09-21 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
अमृत	06-21 - 07-50 शुभ	चंचल	18-24 - 19-55 शुभ
काल	07-50 - 09-21 अशुभ	रोग	19-55 - 21-24 अशुभ
शुभ	09-21 - 10-52 शुभ	काल	21-24 - 22-53 अशुभ
रोग	10-52 - 12-23 अशुभ	लाभ	22-53 - 00-22 शुभ
उत्पात	12-23 - 13-54 अशुभ	उत्पात	00-22 - 01-51 अशुभ
चंचल	13-54 - 15-25 शुभ	शुभ	01-51 - 03-20 शुभ
लाभ	15-25 - 16-56 शुभ	अमृत	03-20 - 04-49 शुभ
अमृत	16-56 - 18-24 शुभ	चंचल	04-49 - 06-21 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं ।उन्हें पहचानने की कोशिश करें ।आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नहीं कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवश्यकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खींचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जर्जर विद्यालयों के पुनर्निर्माण को मिली 300 करोड़ रुपए की मंजूरी

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में जर्जर हो चुके विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 300 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से राज्य के हजारों विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है और इसे शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। जर्जर विद्यालय भवन न केवल विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में भी बाधा उत्पन्न कर रहे थे। अब इस वित्तीय स्वीकृति के बाद इन भवनों का पुनर्निर्माण तेजी से किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाएं मिल सकेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा के समग्र विकास पर ध्यान देना है। स्मार्ट क्लास, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, खेल मैदान और डिजिटल संसाधनों जैसी सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और शिक्षा का स्तर बेहतर होगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इस योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में चिन्हित जर्जर विद्यालयों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को समान रूप से लाभ मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत शैक्षणिक आधारभूत संरचना न केवल विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि उनके सीखने के वातावरण को भी प्रेरणादायक बनाती है। इस पहल से प्रदेश में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार देखने को मिलेगा और ड्रॉपआउट दर में भी कमी आएगी।

राज्य सरकार ने जर्जर स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 12 हजार करोड़ रुपये की योजना तैयार की है। इस पांच वर्षीय योजना का उद्देश्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना और विद्यार्थियों को सुरक्षित व आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। योजना के तहत हजारों पुराने भवनों का पुनर्निर्माण किया जाएगा तथा नए स्कूल भवन भी बनाए जाएंगे। सरकार विभिन्न स्रोतों से फंड जुटाकर इस परियोजना को लागू करेगी। इससे शिक्षा व्यवस्था में सुधार होगा और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

जोजरी-लूणी-बांडी नदी में घुला जहर

सुप्रीम कोर्ट कमेटी का तीसरा दौरा, बालोतरा में सख्ती तय

बालोतरा, 22 मार्च (एजेंसियां)। जीवनदायिनी नदियां जोजरी, लूणी और बांडी में लगातार बढ़ते प्रदूषण के गंभीर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित उच्चस्तरीय जांच कमेटी ने एक बार फिर बालोतरा का दौरा किया। रिटायर्ड हाईकोर्ट जस्टिस संगीत लोढ़ा के नेतृत्व में यह टीम तीसरी बार इलाके में पहुंची, जिससे प्रशासन, उद्योगों और आमजन में हलचल तेज हो गई। कमेटी ने सबसे पहले डोली कलां, डोली राजगुरां, अराबा चौहान और अराबा दूदावतान गांवों का दौरा कर उन स्थानों का निरीक्षण किया, जहां लंबे समय से प्रदूषित पानी का जमाव बना हुआ है। ग्रामीणों ने टीम के सामने अपनी समस्याएं रखते हुए बताया कि दूषित पानी के कारण खेती, पशुपालन और दैनिक जीवन पर गंभीर असर पड़ रहा है। कई स्थानों पर पशुओं के बीमार होने और जमीन की उपजाऊ क्षमता घटने की शिकायतें भी सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान टीम ने मौके से प्रदूषित पानी के सैंपल भी एकत्रित करवाए, ताकि जल गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए जस्टिस लोढ़ा ने उनकी पीड़ा सुनी और लंबे समय से चल रही समस्या के स्थायी समाधान का भरोसा दिलाया।

इसके बाद कमेटी बालोतरा पहुंची, जहां कलेक्ट्रेट में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चर्चा करने के बाद सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) और एचआरटीएस का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक रमेश और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीईटीपी प्लांट में आयोजित समीक्षा बैठक में कमेटी ने प्रशासन, प्लांट प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ गहन चर्चा की। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के पालन की स्थिति की समीक्षा की गई और आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। जस्टिस लोढ़ा ने प्लांट की कार्यप्रणाली, तकनीकी व्यवस्था और प्रदूषण नियंत्रण उपायों का बारीकी से मूल्यांकन किया। साथ ही उन्होंने यह भी परखा कि उद्योगों द्वारा पर्यावरणीय मानकों और नियमों का कितना पालन किया जा रहा है। कमेटी ने विशेष रूप से जोजरी, लूणी और बांडी नदियों में औद्योगिक अपशिष्ट के प्रभाव, जल की गुणवत्ता और आसपास के पर्यावरण पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को गंभीरता से लिया।

निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि एचआरटीएस को बंद करने के आदेश के बावजूद उसका संचालन जारी है। इस पर जस्टिस लोढ़ा ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इसे बंद करने और स्थायी समाधान लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यावरण से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

मंत्री किरोड़ी लाल का वादा, किसानों को 15 दिन में मिलेगा फसल खराबे का क्लेम

अन्ता, 22 मार्च (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने रबी फसल में हुए नुकसान का मुआवजा तथा फसल बीमा योजना का क्लेम किसानों को आगामी 15 दिन में दिलाने का वादा किया। वहीं, उन्होंने नकली खाद बीज बेचने वालों को फिर से चेतावनी देते हुए कार्रवाई करने की बात कही। कृषि मंत्री डॉ. मीणा जिले के अंता में आयोजित भगवान मीनेष की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे।

समाज के धार्मिक कार्यक्रम के बाद उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र में भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात व जनसुनवाई भी की। इस दौरान मंत्री किरोड़ी लाल ने फसल खराब से प्रभावित किसानों के लिए कहा कि रबी फसल में हुए नुकसान का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्लेम किसानों को अगले 15 दिन में दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

साथ ही नकली खाद बीज बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा सरकार सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जिले में आपदा के समय काम करने वाले स्वयं सेवकों की भर्ती के मामले में भी जांच करवाने की बात कही। इस दौरान जनप्रतिनिधी मौजूद रहे।

विधायक राधेश्याम बैरवा ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के झालावाड़ प्रवास के दौरान उनसे मुलाकात कर किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। विधायक बैरवा ने कृषि उपज मंडी समिति बारां से जुड़ी विभिन्न सड़कों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर पत्र सौंपा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के किसानों को राहत देने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान दिए गए ज्ञापन में अटरू गैस एजेंसी से लक्ष्मीपुरा तक सड़क निर्माण कार्य, खरीफ सीजन में खराब हुई सोयाबीन फसल का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत शीघ्र भुगतान, सरकारी तौल केंद्रों को समय पर शुरू किए जाने, अटरू क्षेत्र में किसानों को 24 घंटे 3-फेज बिजली उपलब्ध करा जाने, गेहूं तुलाई की 40 क्विंटल सीम को हटाकर पूर्व व्यवस्था लागू करने अटरू में नया सरकारी तौल केंन स्थापित करने की मांग की।

पानी समझकर पी गया कीटनाशक खेत में ही तबीयत बिगड़ी

इलाज के दौरान टूट गई सांसें

अलवर, 22 मार्च (एजेंसियां)। अलवर जिले के मालाखेड़ा थाना क्षेत्र के हल्दीना के पास नंगली राजावत गांव में एक युवक की कीटनाशक पीने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार युवक कृष्ण कुमार अपने खेत में दवाई का छिड़काव करने गया था।

गलती से कीटनाशक पीने की आशंका

बताया गया कि काम के दौरान उसने गलती से कीटनाशक को पानी समझकर पी लिया। जहरीला पदार्थ पीते ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह खेत में ही अचेत होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी।

अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

परिजन उसे तत्काल मालाखेड़ा होते हुए अलवर के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने के चलते उसे रेफर किया गया और उपचार शुरू किया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

परिवार में शोक, क्षेत्र में चिंता

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक का माहौल छा गया। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद क्षेत्र में भी दुख और चिंता का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक ने कीटनाशक गलती से पिया या फिर जानबूझकर उसका सेवन किया गया।

फलौदी में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या, तीन हमलावर फरार

पूर्व सीएम गहलोत ने उठाए सवाल

जयपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। फलौदी क्षेत्र में दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। भीखमकोर गांव के मुख्य बस स्टैंड पर 26 वर्षीय रावलसिंह पातावत पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमलावर हेलमेट पहनकर आए थे और घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रावलसिंह बस स्टैंड पर खड़ा था, तभी बाइक पर सवार तीन युवक पहुंचे और अचानक उस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। गंभीर रूप से घायल होकर जब वह जमीन पर गिर पड़ा, तो बदमाश उसके पास गए और उसके सिर में भी गोली मार दी।

घटना के बाद परिजन उसे ओसियां के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर उसे जोधपुर रेफर किया गया, जहां मथुरा दास माथुर अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में हत्या के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई गई है। जानकारी के अनुसार, कुछ महीने पहले भी इसी विवाद में रावलसिंह पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें उसके हाथ-पैर तोड़ दिए गए थे।

सूचना मिलते ही मतोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश में क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी गई है।

वहीं, इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि भीखमकोर बस स्टैंड पर युवक की गोली मारकर हत्या कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने का प्रमाण है। उन्होंने मारवाड़ क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई। अशोक गहलोत ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि पुलिस को तुरंत कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

व्यापारी व चालक का अपहरण

हाथ बांधकर गाड़ी की पिछली सीट पर डाले थे

झुंझुनूं, 22 मार्च (एजेंसियां)। जिले के भोजासर गांव के एक व्यापारी और उसके कार चालक का अपहरण कर 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले में हरियाणा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। लोहारू सीआईए स्टाफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर अपहृत दोनों व्यक्तियों को सकुशल मुक्त कराया है। पुलिस के अनुसार भोजासर निवासी करीब 60 वर्षीय सुरेंद्र अपनी कार से जयपुर से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान घोड़ीवारा के पास एक कार में सवार चार-पांच बदमाशों ने पिस्तौल की नोक पर उनकी गाड़ी रुकवा ली। आरोपियों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई और गाड़ी की चाबी छीनकर सुरेंद्र व चालक महिपाल का अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट की और मोबाइल व नकदी लूट ली। इसके बाद परिजनों को व्हाट्सऐप कॉल कर 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। अचानक आई इस घटना से परिवार में हड़कंपमच गया। सूचना मिलते ही झुंझुनूं पुलिस हरकत में आई और तुरंत नाकाबंदी कर हरियाणा पुलिस से संपर्क साधा गया। लोहारू डीएसपी संजीव के अनुसार संदिग्ध वाहन की लोकेशन मिलने के बाद सीआईए टीम ने ओवरब्रिज के पास घेराबंदी की। पुलिस ने जब वाहन को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने भागने के प्रयास में पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। इसके बावजूद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रोहित, कृष और नीतीश को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने व्यापारी सुरेंद्र और चालक महिपाल को सुरक्षित छुड़ा लिया। बदमाशों ने दोनों के हाथ बांधकर उन्हें गाड़ी की पिछली सीट पर डाल रखा था। आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल, मैगजीन, तीन जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है।

मधुमक्खियों के हमले में 50 से अधिक लोग घायल

टोंक रोड पर मची अफरा-तफरी चीख-पुकार से गूंज उठा इलाका

टोंक, 22 मार्च (एजेंसियां)। शहर के व्यस्ततम टोंक रोड पर रविवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब पशु चिकित्सालय के पास स्थित पीपल के पेड़ पर लगा मधुमक्खियों का छत्ता अचानक टूट गया और मधुमक्खियों ने राहगीरों पर हमला कर दिया। देखते ही देखते पूरा क्षेत्र चीख-पुकार से गूंज उठा और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार छत्ते में अचानक हलचल होने के बाद बड़ी संख्या में मधुमक्खियां झुंड बनाकर बाहर निकलीं और आसपास मौजूद लोगों पर टूट पड़ीं।

अफरा-तफरी का माहौल

कुछ ही क्षणों में हालात बेकाबू हो गए और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठे, जबकि पैदल राहगीर बचने के लिए दुकानों, घरों और वाहनों के पीछे शरण लेते नजर आए। कई लोगों ने सिर और चेहरे को कपड़ों से ढंककर खुद को बचाने का प्रयास किया। मधुमक्खियों के इस हमले में 50 से अधिक लोग जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए कई घायलों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और उन्हें तत्काल अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की

राहगीरों में भय का माहौल

घटना के दौरान कुछ देर के लिए टोंक रोड पर दुपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों में भय का माहौल बन गया। अचानक हुए हमले से लोग घबरा गए और जान बचाने के लिए भागते नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही घायलों को तुरंत राजकीय उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो दर्जन से अधिक लोगों का उपचार किया गया।

अस्पताल में विष्णु सैनी, मिस्वा, सुरेंद्र गुर्जर, राजकरण गुर्जर, सत्यप्रकाश दीक्षित, रवि वर्मा, मानव वैष्णव, मुबारक अहमद, अफान, फारूक, अफसाना, पवन, आशाराम, आमीन, कजोड़मल, अभिषेक, गायत्री, अन्नू, शानू चौहान, मंजू, पदमचंद जैन, शलीन अहमद, बसराम और दीपक सहित 24 घायलों का मधुमक्खियों के डंक से उपचार किया गया।

राजकरण गुर्जर की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए टोंक रेफर कर दिया।

अब तो चोरी होने लगे सिलेंडर! एलपीजी संकट के बीच हैरान करने वाला मामला

अलवर, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में एलपीजी संकट की खबरों के बीच हैरान करने वाला वाकिया सामने आया है। यहां अलवर शहर की मधुबन बैंक कॉलोनी में दिनदहाड़े सिलेंडर चोरी होने की खुलासा हुआ है। यहां दो शातिर युवक एक घर की बालकनी से भरा हुआ गैस सिलेंडर पार कर ले गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस घटना की सीसीटीवी सामने आने के बाद लोग भी इसे देखकर हैरान हैं। सीसीटीवी फुटेज और मकान मालिक की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, चोरी की यह वारदात बेहद योजनाबद्ध तरीके से की गई। दो युवक एक बाइक पर सवार होकर कॉलोनी में दाखिल हुए। उन्होंने पहले घर से कुछ दूरी पर अपनी बाइक रोकी और आसपास की स्थिति का जायजा लिया। यहां इसके बाद आरोपी युवक बिना किसी हिचकिचाहट के बालकनी की तरफ बढ़ा।

मोबाइल चार्जिंग पॉइंट के पास रखी पेट्रोल बोतल में ब्लास्ट

आग लगने से युवक 40 प्रतिशत झुलसा

अलवर, 22 मार्च (एजेंसियां)। अलवर में मोबाइल चार्जिंग पॉइंट में स्पार्किंग के कारण उसके पास रखी पेट्रोल से भरी बोतल में ब्लास्ट हो गया। चार्जिंग पर लगा मोबाइल युवक के हाथ में था। विस्फोट के कारण आग लगने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया।

घटना नौगांवा कस्बे की है। युवक का अलवर जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हॉस्पिटल के डॉ. रविंद्र चौधरी ने बताया- मरीज की छाती, गर्दन और शरीर का ऊपर का कुछ हिस्सा करीब 40 प्रतिशत झुलसा है।

चार्जिंग पर लगा था मोबाइल, युवक कर रहा था इस्तेमाल

हादसे में झुलसा नौगांवा निवासी पंकज जाटव (22) कपड़े की दुकान करता है। पंकज की मां ललिता ने बताया- पंकज अपनी दादी के पास रहता है। दोस्त के कहने पर वह बोतल में पेट्रोल लेकर आया था। दोस्त को पेट्रोल देना था। उसने बोतल को कमरे में चार्जिंग पॉइंट के पास ही रख दिया।

फिर वह खाना खाने लग गया। मोबाइल चार्जिंग पर लगा हुआ था। इस बीच वह मोबाइल भी इस्तेमाल कर रहा था। तभी अचानक पेट्रोल की बोतल में धमाका हुआ और आग लग गई, जिससे उसका आधा शरीर झुलस गया।

अलवर पॉलिटेक्निक कॉलेज के एचओडी (इलेक्ट्रिकल) राजवीर सिंह ने बताया- चार्जिंग के दौरान करंट फ्लो होता रहता है। इस मामले में हो सकता है कि पेट्रोल की बोतल में छोटा-मोटा लीकेज हो या ढक्कन लूज होने पर पेट्रोल उड़कर बाहर आ रहा हो। ऐसा होने पर पेट्रोल चिंगारी तक पहुंच जाता है। उसके बाद तेजी से आग पकड़ लेता है। लोगों को पेट्रोल जैसा ज्यादा ज्वलनशील पदार्थ कैरी नहीं करना चाहिए।

भगवान से भी धोखा! 1 करोड़ का बजट डकारा 57 मंदिरों में भेज दी बदबूदार प्रसादी

भरतपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। देवस्थान विभाग की ओर से संभाग के आत्मनिर्भर श्रेणी के 57 मंदिरों में दीपावली पर भोग-प्रसादी भेजी गई थी। इसमें भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ठेकेदार ने घटिया सामग्री भेजी थी, जो कि जांच में सामग्री के नमूने ही फेल हो गए। अब विभाग ने संबंधित फर्म को जांच में दोषी पाने पर ब्लैकलिस्ट कर दिया है। 18 अक्टूबर 2025 को धनतेरस के अवसर पर प्रत्येक मंदिर के लिए 30 किलो मिठाई (पांच प्रकार की), 5 किलो दूध, 5 किलो दही, 2 किलो घी, 5 किलो सरसों का तेल, 1000 मिट्टी के दीपक, 10 पैकेट माचिस, गोवर्धन पर्व के लिए अन्नकूट प्रसादी 200 व्यक्तियों के लिए दौना, पत्तल एवं गिलास के लिए बजट आया था, लेकिन सामान की गुणवत्ता खराब होने के कारण किसी भी मंदिर पर अन्नकूट तक नहीं हो पाया था। ज्यादातर मंदिरों में 15 किलो मिठाई भेजी गई, जो कि स्थानीय हलवाई की थी। बताते हैं कि दीपावली के अवसर पर मंदिरों की साज-सज्जा, भोग प्रसादी और अन्नकूट के लिए देवस्थान विभाग से रेट कॉन्टेक्ट टेंडर जारी होता है। प्रत्येक वर्ष की भांति वर्ष 2025 में भी यह जारी हुआ, लेकिन गत वर्षों की अपेक्षा इस बार राज्य सरकार ने राशि बढ़ाई थी। विभाग ने निविदा जारी कर दी। इसके अनुसार मैसर्स चाहर एसोसिएट को टेंडर मिला।

संभाग में देवस्थान विभाग के आत्मनिर्भर श्रेणी के 57 मंदिर हैं। राज्य सरकार से दीपावली पर इनके लिए भोग-प्रसादी के लिए बजट आया जो प्रत्येक मंदिर के लिए 2 लाख रुपए था।

2500 रुपये के विवाद ने लिया हिंसक रूप

फायरिंग और हमले में एक ही परिवार के चार लोग घायल

अलवर, 22 मार्च (एजेंसियां)। अलवर जिले के कठूमर थाना क्षेत्र के गांव बायडा में महज 2500 रुपये के लेनदेन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी अली बख्श ने गांव के ही फकरू को 2500 रुपये उधार दिए थे। पैसे वापस मांगने पर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गया।

बताया गया कि शुक्रवार रात फकरू, शरीफ और जफरू ने बाहर से बुलाए गए लोगों के साथ मिलकर अली बख्श के परिवार पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले फायरिंग की और इसके बाद लाठी-सरियों से हमला किया, जिससे घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई।

इस हमले में अली बख्श के पिता मुकुंदा सहित परिवार के चार लोग घायल हो गए। घायलों में आमिर, अशरफ और फिरदौस शामिल हैं, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजनों ने सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घायलों की स्थिति गंभीर होने के चलते उन्हें इलाज के लिए अलवर रेफर किया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

शादी वाले घर में मची चीख-पुकार, भीषण सड़क हादसे में दादा और डेढ़ साल की पोती की मौत, 11 लोग घायल

नागौर, 22 मार्च (एजेंसियां)। नागौर जिले के जायल-तरनाऊ मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। दो कारों के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में एक बुजुर्ग और उनकी मात्र डेढ़ वर्षीय पोती की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोलिया निवासी कांस्टेबल प्रभूराम का परिवार कार से जुंझाला स्थित गुसाईं महाराज के मेले में दर्शन करने गया था। आस्था और श्रद्धा के साथ धोक लगाकर जब यह परिवार वापस अपने गांव कोलिया लौट रहा था, तभी तरनाऊ रोड पर सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

जायल थानाधिकारी मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कांस्टेबल प्रभूराम के पिता चूनाराम जाट (62) और उनकी डेढ़ वर्षीय पुत्री गर्विता की मृत्यु हो गई। एक ही झटके में परिवार के मुखिया और मासूम बच्ची के चले जाने से कोहराम मच गया। हादसे में कांस्टेबल प्रभूराम, उनकी पत्नी पूनम, ताऊ हेमाराम और उनके पुत्र गोविन्दराम गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं, दूसरी कार में सवार जायल निवासी नदीम, मोईन, इरफान, इमरान पुत्र बाबूखान और इमरान पुत्र अब्दुल रजाक भी चोटिल हुए हैं। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी को नागौर जिला चिकित्सालय भिजवाया।

ईरान से सीजफायर वार्ता करना चाहते हैं ट्रम्प : रिपोर्ट

ईरान की शर्त- पहले मुआवजा दो, आगे हमला नहीं होगा इसकी गारंटी भी चाहिए

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 22 मार्च (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प की टीम ईरान के साथ सीजफायर पर बात करना चाहते हैं। इस काम में ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी लगे हुए हैं। यह जानकारी एक्सियोस न्यूज ने दी है। हालांकि ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।

दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

ईरान ने इजराइल पर 4 मिसाइलें दागीं :

ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था। यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है।

ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा- अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरूआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा। अमेरिका ने दावा किया है कि उसने इस महीने की शुरूआत में ईरान की एक मिसाइल फैक्ट्री को तबाह कर दिया।

यूएस सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस जगह पर स्मॉल और मिडिल रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें बनाई जा रही थीं। अमेरिका ने इस जगह का नाम 'कुह-ए बरजमाली मिसाइल असेंबली फैसिलिटी' बताया है, जो तेहरान के दक्षिण-पूर्व में पहाड़ियों के इलाके में स्थित है। अमेरिका ने इस हमले से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें फैक्ट्री को नुकसान दिखाया गया है।

इजराइली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान के दक्षिणी हिस्से में हिजबुल्लाह के 9 लड़ाकों को मार गिराया है। सेना के मुताबिक, उनके जवान वहां ग्राउंड ऑपरेशन के लिए तैनात थे। इसी दौरान कुछ हथियारबंद लोग उस इलाके के पास आए। जैसे ही इन लोगों की पहचान हुई, सैनिकों ने तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी। इसके साथ ही एयर फोर्स को भी सूचना दी गई, जिसने ऊपर से हमला किया। जमीन और हवा से की गई इस कार्रवाई में सभी 9 लड़ाके मारे गए। इस पूरे ऑपरेशन में इजराइली सेना के किसी भी सैनिक को चोट नहीं आई।

कोयला गैसीफिकेशन देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम : किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि कोयला गैसीफिकेशन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता कम करने और औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वे आज नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में औद्योगिक विस्तार के साथ विनिर्माण क्षेत्र मजबूत हो रहा है, वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह और डिजिटल कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

मंत्री ने बताया कि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में कोयला अहम भूमिका निभा रहा है। देश में लगभग 400 बिलियन टन कोयला भंडार है और करीब 74 प्रतिशत बिजली उत्पादन कोयले से होता है। वर्ष 2024-25 में कोयले की मांग 1 बिलियन टन रही, जो 2047 तक बढ़कर 1.7 बिलियन टन होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कोयला गैसीफिकेशन तकनीक के माध्यम से सिंथेटिक गैस तैयार कर स्वच्छ ईंधन, उर्वरक और हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में भारत कच्चे तेल का लगभग 83 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत और मिथेनॉल व उर्वरकों का 90 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। वैश्विक परिस्थितियों और आपूर्ति में बाधाओं के कारण यह चुनौती और बढ़ सकती है। ऐसे में कोयला गैसीफिकेशन इस समस्या का प्रभावी समाधान बन सकता है। उन्होंने कहा कि 2030 तक 100 मिलियन टन कोयला गैसीफिकेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए नेशनल कोल गैसीफिकेशन मिशन शुरू किया गया है। इसके तहत 8,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। साथ ही, भूमिगत कोयला गैसीफिकेशन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं।

डीआरआई ने न्हावा शेवा में वॉकी-टॉकी और सेकंड-हैंड एचडीडी जब्त किया, दो गिरफ्तार

मुंबई, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 11,060 प्रतिबंधित वॉकी-टॉकी सेट और सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव (एचडीडी) जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 9.25 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई स्थित दो फर्मों के मालिक, पिता-पुत्र की जोड़ी को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर 2.5 करोड़ रुपये मूल्य के बाओफेंग बीएफ-888एस वॉकी-टॉकी और 6.75 करोड़ रुपये मूल्य के सेकंड-हैंड एचडीडी जब्त किए।

प्रतिबंधित वस्तुएं 21 करोड़ रुपये के विविध इलेक्ट्रॉनिक सामान की खेप में छिपाई गई थीं। चीन से आयातित आठ कंटेनरों वाली पूरी खेप, जिसकी कीमत 30.25 करोड़ रुपये थी, को गलत घोषणा के आरोप में जब्त कर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने बायोफेंग बीएफ-888एस वॉकी-टॉकी को प्रतिबंधित किया है क्योंकि ये अनुमत आवृत्तियों से अधिक पर काम कर रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। सेकंड-हैंड एचडीडी के आयात के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की पूर्व अनुमति अनिवार्य है।

अवैध हुक्का सेंटर पर पुलिस का छापा, 10 लोग हिरासत में

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र के वाटेपल्ली इलाके में रविवार तड़के पुलिस ने एक अवैध रूप से संचालित हुक्का सेंटर पर छापा मारकर 10 लोगों को हिरासत में लिया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर रविवार भोर में करीब 2:30 बजे की गई। पुलिस के अनुसार, उक्त हुक्का सेंटर बिना किसी वैध अनुमति और लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था तथा यह रिहायशी इलाके के पास स्थित था। मौके पर मोहम्मद तनवीर (23) नामक युवक हुक्का संचालित करते हुए पाया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने हुक्का

से संबंधित विभिन्न सामान बरामद किए, जिनमें 3 बड़े हुक्का पॉट, 9 छोटे हुक्का पॉट, फ्लेवर बॉक्स (एप्पल, अलफौज, अलफाखेर), 2 कोयले के डिब्बे, 12 हुक्का पाइप और एक स्मार्ट मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले में सीआर नंबर 257/2016 के तहत कोप्टा एक्ट की धारा 20(2) और बीएनएस की धारा 280 के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आम जनता को चेतावनी देते हुए कहा कि बिना अनुमति हुक्का सेंटर चलाना कानून का उल्लंघन है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, इस तरह की अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित जांच और अभियान जारी रहेंगे।

अलियाबाद एवं कुन्दनपल्ली स्थित ग्रीन पार्क क्रिकेट ग्राउंड में सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 के प्री-क्वाटरफाईनल एवं क्वाटरफाईनल के 12 मैच रविवार 23 मार्च को खेले गये। रविवार 29 मार्च कोसेमीफाईनल पारसीगुटा टीम-मेड़चल टीम, शंकरपल्ली टीम-लिंगमपल्ली टीम के मध्य, फाईनल मैच एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अवसर पर मैच का टॉस कर उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, समाज के गणमान्य ढगलाराम सेपटा, चेनाराम परिहार, व अन्य।

मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का 290 लोगों ने लाभ उठाया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा मां वैष्णो देवी जागरण मंडल के सहयोग से 163वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल हाईटेक सिटी द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जिसमें डॉ. लिड्या, डॉ. मधु नर्सिंग की सेवा गार्गी, सहेली, सरवानी, अर्जुन, पद्मा, हविला सहित विपणन के राजन एवं प्रदीप कुमार ने सहयोग दिया।

अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा 193 लोगों के नेत्रों की जांच की गई तथा 112 लोगों को चश्मे वितरित किये गये और 1 रोगी के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के भास्कर ने सेवा प्रदान की। शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. मीनल सुगंधी ने अपनी सेवा प्रदान की।

फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज ने तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल राज ने की। अवसर पर डॉ. पीयूष अग्रवाल ने बाल रोगियों की जांच कर परामर्श दिया। अवसर पर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के एक विकलांग को सेवा प्रदान की। शिविर का 290 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

शिविर में मुख्य अतिथि आईपीएस शिखा गोयल उपस्थित थी जिनका सम्मान किया गया। शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता, स्थानीय भागीदार मां वैष्णो देवी जागरण मंडल कोर समिति, अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरषोत्तम अग्रवाल, सूर्य कमल गुप्ता, राकेश जालान, आशीष दोचानिया, अचल गुप्ता, नवीन अग्रवाल, स्वयंसेवक जितेन्द्र गोयल, पवन भुवानिया, अजय तुलस्यान, निर्मला केडिया, सुमन भुवानिया, सरला अग्रवाल, सुनैना नरसरिया, अरुणा तुलस्यान एवं पित्ती नॉमिनेशन ने सहयोग प्रदान किया।

ओमान में मनाया गया शिव कल्याणोत्सव

प्रवासी तेलंगाना श्रद्धालुओं की भागीदारी

दुबई, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रवासी श्रद्धालु अरब खाड़ी क्षेत्र में वेमुलावाड़ा राजन्ना की परंपरा को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी क्रम में ओमान में पहली बार शिव कल्याणोत्सव (दिव्य विवाह) का आयोजन किया गया। भगवान शिव और पार्वती के दिव्य विवाह के रूप में मनाया जाने वाला यह उत्सव वेमुलावाड़ा के श्री राजा राजेश्वर स्वामी कल्याणोत्सव की तर्ज पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ओमान तेलंगाना समिति (ओटीएस) द्वारा मस्कट के श्री कृष्ण मंदिर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिससे माहौल भक्तिमय बना रहा। ओमान में भारतीय राजदूत जीवी श्रीनिवास ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि इस अवसर पर ओमान और खाड़ी क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।

हैदराबाद रियल एस्टेट में उछाल

हैदाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के आवासीय रियल एस्टेट बाजार ने फरवरी 2026 में शानदार वापसी की है। नाइट फ्रैंक इंडिया के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने की सुस्ती के बाद शहर में संपत्तियों के पंजीकरण में जबरदस्त सुधार देखा गया है। फरवरी माह में कुल 6,179 आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 प्रतिशत और मासिक आधार पर 32 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि दर्शाता है। मूल्य के संदर्भ में, इस महीने कुल 4,139 करोड़ रुपये मूल्य के घरों का लेनदेन हुआ, जो पिछले महीने के मुकाबले 42 प्रतिशत की तीव्र बढ़ोतरी है।

टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने, यादद्री भुवनगिरी जिला मुख्यालय में डीसीसी के तत्वावधान में आयोजित नए कार्यकारी सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष और विधायक बिरला इलैया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

जन सेवा संघ की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के सभी समितियों के संयोजक और केंद्रीय समिति की बैठक का आयोजन ईस्ट मारेडपल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में किया गया। इसके तहत एक बड़े सदस्यता अभियान पर काम किया जाएगा, जिसमें 'आजीवन सदस्यता' को मुख्य एजेंडा के रूप में शामिल किया जाएगा। सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव ने कवि सम्मेलन का आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किये। समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने कहा कि समिति सक्रिय रूप में काम कर रही है।

उत्सव समिति के संयोजक आर.पी. सिंह ने बताया कि घाटों से संबंधित काम प्रगति पर है। खेल समिति के संयोजक सुबोध सिंह ने बताया कि वे जल्द ही एक कार्यक्रम का आयोजन करेंगे। आई टी सेल समिति में के.डी. चौबे जल्द ही सदस्यों को जोड़कर एक समिति का गठन करेंगे। इस अवसर पर प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, डी.डी. तिवारी, सुरेश पंडित, सीताराम ठाकुर, के.डी. चौबे, अरुण सिंह राजपुरोहित, राजेश शर्मा, बिनीत सिंह, प्रकाश राठौर आदि उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पश्चिम एशिया...

इस वजह से वैश्विक बाजार में ऊर्जा संकट गहराने लगा है और भारत जैसे देशों के लिए चुनौती बढ़ गई है।

इस अहम बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस जयशंकर और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। इसके अलावा सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों की स्थिति पर जानकारी दी।

सरकार ने साफ किया है कि वह ऊर्जा सप्लाई को स्थिर रखने के लिए लगातार कदम उठा रही है। लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया जा रहा है और वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। साथ ही कालाबाजारी रोकने और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

पश्चिम एशिया का यह संकट अब चौथे हफ्ते में पहुंच चुका है और इसका असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। ऐसे में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती सप्लाई को बनाए रखना और कीमतों को नियंत्रित करना है। सरकार का कहना है कि वह हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त...

बिहार चुनाव से पहले एसआईआर की शर्तें थोपीं :

बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक 5 महीने पहले की गई एसआईआर की प्रक्रिया ने दस्तावेजों से जुड़ी ऐसी शर्तें थोप दी थीं, जिनका नतीजा हुआ कि समाज के सबसे कमजोर तबकों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया। 65 लाख वोटर्स इससे प्रभावित हुए।

सीईसी ने बड़े राज्यों में जहां 2-3 महीने में चुनाव होने थे, वहां एसआईआर की प्रक्रिया रॉकेट जैसी तेजी से की। समय-सीमा पर दोबारा विचार करने को लेकर अड़ियल रवैया रखा। लोगों की तकलीफों को लेकर पूरी तरह से असंवेदनशीलता रहे। विपक्ष की हर गुहार को जान-बूझकर नजरअंदाज किया।

बिहार वाले मॉडल को ही दूसरे राज्यों में भी दोहराया। बंगाल में जारी किए गए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स से पता चला कि 7.66 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 58 लाख नाम हटा दिए गए थे। 60 लाख से ज्यादा मतदाता अभी भी जांच के दायरे में हैं, जिससे विधानसभा चुनावों से ठीक कुछ हफ्ते पहले भी उनके वोट देने के अधिकार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

सीईसी की चयन की प्रक्रिया का मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में एक संवैधानिक चुनौती के तौर पर लंबित है। नोटिस में राहुल गांधी ने फरवरी 2025 में दर्ज कराई गई असहमति का भी जिक्र है। कहा गया है जिस जल्दबाज़ी में आधी रात को यह नियुक्ति की गई, उससे यह साफ जाहिर है कि सरकार जान-बूझकर अपनी पसंद के व्यक्ति को पद पर बिठाना चाहती थी। सीईसी पर आरोप है कि कर्नाटक के अलंद में मतदाता सूची में धोखाधड़ी के आरोपों, मशीन-रीडेबल वोटर लिस्ट देने से इनकार, मतदान केंद्रों से सीसीटीवी फुटेज जारी करने से इनकार किया। ईसी एक अपारदर्शी और जवाबदेही से बचने संस्था बन गई है।

मैं अब कांग्रेस में...

उन्होंने कहा, मेरे राजनीतिक भविष्य का निर्णय 25 मार्च को लिया जाएगा। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं और अपने नज़दीकी साथियों से (जिन्होंने पिछले चार दशकों तक मेरे साथ खड़ा रहा है) सुझाव देने का अनुरोध करता हूं। 25 तारीख को बंडरू गार्डन्स, जग्तियाल में मुख्य नेताओं के साथ बैठक होगी। मैं अब इस पार्टी में नहीं रह सकता। इस पीड़ा को मैं सहन नहीं कर सकता। अब पार्टी में मेरा कोई सम्मान नहीं बचा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यानिक सिनर ने मियामी ओपन में जुमहुर को दी मात

जोकोविच की बराबरी पर पहुंचे

मियामी, 22 मार्च (एजेंसियां)। यानिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले नें दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर ने नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीतकर नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

सिनर के पास 30वीं वरीयता प्राप्त कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था। जीत के बाद सिनर ने कहा, मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।

सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने के बाद, सिनर 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर सनशाइन डबल पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अलेक्जेंडर शेवचेंको ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी करते हुए जीत हासिल करके बेन शेल्टन को मियामी ओपन से बाहर कर दिया।

8 खिलाड़ी बाहर, किस-किस ने की पाकिस्तान की गजब बेइज्जती

इस्लामाबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी टी20 लीग का आगाज आईपीएल 2026 से 2 दिन पहले करने जा रहा है. 26 मार्च से पीएसएल का 11वां सीजन शुरू है. मगर क्या खिलाड़ी तैयार हैं. पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेटरों की तो चिंता नहीं है क्योंकि लीग उन्हीं के क्रिकेट बोर्ड पीसीबी की है. सवाल ज्यादा से ज्यादा विदेशी खिलाड़ियों की पीएसएल 2026 में भागीदारी पर है. ये सवाल इसलिए उठा है क्योंकि अब तक 8 विदेशी खिलाड़ियों ने पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें सीजन से अपना नाम वापस ले लिया है.

पीएसएल छोड़ जा रहे विदेशी खिलाड़ी, बस देख रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान के साथ बॉर्डर पर चल रही लड़ाई के चलते अफगानिस्तान ने तो पहले ही अपने खिलाड़ियों को पीएसएल में खेलने की इजाजत नहीं दी है. बाकी दूसरे देशों के भी जो प्लेयर खेल रहे थे, उन्होंने अपने पांव पीछे खींचते हुए पाकिस्तान की बेइज्जती करनी शुरू कर दी है. बेइज्जती इसलिए क्योंकि पाकिस्तान अपनी टी20 लीग पीएसएल को लेकर बड़ी-बड़ी डींगे हांकता है. मगर एक-एक कर बाहर हो रहे विदेशी खिलाड़ियों को रोक पाने में नाकाम रह रहा है. विदेशी प्लेयर तो अब पीसीबी के लीगल एक्शन लेने की धमकी को भी ठेंगा दिखाने लगे हैं.

इन 8 विदेशी खिलाड़ियों ने छोड़ा पीएसएल

पीएसएल 2026 से अब तक 8 विदेशी खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं, जिसमें सबसे लेटेस्ट नाम ऑस्ट्रेलिया के जैक फ्रेजर मैक्गर्क का है, जो रावलपिंडी फ्रेंचाइजी से जुड़े थे. ऑस्ट्रेलिया के ही स्पेन्सर जॉनसन ने भी पीएसएल को ठेंगा दिखा दिया है. वो क्वेटा ग्लैडिएटर्स से जुड़े थे. वेस्टइंडीज के जॉनसन चार्ल्स और गुटाकेश मोती भी पीएसएल 2026 से बाहर हो गए हैं. इनमें जॉनसन कराची किंग्स के साथ थे तो गुटाकेश लाहौर कलंदर्स के साथ.

साउथ अफ्रीका के ओटनील बार्टमैन ने भी पीएसएल के 11वें सीजन से नाम वापस ले लिया, वो हैदराबाद किंग्समेन से जुड़े थे. इंग्लैंड के टिमल मिल्स, जो कि पेशावर जाल्मी के साथ थे, उन्होंने भी पीएसएल 2026 को गुडबाय बोल दिया है. जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी ने भी पाकिस्तान की टी20 लीग में खेलने से मना कर दिया है. वो इस्लामाबाद यूनाइटेड टीम से जुड़े थे. अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज भी पीएसएल 2026 से बाहर हो गए हैं, जो कि पेशावर जाल्मी के साथ थे.

विदेशी खिलाड़ियों के पीएसएल छोड़ने की वजह क्या है?

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के शुरू होने से पहले ही उसे छोड़ने वाले इन खिलाड़ियों के फैसले के पीछे की वजह या तो निजी है या फिर आईपीएल से जुड़ी. पीएसएल छोड़ चुके विदेशी खिलाड़ियों में कुछ को आईपीएल 2026 में खेलने का बुलावा आ चुका है, वहीं कुछ के साथ आईपीएल फ्रेंचाइजियों की बातचीत का दौर जारी है. वहीं कुछ खिलाड़ियों के पीएसएल छोड़ने के पीछे की वजह निजी है.

आईपीएल 2026 से पहले 14.2 करोड़ के नए खिलाड़ी प्रशांत वीर ने बल्ले से मचाया गदर धोनी भी रह गए दंग !

चेन्नई, 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत में अब एक हफ्ते से भी कम समय बाकी है. चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन पिछले साल कुछ खास नहीं रहा था. इसी वजह से उन्होंने आईपीएल 2026 ऑक्शन में जमकर पैसा खर्च किया. उन्होंने 14.2 करोड़ रुपये में अमेठी, उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में शामिल किया. प्रशांत के पास आईपीएल का अनुभव नहीं है और वो घरेलू क्रिकेट में भी उतने मैच नहीं खेले हैं. इसके बावजूद सीएसके ने उनपर दांव खेला. अब एमएस धोनी को भी इसके पीछे का कारण समझ आ रहा है. वो नेट्स में प्रशांत वीर की बल्लेबाजी देखकर दंग रह गए और तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए.

प्रशांत वीर की बल्लेबाजी ने धोनी को किया हैरान!

एमएस धोनी ज्यादा नहीं बोलते हैं और प्लेयर्स की सभी के सामने तारीफ भी नहीं करते. इसी वजह से जब भी धोनी किसी की तारीफ करते हैं, तो ये सभी को हैरान कर देता है. आईपील 2026 से पहले सीएसके के सभी खिलाड़ी तैयारी कर रहे हैं. 14 करोड़ रुपये में खरीदे गए प्रशांत वीर भी नेट प्रैक्टिस में बड़े-बड़े शॉट्स लगाते हुए नजर आए. एमएस धोनी बाहर खड़े होकर वीर की बल्लेबाजी देख रहे थे.

प्रशांत वीर के शॉट्स देखकर एमएस धोनी तारीफ करने से रुक नहीं पाए और तुरंत बोल दिया, 'शॉट!'

प्रशांत ने अलग-अलग तरह के शॉट लगाए और उन सभी से धोनी प्रभावित नजर आए. प्रशांत वीर जैसे युवा खिलाड़ी को धोनी की तारीफ से जरूर काफी आत्मविश्वास मिला होगा.

6,6,6,6,6... कौन हैं 23 साल के सलिल अरोड़ा?

आईपील 2026 से पहले 5 गेंदों में 5 छक्के लगाकर मचाई सनसनी

खेल डेस्क, , 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 को लेकर सभी 10 टीमें जमकर तैयारियां कर रही हैं. इसी बीच सनराइजर्स हैदराबाद ने इंट्रा स्क्वॉड मैच खेला, जिसमें अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे बल्लेबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया.

लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियां 23 साल के युवा बल्लेबाज सलिल अरोड़ा ने बटोरी. सलिल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए लगातार 5 गेंदों पर 5 छक्के जड़कर तहलका मचा दिया. आइए जानते हैं कौन हैं सलिल अरोड़ा?

सलिल अरोड़ा ने 5 गेंदों में 5 छक्केजड़कर मचाया तहलका

सनराइजर्स हैदराबाद की बैटिंग लाइनअप उसे आईपीएल की सबसे खतरनाक टीम बनाती है, जिसमें ओपनिंग में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और

हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज शामिल हैं. अब इस लाइनअप में 23 साल के सलिल अरोड़ा का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने प्रैक्टिस मैच में धमाल मचा दिया. 21 मार्च को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच में सलिल अरोड़ा ने सबका ध्यान खींचा.

डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी करने उतरे सलिल ने सिर्फ 16 गेंदों में 47 रन ठोक दिए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 300 से भी ज्यादा का रहा. इस धमाकेदार पारी के दौरान सलिल ने लगातार 5 गेंदों पर 5 छक्के जड़ दिए, जो देखने लायक था. उन्होंने जयदेव उनादकट के ओवर की आखिरी 2 गेंदों पर छक्के जमाए. फिर अगले ओवर में लगातार 3 छक्के और जड़ दिए.

कौन हैं सलिल अरोड़ा?

सलिल अरोड़ा घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए खेलते हैं और पहले भी अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोर चुके हैं. हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने झारखंड के खिलाफ 39 गेंदों में शतक जड़ा था और 45 गेंदों में नाबाद 125 रन बनाए थे. आईपीएल 2026 के ऑक्शन में सलिल ने खुद को 30 लाख के बेस प्राइस पर रखा था.

कई टीमों ने उनमें दिलचस्पी दिखाई, लेकिन आखिर में सनराइजर्स हैदराबाद ने 5 गुना ज्यादा कीमत 1.50 करोड़ रुपये में उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया. सलिल के धमाकेदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें इस सीजन आईपीएल में डेब्यू करने का मौका मिल सकता है. अब देखना दिलचस्प होगा कि वह आईपीएल 2026 के मैचों क्या कमाल दिखाते हैं.

भारत के साथ खेलने के लिए बांग्लादेश ने उठाया बड़ा कदम

आयरलैंड का दौरा किया स्थगित

ढाका, 22 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सितंबर 2026 में होने वाला आयरलैंड के खिलाफ सीरीज को स्थगित कर दिया है। बोर्ड इस अवधि के दौरान भारत की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी के मुताबिक, जब भारत के साथ होने वाली सीरीज को 2025 से शिफ्ट कर सितंबर 2026 में किया गया था, उसी समय आयरलैंड बोर्ड से नई तारीख देने का अनुरोध किया गया था।

आयरलैंड ने 2026 में दौरे को रीशेड्यूल करने में असमर्थता जताई, जिसके बाद दोनों बोर्ड आपसी सहमति से सीरीज को टालने पर सहमत हुए। अब बांग्लादेश का आयरलैंड दौरा 2027 में किसी समय आयोजित किया जा सकता है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, भारतीय टीम 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज के लिए 28 अगस्त 2026 को बांग्लादेश पहुंचेगी। वनडे मुकाबले 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को आयोजित होंगे।

बांग्लादेश ने हाल ही में पाकिस्तान को अपने घर में वनडे सीरीज में 2-1 से हराया है। इस जीत के बाद टीम आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। टीम के 79 रेटिंग पॉइंट हैं और वह दसवें स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज से आगे है। बांग्लादेश का फोकस अब आईसीसी क्रिकेट वर्ल्डकप 2027 के लिए क्वालिफाई करने पर है। सीधे क्वालिफिकेशन के लिए टीम को 31 मार्च 2027 तक टॉप-8 में जगह बनानी होगी। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे क्वालिफाइंग टूर्नामेंट खेलना पड़ेगा। आयरलैंड दौरे के टलने के बाद बांग्लादेश के पास न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के अलावा दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के दौरे का कार्यक्रम है।

हालांकि, बांग्लादेश और भारत के रिश्ते पिछले कुछ महीनों में सामान्य नहीं रहे हैं। बांग्लादेश आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप 2026 के मैच खेलने के लिए भारत नहीं आया था और टूर्नामेंट का बहिष्कार किया था। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम वनडे और टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करती है या नहीं। अगर भारत का यह दौरा किसी कारण से टलता है, तो बांग्लादेश के पास क्वालिफिकेशन डेडलाइन से पहले सीमित वनडे मैच ही बचेंगे, जिससे सीधे विश्व कप में जगह बनाना टीम के लिए मुश्किल हो सकता है।

एएफसी विमेंस एशियन कप: जापान ने तीसरी बार जीता खिताब, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से रौंदा

सिडनी, 22 मार्च (एजेंसियां)। जापान ने एएफसी विमेंस एशियन कप 2026 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार खिताब अपने नाम किया है। यह मुकाबला स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में खेला गया। जापान ने इससे पहले 2014 और 2018 में यह खिताब जीता था। दोनों ही बार ऑस्ट्रेलिया को हराकर टाइटल अपने नाम किया था।

दर्शकों में दिखा भारी उत्साह

मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 74,397 दर्शकों की रिकॉर्ड भीड़ के सामने फाइनल में शानदार शुरुआत की। स्ट्राइकर मैरी फाउलर ने एक सटीक लंबे पास के जरिए केटलिन फोर्ड तक गेंद पहुंचाकर इस मूव की शुरुआत की। फोर्ड ने कप्तान सैम केर के लिए गोल करने का एक बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन जापान की गोलकीपर यामाशिता ने शानदार बचाव करते हुए उस शॉट

को रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 11वें मिनट में एक बार फिर गोल करने की कोशिश की, लेकिन जापान के मजबूत डिफेंस ने उन्हें रोका।

ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दबदबे के बावजूद, जापान ने खेल के प्रवाह के विपरीत जाते हुए 17वें मिनट में गोल दागा। हमानो ने पेनाल्टी एरिया के बाहर जगह बनाई, तेजी से घूमीं, और एक घुमावदार शॉट लगाया जो मैकेंजी अर्नोल्ड को छकाते हुए गोल के निचले कोने में जा समाया। इसके बाद जापान ने अपनी बेहतरीन पासिंग के दम पर खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। हालांकि, यामाशिता की एक गलत क्लीयरेंस के कारण ऑस्ट्रेलिया को बराबरी का सुनहरा मौका मिल गया, जब गेंद फोर्ड के पास जा गिरी। फोर्ड के शॉट को हाना ताकाहाशी ने डिफ्लेक्ट करके गोल बचा लिया।

पहले हाफ के आखिरी पलों में जापान को अपनी बढ़त दोगुनी करने का एक और मौका मिला। डिफेंस की एक चूक के कारण हिकारू कितागावा को गोल करने का बेहतरीन मौका मिल गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की गोलकीपर अर्नोल्ड ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया।

दूसरा हाफ भी काफी तेजी से आगे बढ़ा। जहां एक तरफ जापान दूसरे गोल की तलाश में था, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने धीरे-धीरे गेंद पर अपना नियंत्रण बनाना शुरू किया और गोल के मौके बनाए। मिडफील्ड में गेंद पर कब्जा करने के बाद कायरा कूनी-क्रॉस ने एक लंबी दूरी से गोल करने की साहसी कोशिश की, लेकिन वह यामाशिता को परेशान करने में नाकाम रहीं और उन्होंने आसानी से उस शॉट को रोक लिया। मैच के आखिरी चरणों में, जापान ने पूरी तरह से डिफेंसिव रणनीति अपना ली और ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेल में बराबरी करने के लिए किए गए सभी हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया।

जीशान ने ईशान को आउटकर बाहर जाने का इशारा किया

चार गेंद में 20 रन खाने के बाद विकेट लिया, किशन मुस्कुराते हुए लौटे

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनिंग मैच के साथ होने वाली है। इससे पहले एक प्रैक्टिस मैच भी खेला। इस मैच में गेंदबाज जीशान अंसारी ने अपने स्टेंड इन कप्तान ईशान किशन को आउट कर उंगली उठाकर उन्हें बाहर जाने का इशारा किया। इसका वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, ईशान किशन हंसते हुए बाहर चले गए। दरअसल, यह घटना दूसरी पारी के 8वें ओवर में हुई, जिसे 26 साल के लेग स्पिनर जीशान अंसारी गेंदबाजी कर रहे थे। ईशान किशन ने ओवर की शुरुआती चार गेंदों पर दो छक्के और दो चौके जड़कर 20 रन बना लिए। हालांकि, अगली ही गेंद पर जीशान अंसारी ने उन्हें डीप स्क्वायर लेग पर कैच आउट करा दिया।

ईशान किशन का विकेट लेने के बाद जीशान अंसारी ने उंगली से इशारा करते हुए उन्हें मैदान से बाहर जाने का संकेत दिया। इस दौरान जीशान थोड़े गंभीर नजर आए, जबकि ईशान किशन उनके इस इशारे पर मुस्कुराते हुए पवेलियन लौट गए। ईशान किशन को नियमित कप्तान पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि अभिषेक शर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। पैट कमिंस इंजरी से रिकवर कर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती कुछ मैच हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में मिस करेंगे। कमिंस चोट की वजह से टी-20 वर्ल्ड कप से भी बाहर थे।

वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप में अमेरिका के जॉर्डन एंथनी को गोल्ड

60 मीटर की दौड़ 6.41 सेकंड में पूरा किया; नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़ा

खेल डेस्क, 22 मार्च (एजेंसियां)। ट्रैक एंड फील्ड की दुनिया में एक नई स्प्रिंट सनसनी उभरकर सामने आई है। अमेरिका के 21 वर्षीय जॉर्डन एंथनी ने वर्ल्ड इंडोर चैम्पियनशिप की 60 मीटर दौड़ में गोल्ड जीतकर न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि अपनी संघर्ष भरी कहानी से सभी को प्रेरित भी किया। एंथनी ने 6.41 सेकंड का समय निकाला, जो इतिहास का चौथा सबसे तेज समय है। रेस से सिर्फ 36 घंटे पहले उन्हें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा था। पोलैंड पहुंचने के बाद डोप टेस्ट के दौरान एक अधिकारी ने जब खून लिया तो सुई नस में नहीं लगी, बल्कि बाहर लग गई, जिससे उनके हाथ में ब्लड क्लॉट हो गया। वे अपना हाथ ठीक से हिला भी नहीं पा रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने

हार नहीं मानी और दर्द के साथ ही मैदान में उतरने का फैसला किया।

जॉर्डन एंथनी की कहानी और भी खास इसलिए है क्योंकि उन्होंने महज नौ महीने पहले ही पेशेवर एथलेटिक्स में कदम रखा है। इससे पहले वे कॉलेज फुटबॉल में अर्कांसस रेजरबैक्स टीम से खेलते थे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने एनएफएल का सपना क्यों छोड़ा, तो उन्होंने साफ कहा, 'क्योंकि यहां कोई मुझे टक्कर मारने के लिए मेरी तरफ नहीं दौड़ रहा है।'

रोमांचक फाइनल में कांटे की टक्कर दिखी। जमैका के किशाने थॉम्पसन ने 6.45 सेकंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि अमेरिका के ट्रेवॉन ब्रोमेल ने भी 6.45 सेकंड के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। इसका फैसला फोटो फिनिश से हुआ। ब्रिटेन के जेरमायाह अजू महज 0.01 सेकंड से मेडल से चूक गए। एंथनी 100 मीटर के ओलिंपिक चैम्पियन नोआ लायल्स के ट्रेनिंग ग्रुप का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दूसरों की रेस देखता हूं। यह ठीक वैसा ही है जैसे फुटबॉल में हम दूसरी टीम का विश्लेषण करते हैं। ट्रैक एंड फील्ड में कई लोग ऐसा नहीं करते, लेकिन मैं माइंड गेम पर ध्यान देता हूं। मुझे पता होता है कि सामने वाला क्या अच्छा करता है और क्या नहीं।'

इस जीत से एंथनी का आत्मविश्वास बढ़ गया है। उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैंने डेब्यू में गोल्ड जीता और इसे अमेरिका लेकर जा रहा हूं। मैंने कॉलेज फुटबॉल में ज्यादा दर्शकों के सामने खेला है, लेकिन यहां आकर मैं ज्यादा उत्साहित था। यह मेरे लिए आसान लगा।' अब उनका अगला लक्ष्य लॉस एंजिलिस ओलिंपिक 2028 में गोल्ड जीतना है।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा का दबदबा, 39 स्वर्ण के साथ कुल 95 पदक जीते

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के भुवनेश्वर में 17 से 21 मार्च तक आयोजित 24वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में हरियाणा का दबदबा रहा। ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद हरियाणा ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरा, जिसने 39 गोल्ड, 31 सिल्वर और 25 ब्रॉन्ज मेडल सहित कुल 95 मेडल के साथ मेडल टैली में टॉप किया। तमिलनाडु 51 मेडल (14 गोल्ड, 20 सिल्वर, 17 ब्रॉन्ज) के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि गुजरात 30 मेडल (14 गोल्ड, 11 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज) के साथ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं, मेजबान राज्य ओडिशा 5 गोल्ड मेडल सहित कुल 17 मेडल के साथ नौवें स्थान पर रहा। इस चैंपियनशिप में 28 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 1,460 पैरा-एथलीट्स ने हिस्सा लिया। इनके अलावा, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) की टीमों ने भी 145 मेडल इवेंट्स में हिस्सा लिया। मेंस डिस्कस थ्रो एफ11 इवेंट में हरियाणा के मोनू घांगस ने 35.05 मीटर की थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। राजस्थान के प्रवीण शर्मा (33.69 मीटर) दूसरे और आंध्र प्रदेश के नीलम संजय रेड्डी (31.34 मीटर) तीसरे स्थान पर रहे। मेंस डिस्कस थ्रो एफ51-एफ52-एफ53 इवेंट में, उत्तर प्रदेश के राम रतन सिंह ने 11.98 मीटर की थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। हरियाणा के प्रणव सूरमा (10.97 मीटर) दूसरे और धरमबीर (9.61 मीटर) तीसरे स्थान पर रहे। ट्रैक इवेंट्स में, गुजरात के भट्ट राकेशभाई ने पुरुषों के 200 मीटर टी37 में 24.25 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि महाराष्ट्र के अभिषेक बाबासा जाधव पुरुषों के 200 मीटर टी35 में टॉप पर रहे।

हर जिले की अपनी खास फसल के लिए पहचान : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को सिद्दीपेट जिले के नार्मेट्टा क्षेत्र का दौरा करते हुए ऑयल पाम फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने रैतू भरोसा योजना के तहत किसानों के खातों में फंड भी जारी किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 70 लाख लाभार्थियों के खातों में रैतू भरोसा फंड जमा किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों को राजा की तरह सम्मान देने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने के अलावा हम किसानों को 500 रुपये का बोनस भी देंगे। हम किसानों द्वारा उठाए गए हर दाने को खरीद रहे हैं। उन्होंने राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव से आग्रह किया कि कोडंगल में भी सिद्दीपेट जैसी ऑयल पाम फैक्ट्री स्थापित की जाए। मुख्यमंत्री ने किसानों को निज़ामाबाद के अंकापुर के किसानों से प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के हर जिले की अपनी खास फसल के लिए पहचान है और राज्य में उपजाऊ जमीन और मेहनती किसान हैं। रेवंत ने बताया कि राज्य सरकार कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी काम कर रही है और उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य की एक करोड़ महिलाओं को उद्यमी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, पूर्व में सोलर एनर्जी क्षेत्र में केवल अंबानी और अडानी जैसे उद्योगपति सक्रिय थे, लेकिन हमारी सरकार ने महिलाओं को सोलर पावर प्लांट स्थापित करने और चलाने का अवसर दिया। सरकारी स्कूलों में अब नर्सरी से ही अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा शुरू की गई है।

रैतू भरोसा फंड सोमवार को किसानों के खातों में जमा किए जाएंगे। दूसरी किस्त के रूप में 2,650 करोड़ रुपये बीस दिन बाद और तीसरी किस्त के रूप में 2,760 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा, अब मिड-डे मील के साथ सुबह का नाश्ता भी प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि रविवार को अवकाश था, इसलिए रैतू भरोसा फंड सोमवार को किसानों के खातों में जमा किए जाएंगे। दूसरी किस्त के रूप में 2,650 करोड़ रुपये बीस दिन बाद और तीसरी किस्त के रूप में 2,760 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। रेवंत ने सिद्दीपेट के लोगों से अपील की कि यदि वे 2029 में कांग्रेस का विधायक चुनते हैं, तो वह विधायक को राज्य कैबिनेट मंत्री बनाएंगे। उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि विकास के रास्ते में बाधा डालना स्वीकार्य नहीं है और सभी विधानसभाओं को समान दृष्टिकोण से देखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने उर्वरक (यूरिया) की संभावित कमी के संबंध में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण आने वाले दिनों में यूरिया की कमी हो सकती है। उन्होंने भाजपा सांसदों से आग्रह किया कि रामगुंडम फैक्ट्री का पूरा यूरिया उत्पादन केवल तेलंगाना राज्य को ही आवंटित किया जाए। रेवंत ने कहा, मैं ऐसा मुख्यमंत्री नहीं हूं जो लोगों के लिए धन वितरण में भेदभाव करता हो। पिछली सरकारों ने विपक्षी विधायकों के क्षेत्रों के साथ भेदभाव किया। मैं नेताओं के खिलाफ हो सकता हूं, लेकिन जनता के साथ कभी भेदभाव नहीं करूंगा। सिद्दीपेट को पर्याप्त निधि दी गई है और ऑयल पाम फैक्ट्री को कोडंगल नहीं भेजा गया।

जग्गा रेड्डी के सोशल मीडिया पोस्ट से कांग्रेस में अटकलें तेज

संगारेड्डी, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष टी. जग्गा रेड्डी के एक रहस्यमय सोशल मीडिया पोस्ट से पार्टी के भीतर राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। नेताओं के बीच यह चर्चा है कि क्या यह मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के लिए किसी तरह का संकेत या दबाव है। जग्गा रेड्डी ने फेसबुक पर तेलुगु, अंग्रेजी और हिंदी में पोस्ट करते हुए 30 जुलाई तक कुछ बड़ा होने का इशारा किया। हिंदी में उन्होंने लिखा अभी पिक्चर बाकी है, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं और बढ़ गई हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला उनकी पत्नी निर्मला के कार्यकाल से जुड़ा हो सकता है, जो तेलंगाना औद्योगिक एवं अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) की अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल जुलाई में समाप्त होने वाला है। बताया जा रहा है कि जग्गा रेड्डी हाल ही में दिल्ली भी गए थे, जहां वे पार्टी नेतृत्व से मुलाकात करना चाहते थे। इसी बीच, संगारेड्डी में आयोजित एक इफ्तार कार्यक्रम में कुछ मंत्रियों की मौजूदगी और सार्वजनिक समर्थन के बयानों ने इन अटकलों को और हवा दी है। हालांकि, पार्टी नेतृत्व इस मामले में क्या रुख अपनाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

ओआरआर तक टीडीआर नियमों में ढील

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में आउटर रिंग रोड सीमा तक बिल्डरों के लिए ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स नियमों में ढील दी है। संशोधित टीडीआर नियमों का उद्देश्य शहर में रियल एस्टेट को बढ़ावा देना, टीडीआर बाजार को मजबूत करना और सार्वजनिक परियोजनाओं से प्रभावित भू-स्वामियों को मुआवजा प्रदान करना है। ये नियम नए प्रोजेक्ट, प्लान संशोधन और अतिरिक्त मंजिलों की स्वीकृति पर लागू होंगे। सरकार के इस निर्णय से शहरी योजना और रियल एस्टेट रणनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। पहले टीडीआर का उपयोग सीमित क्षेत्रों तक ही था, लेकिन अब ओआरआर सीमा तक विस्तार से शहर के बाहरी इलाकों में भी इसका लाभ मिलेगा। इससे तेल्लापुर, कोकापेट और आदिबाटला जैसे उभरते क्षेत्रों में बिल्डरों को टीडीआर सर्टिफिकेट का उपयोग करने में आसानी होगी। खासकर ऊंची इमारतों वाले आवासीय प्रोजेक्ट्स में, जहां जमीन की कीमत अधिक होती है, वहां टीडीआर एक सस्ता विकल्प साबित होगा।

पुलिस का विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान, 173 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत पर विशेष ड्रंक एंड ड्राइव जांच अभियान चलाते हुए 173 लोगों को पकड़ा। इनमें 138 दोपहिया, 10 तिपहिया, 22 चारपहिया और 3 भारी वाहन चालक शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नशे में वाहन चलाना गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में दुर्घटना कर मृत्यु का कारण बनता है, तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 वर्ष की सजा और जुर्माना हो सकता है। पिछले सप्ताह (16 से 21 मार्च) के दौरान 358 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें 2 आरोपियों को जुर्माने के साथ सामाजिक सेवा और 356 को केवल जुर्माना लगाया गया।

शिक्षा पर व्यय आने वाली पीढ़ियों के विकास में निवेश : भट्टी

इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का निरीक्षण

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर किया गया हर व्यय आने वाली पीढ़ियों के विकास में निवेश है। रविवार को मधिरा विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान उन्होंने बोनाकल मंडल के लक्ष्मीपुरम गांव में निर्माणाधीन इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन भवन परिसरों का दौरा कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों तथा ठेकेदारों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उप-मुख्यमंत्री ने जूनियर छात्रावास, जूनियर एवं सीनियर शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक भवन तथा मैकेनिकल, विज्ञान, गणित और कंप्यूटर लैब भवनों के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये केवल इमारतें नहीं हैं, बल्कि ऐसे दूरदर्शी मंदिर हैं जो आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देंगे।

हाइड्रा अभियान में सरकार अपना रही है दोहरा मापदंड : बंडी संजय

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने रविवार को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर हाइड्रा अभियान के तहत गरीबों के घरों को ध्वस्त करने और एआईएमआईएम नेताओं द्वारा सलमान झील के पास किए गए अतिक्रमण को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ के हालिया इंटरव्यू का क्लिप अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा करते हुए संजय ने कमिश्नर की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का रवैया इस नारे से मेल खाता है : "गरीबों को हटाओ, औवैसी को बचाओ"। संजय ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों के लिए 'बफर ज़ोन' बनाती है, जबकि औवैसी के लिए 'कम्फर्ट ज़ोन' स्थापित करती है। उन्होंने यह भी कहा कि 'फुल टैंक लेवल' (एफटीएल) नियम गरीबों पर कड़ाई से लागू होते हैं, लेकिन औवैसी पर पूरी छूट दी जाती है। उन्होंने हाइड्रा कमिश्नर की दोहरे मापदंड वाली नीति की आलोचना करते हुए कहा कि जहां अवैध कॉलेज में पढ़ रहे छात्रों के मामले को सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाता है, वहीं गरीबों के घरों को अतिक्रमण के नाम पर ध्वस्त किया जाता है। आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए संजय ने कहा कि हाइड्रा बुलडोज़र गरीब परिवारों के 200 से अधिक घरों को ध्वस्त करने में तेजी दिखा रही थी, जबकि औवैसी कॉलेज, जो सलकम झील के एफटीएल क्षेत्र में स्थित है, के मामले में प्रशासन जानबूझकर समय खींच रहा था। संजय ने कहा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के लिए पीएम-एडब्लूएएस योजना के तहत सम्मानजनक आवास का निर्माण कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस सरकार उनके घरों को बुलडोजर भेजकर ध्वस्त कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर कानून राजकारों के उत्तराधिकारियों के लिए लचीला है और गरीबों पर कड़ा, तो यह सिर्फ़ दिखावा है और मूल आदर्शों का उल्लंघन करता है।

स्लैब गिरने से दो इलेक्ट्रीशियन की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट के मेथोडिस्ट कॉलोनी में रविवार को एक अपार्टमेंट के स्लैब का हिस्सा गिरने से दो इलेक्ट्रीशियन की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। मृतकों की पहचान देवेंद्र (60) और पी. विवेक (30) के रूप में हुई है, जो आसिफनगर के सीतारामबाग के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, दोनों को कुंदनबाग स्थित एक अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर फ़्लैट में काम के लिए बुलाया गया था। काम के दौरान फ़्लैट मालिक द्विकर प्रसाद बालकनी में खड़े थे, तभी अचानक फर्श का हिस्सा गिर गया और तीनों नीचे जा गिरे। हादसे में देवेंद्र और विवेक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिए गए हैं।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत, छह घायल

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को कंचनबाग, राजेंद्रनगर और विकाराबाद में हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम छह अन्य घायल हो गए। कंचनबाग में रात को एक टिपर लॉरी की टक्कर से 18 वर्षीय मोहम्मद रेहान कुरैशी की मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हाफिज बाबा नगर सी ब्लॉक निवासी रेहान ने सड़क पर गड्ढे देखकर अपनी गति धीमी की थी, तभी पीछे से आई लॉरी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

राजेंद्रनगर के आउटर रिंग रोड पर, कर्नाटक निवासी 35 वर्षीय वेंकट साई राम की कार पीछे से ट्रक से टकराने से दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। कार में सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। विकाराबाद जिले के पुदुर मंडल में एक कार और ऑटो रिक्शा की टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए। घायल लोग हैदराबाद में शादी में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है।

मां की डांट से दुखी होकर बच्चे ने कीटनाशक पी लिया, मौत

महबूबाबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गरला मंडल के पुसला थंडा में चौथी कक्षा के दस वर्षीय पवन ने 11 मार्च को कीटनाशक पी लिया। जानकारी के अनुसार, पवन अपनी मां स्वप्ना की डांट से परेशान था क्योंकि उसने स्कूल जाने के बजाय घर पर रहने की सलाह दी थी। घर में कोई नहीं होने के दौरान पवन ने यह कदम उठाया। पवन को अगले दिन उल्टी और तेज बुखार होने लगा। परिवार ने उसे तुरंत महबूबाबाद के सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया। इलाज के दौरान शनिवार को पवन की मौत हो गई। परिवार और गांव वाले इस दुखद घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और बच्चे के परिजनों से पूछताछ कर रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों पर नजर रखने और उनके मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी है।

पहाड़ीशरीफ रोड पर सड़क हादसे में युवक की मौत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ रोड पर शनिवार को हुए एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक मोहम्मद अमन की मौत हो गई। वह मेहदीपटनम का निवासी था। पुलिस के अनुसार, अमन एर्राकुंटा रोड से चंद्रायनगुट्टा की ओर जा रहा था। जैसे ही वह ज़ाथारा मंडी के पास पहुंचा, एक अन्य बाइक सवार तेज रफ्तार में आया और अचानक मुड़ गया। इससे अमन अपनी बाइक पर नियंत्रण खो बैठा और टक्कर के बाद सड़क पर गिर गया। हादसे में अमन को गंभीर चोटें आईं और उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी बाइक सवार को हिरासत में ले लिया गया है।

केटीआर ने किसान की मौत और फ्लाईओवर सुरक्षा पर की कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर किसानों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और आदिलाबाद जिले के एक किसान की आत्महत्या के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इसे राज्य द्वारा की गई हत्या करार देते हुए विधानसभा के मौजूदा सत्र में इस मुद्दे को उठाने का संकल्प लिया।

रामाराव ने 18 नवंबर को आदिलाबाद मंडी यार्ड का दौरा करते हुए अरली (बी) गांव के किसान तुदुम गणपति का उदाहरण दिया। गणपति कथित रूप से अपनी सोयाबीन की फसल की खरीद के लिए कई दिनों तक मंडी में इंतजार करते रहे, लेकिन बढ़ते कर्ज और सरकार की ओर से ऋण माफी या रायथु भरोसा सहायता न मिलने के कारण उन्होंने तीन दिन पहले आत्महत्या कर ली। इसके अलावा, रामाराव ने बाचुपल्ली फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में सुरक्षा उपायों की कथित लापरवाही को लेकर नगर प्रशासन की भी आलोचना की। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में फ्लाईओवर पर वेल्डिंग के दौरान चिंगारियां नीचे से गुजर रहे यात्रियों पर गिरती दिखीं। रामाराव ने कहा कि नगर निगम का यह लापरवाह और गैरजिम्मेदाराना व्यवहार स्वीकार्य नहीं है और लोगों की सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रदर्शन के बीच आरजीयूकेटी-बासर में छुट्टियां घोषित

कुलपति कार्यालय के बाहर नारेबाजी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी) ने छात्रों के चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) प्रथम और द्वितीय वर्ष तथा इंजीनियरिंग प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए 23 मार्च से अस्थायी अवकाश घोषित किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह निर्णय शैक्षणिक गतिविधियों को बाधित होने से बचाने के लिए लिया गया है। विरोध प्रदर्शन परिसर में चिकित्सा सुविधाओं की कमी और एक छात्रा की मृत्यु के बाद शुरू हुए। प्रदर्शन का कारण मेदक जिले की पीयूसी द्वितीय वर्ष की छात्रा मल्लीपुडी तेजस्विनी की मृत्यु है। विश्वविद्यालय ने बताया कि कक्षाएं कब शुरू होंगी, इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी और छात्रों से इस समय का सदुपयोग करने की अपील की गई है। छात्र 17 मार्च से विरोध कर रहे हैं और तेजस्विनी के परिवार के लिए 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस दौरान कुलपति कार्यालय के बाहर नारेबाजी भी की गई। तेजस्विनी के माता-पिता ने भी न्याय और उचित मुआवजे की मांग को लेकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर धरना दिया। 17 वर्षीय तेजस्विनी, मेदक जिले के रामचंद्रपुरम की निवासी थीं, जिनका 16 मार्च को हैदराबाद के गांधी अस्पताल में ल्यूकेमिया के इलाज के दौरान निधन हो गया।

दोस्तों की पिटाई से दसवीं के छात्र की मौत

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में शनिवार रात दसवीं कक्षा के एक छात्र की कथित तौर पर उसके ही दोस्तों द्वारा पिटाई करने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रघुवीर राय (19) के रूप में हुई है, जो उदय नगर, बंजारा हिल्स का निवासी था और एसएससी बोर्ड की परीक्षा दे रहा था। पुलिस के अनुसार, शनिवार शाम रघुवीर अपने तीन किशोर दोस्तों के साथ बाहर गया था। देर रात वह बंजारा हिल्स के हैंगिंग गार्डन्स में बेहोश अवस्था में मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में सामने आया कि उसके दोस्तों ने ही उसे हाथों और पैरों से पीटा था, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

व्हाट्सएप पर फर्जी मैसेज से सीईओ से 1.20 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एक कंपनी की सीईओ, जो पूर्व पुलिस महानिदेशक रैंक के अधिकारी की पोती हैं, को साइबर जालसाजों ने 1.20 करोड़ रुपये का चूना लगा दिया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ठगों ने इस महीने की शुरुआत में सीईओ के अकाउंटेंट से व्हाट्सएप पर संपर्क किया और उनकी फोटो को डिस्प्ले पिक्चर के रूप में इस्तेमाल किया।

अकाउंटेंट को बताया गया कि सीईओ मीटिंग में व्यस्त हैं, इसलिए वह कुछ बैंक खातों में 1.20 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दें। इसे सही मानकर अकाउंटेंट ने बताए गए खातों में पैसे भेज दिए।

17 मार्च को ठगों ने फिर से अकाउंटेंट को मैसेज भेजकर अन्य खाते में रकम ट्रांसफर करने को कहा। इस बार अकाउंटेंट ने सीईओ से संपर्क किया, तब खुलासा हुआ कि उन्होंने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया था। इसके बाद पता चला कि पहले भी अकाउंटेंट ने इसी तरह 12 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। मामले का खुलासा होने पर हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हनुमान वाहन पर श्रीराम का दिव्य तेज, तिरुपति में भव्य ब्रह्मोत्सव

तिरुपति, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम द्वारा आयोजित श्री कोदंडराम स्वामी के वार्षिक ब्रह्मोत्सव के अंतर्गत रविवार को छठे दिन सुबह 8 बजे भगवान ने हनुमान वाहन पर भक्तों को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान किया। भव्य शोभायात्रा में हाथी, बैल और घोड़े अग्रणी रहे, जबकि भजन मंडलियों ने भक्तिमय गायन और कोलाटम नृत्य प्रस्तुत किया। भगवान की यह यात्रा मंदिर के चारों माडा मार्गों पर श्रद्धा और उल्लास के बीच संपन्न हुई। हनुमान, जिन्हें त्रेता युग में भगवान राम के परम भक्त के रूप में जाना जाता है, अपने भक्तों को आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करते हैं।

इसके बाद सुबह 10:30 बजे से श्री सीता, लक्ष्मण और श्री कोदंडराम स्वामी के उत्सव विग्रहों का स्नपन तिरुमंजनम् अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस दौरान दूध, दही, शहद, नारियल जल, हल्दी और चंदन से अभिषेक किया गया।

शाम 7:00 बजे से 8:30 बजे तक भगवान गज वाहन पर भक्तों को दर्शन देंगे। इस वाहीक सेवा में तिरुमला के पेद्द जियर स्वामी, डिप्टी ईओ श्रीमती नगरत्ना, मंदिर निरीक्षक सुरेश, पुजारीगण और बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

तिरुमला में 30 मार्च से 1 अप्रैल तक सालयकटला वसंतोत्सव

तिरुपति, 22 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने घोषणा की है कि तिरुमला में सालयकटला वसंतोत्सव 30 मार्च से 1 अप्रैल तक भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे। वसंतोत्सव तीन दिवसीय वार्षिक वसंत पर्व है, जो सामान्यतः चैत्र मास में त्रयोदशी, चतुर्दशी और पूर्णिमा के शुभ दिनों पर मनाया जाता है।

यह उत्सव वसंत ऋतु के स्वागत के रूप में आयोजित किया जाता है। मंदिर परंपरा के अनुसार, इस उत्सव की शुरूआत 1460 के दशक में राजा अच्युतराय के शासनकाल में हुई थी। इन तीन दिनों के दौरान उत्सव मूर्तियों को सुगंधित द्रव्यों से स्नान (अभिषेक) कराया जाता है, जिससे उन्हें गर्मी के मौसम में शीतलता प्रदान करने का धार्मिक महत्व माना जाता है। उत्सव का शुभारंभ एक दिन पूर्व उत्तराभाद्र नक्षत्र में 'अंकुरार्पण' (नौ प्रकार के बीज बोने की रस्म) से होता है। इसके अलावा पुण्याहवाचन (शुद्धिकरण), वास्तु शांति और संप्रोक्षण (पवित्र जल छिड़काव) जैसे अनुष्ठान भी पुरोहितों द्वारा संपन्न किए जाते हैं, जिनमें आम श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं होता। तीनों दिनों में श्री मलयप्पा स्वामी और उनकी सहचरी देवियों को सुसज्जित वसंत मंडपम में विराजमान किया जाता है। पहले दो दिनों में स्नपन तिरुमंजनम (सुगंधित अभिषेक) किया जाता है। दूसरे दिन सुबह उत्सव मूर्तियों को स्वर्ण रथ पर चारों माडा सड़कों पर शोभायात्रा में निकाला जाता है, जहां वे भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। तीसरे दिन भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और अंजनेय के साथ तथा भगवान कृष्णा, रुक्मिणी और सत्यभामा भी शोभायात्रा में शामिल होते हैं। अंत में सभी उत्सव मूर्तियों को वसंत मंडपम में लाकर धार्मिक उत्साह के साथ स्नपन तिरुमंजनम किया जाता है। इस दौरान टीटीडी ने कल्याणोत्सव, उंजल सेवा, अर्जिता ब्रह्मोत्सवम, सहस्र दीपलंकार सेवा तथा 31 मार्च को अष्टदल पदपद्माराधना सेवाओं को रद्द करने का निर्णय लिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.